RNI NO.: MAHHIM/2013/52540

मुंबई, पुणे और नाशिक से एक साथ प्रकाशित

हमारा महानगर

https://www.hamaramahanagar.net ■ वर्ष 11 ■ अंक 329 ■ नाशिक, रविवार 7 दिसंबर 2025 ■ पेज 10 ■ मूल्य : ₹ 5.00 ■ संरक्षक : आरएन सिंह

किराए पर नहीं चलेगी मनमानी

सरकार ने एयरलाइन कंपनियों पर लगाया फेयर कैप

नई दिल्ली। इंडिगो संकट को लेकर सरकार अब सख्त नजर आ रही है। नागरिक उड्डयन मंत्रालय ने इस संकट से निपटने के लिए कई दिशा-निर्देश जारी किए हैं। सरकार की ओर से इंडिगो को यात्रियों का पैसा तुरंत वापस करने के लिए कहा गया है। इसके साथ ही सरकार ने दूसरी एयरलाइन के किराए में हुए बेहताशा बढ़ोतरी पर भी लगाम लगा दी। नागरिक उड्डयन मंत्रालय ने सभी प्रभावित रूट्स पर सही और वाजिब किराया सुनिश्चित करने के लिए अपनी रेगुलेटरी पावर का इस्तेमाल किया है। सरकार ने एयरलाइन से कहा कि वह तय हवाई किराए से ज्यादा न लें। घरेलू शेड्यूल्ड एयरलाइंस यात्रियों से नीचे बताई गई सीमा से अधिक किराया नहीं वसूल सकती हैं।

500 किमी तक की दूरी
अधिकतम किराया 7500 रुपए

500-1000 किमी की दूरी
अधिकतम किराया 12000 रुपए

1000-1500 किमी की दूरी
अधिकतम किराया 15000 रुपए

1500 किमी से अधिक की दूरी
अधिकतम किराया 18000 रुपए

इंडिगो की उड़ान बाधित होने से हजारों यात्रियों के प्रभावित होने के बीच नागर विमानन मंत्रालय ने शनिवार को एयरलाइन को निर्देश दिया कि रद्द की गई उड़ानों के लिए टिकट के रिफंड की प्रक्रिया रविवार शाम तक पूरी कर ली जाए। सरकार ने साथ ही यह भी सुनिश्चित करने को कहा कि यात्रियों के छूटे हुए सामानों को अगले दो दिनों में उन तक पहुंचा दिया जाए।

पीएम मोदी ने संभाला मोर्चा

प्राइवेट सेक्टर की एयरलाइन इंडिगो के संकट को जल्द खत्म करने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मोर्चा संभाल लिया है। सरकारी सूत्रों ने पुष्टि की है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को इंडिगो के मौजूदा संकट के बारे में जानकारी दी गई है। प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) कथित तौर पर इंडिगो के सीईओ पीटर एल्बर्स के साथ सीधे संपर्क में है और एयरलाइन से जल्द से जल्द अपना परिचालन बहाल करने को कहा है।

यात्रियों के सामान को घर पहुंचाने के दिए निर्देश

इसके अलावा, एयरलाइन को यह सुनिश्चित करने के लिए कहा गया है कि जिन यात्रियों का ट्रैवल प्लान रद्द या प्रभावित हुआ है, उनसे कोई रिशेड्यूलिंग चार्जेस न लिए जाएं। मंत्रालय ने साफ किया कि रिफंड प्रक्रिया में किसी भी तरह की देरी या नियमों का पालन न करने पर तुरंत नियामक कार्रवाई की जाएगी। मंत्रालय ने यह भी निर्देश दिया कि एयरलाइन यह सुनिश्चित करे कि उड़ान रद्द होने या देरी के कारण यात्रियों के छूटे हुए सामान का पता लगाया जाए और अगले 48 घंटों के भीतर उन तक पहुंचाया जाए।

इंडिगो का बयान

इंडिगो के परिचालन में आ रही समस्याओं पर एयरलाइन की ओर से शनिवार को बयान जारी किया गया। इस बयान में इंडिगो ने कहा कि एयरलाइन पूरे नेटवर्क में अपने परिचालन को पटरी पर लाने के लिए पूरी लगन से काम कर रही है। इंडिगो ने कहा, 'हमारी टीमें शेड्यूल को स्थिर करने, देरी को कम करने और इस दौरान ग्राहकों की मदद करने पर केंद्रित हैं। शनिवार को रद्दीकरण की संख्या 850 उड़ानों से नीचे आ गई है, जो कल की तुलना में काफी कम है। हम अगले कुछ दिनों में इस संख्या को धीरे-धीरे कम करने की दिशा में काम कर रहे हैं।'

भारत यशस्वी

साउथ अफ्रीका के खिलाफ वनडे सीरीज के तीसरे मुकाबले में यशस्वी जायसवाल ने बल्ले से धूम मचा दी। शनिवार को यशस्वी ने अपने वनडे इंटरनेशनल करियर का पहला शतक पूरा किया। यशस्वी ने 10 चौके और एक छक्के की मदद से 111 गेंदों पर शतक पूरा किया। भारत ने द.अफ्रीका को 9 विकेट हराकर वनडे श्रृंखला पर कब्जा किया।

HTLS 2025 में बोले पीएम मोदी

गुलामी की मानसिकता विकसित भारत के लक्ष्य में बड़ी रुकावट

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शनिवार को 'हिंदुस्तान टाइम्स लीडरशिप समिट 2025' में शामिल हुए। उन्होंने कहा कि आज हर सेक्टर में गुलामी की मानसिकता को पीछे छोड़कर नए गौरव को हासिल करने का प्रयास किया जा रहा है। पीएम मोदी ने कहा कि गुलामी की मानसिकता ने एक बहुत बड़ा नुकसान भारत में गवर्नेंस के अप्रोच को भी किया। लंबे समय तक सरकारी सिस्टम का अपने नागरिकों पर अविश्वास रहा। हमारे देश में ऐसे-ऐसे प्रावधान चल रहे थे, जहां जरा सी गलतियों को भी गंभीर अपराध माना जाता था।

प्रधानमंत्री ने कहा कि अभी कुछ दिन पहले मैंने देश से एक अपील की है। मैकाले की जिस नीति ने भारत में मानसिक गुलामी के बीज बोए थे, उसे 2035 में 200 साल पूरे हो रहे हैं यानी 10 साल बाकी हैं। इसलिए इन्हीं 10 वर्षों में हम सभी को मिलकर अपने देश को गुलामी की मानसिकता से मुक्त करके रहना है। पीएम मोदी ने कहा कि गुलामी की मानसिकता विकसित भारत के लक्ष्य में सबसे बड़ी रुकावट है। आप भी जानते हैं कि कोई भी देश बिना आत्मविश्वास के आगे नहीं बढ़ सकता। दुर्भाग्य से लंबी गुलामी ने भारत के इसी आत्मविश्वास को हिला दिया था।

लोकसभा में पेश

राइट टू डिस्कनेक्ट बिल 2025

नई दिल्ली। एनसीपी सांसद सुप्रिया सुले ने लोकसभा में 'राइट टू डिस्कनेक्ट बिल, 2025' पेश किया। इस बिल का मकसद भारत में वर्कर्स और एम्प्लॉइज के लिए वर्क-लाइफ बैलेंस को बढ़ावा देना है। शुक्रवार को एक प्राइवेट मेंबर बिल पेश किया गया। लोअर हाउस और अपर हाउस दोनों के मेंबर उन मुद्दों पर बिल पेश कर सकते हैं, जिनके बारे में उन्हें लगता है कि उन पर सरकारी कानून की जरूरत है। बिल में प्रावधान है कि किसी भी नॉन-कम्प्लायंस के लिए एंटिटीज (कंपनियों या सोसाइटीज) पर उनके एम्प्लॉइज की टोटल सैलरी का 1 परसेंट का जुर्माना लगाया जाना चाहिए। यह बिल हर एम्प्लॉई को काम से जुड़े इलेक्ट्रॉनिक कम्युनिकेशन से डिस्कनेक्ट करने का अधिकार देता है। इसका मतलब है कि कर्मचारी ऑफिस टाइम के बाद बॉस के फोन या ईमेल से मुक्त रहने का अधिकार देता है।

BJP का अल्टीमेटम ▶▶ NH-12 ब्लॉक हो जाएगा

ममता आग से खेल रही हैं

महानगर संवाददाता
कोलकाता

पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद जिले के बेलडांगा में तृणमूल कांग्रेस से निलंबित विधायक हुमायूं कबीर ने शनिवार को अयोध्या की बाबरी मस्जिद की तर्ज पर बनने वाली मस्जिद की आधारशिला रखी। कबीर ने कई मौलवियों के साथ मिलकर फीता काटकर औपचारिकता पूरी की। वहीं, अब इस मामले पर सियासी घमासान छिड़ गया है। बीजेपी नेता अमित मालवीय ने पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर गंभीर आरोप लगाए हैं और आने वाले समय के लिए चेतावनी भी दी है। बीजेपी नेता अमित मालवीय ने कहा कि पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी आग से खेल रही हैं। मुर्शिदाबाद के बेलडांगा से आ रही खबरों ने गंभीर चिंता पैदा कर दी है, जहां ममता बनर्जी राजनीतिक लाभ के लिए मुस्लिम भावनाओं का ध्रुवीकरण करने के लिए 'निलंबित' टीएमसी विधायक हुमायूं कबीर का इस्तेमाल कर रही हैं। स्थानीय रिपोर्टों के अनुसार कबीर के मुस्लिम समर्थकों के समूह ईंटें लेकर उस जगह का निर्माण करते देखे गए हैं जिसे वे बाबरी मस्जिद बता रहे हैं। उन्होंने यह भी दावा किया है कि पश्चिम बंगाल पुलिस उनका समर्थन कर रही है और इस गतिविधि के लिए सुरक्षा प्रदान कर रही है। बेलडांगा राज्य के सबसे सांप्रदायिक रूप से संवेदनशील क्षेत्रों में से एक है, जहां झड़पों का एक लंबा और अशांत इतिहास रहा है।

Short News एक नजर

नीरव मोदी को भारत लाने की तैयारी तेज

नई दिल्ली। भगोड़े हीरा कारोबारी नीरव मोदी को भारत लाने की तैयारी तेज हो गई है। इसके लिए केंद्रीय जांच ब्यूरो (CBI) और प्रवर्तन निदेशालय (ED) की एक संयुक्त टीम अगले सप्ताह नीरव मोदी की भारत प्रत्यर्पण के खिलाफ अपील पर पहली सुनवाई के लिए लंदन की यात्रा करने वाली है। टीम क्राउन प्रॉसिक्यूशन सर्विस (सीपीएस) को भगोड़े हीरा व्यापारी के दावों का मुकाबला करने में सहायता करेगी कि अगर उसे भारत भेजा जाता है तो उसे यातना का खतरा है। एजेंसियों का कहना है कि ये दावे भ्रामक हैं, भारत में सुरक्षा के पुख्ता प्रबंध हैं।

अब तेजी से तैयार होंगे सेना के बंकर

नई दिल्ली। इंडियन आर्मी ने ऑन-साइट 3D कंक्रीट प्रिंटिंग टेक्नोलॉजी के ऑपरेशनल डिप्लॉयमेंट के साथ डिफेंस इंफ्रास्ट्रक्चर इनोवेशन को और आगे बढ़ाया है। इसमें IIT हैदराबाद के साथ मिलकर प्रोजेक्ट PRABAL (बंकर और एक्सेसरीज की प्रिंटिंग के लिए पोर्टेबल रोबोटिक प्रिंटर) के तहत काम किया जाएगा। यह काबिलियत पहले ही दूसरे ऑपरेशनल एरिया में साबित हो चुकी है। इसे अब सिक्किम और आस-पास की फॉरवर्ड जगहों पर त्रिशक्ति कॉर्प्स ने अच्छे से इस्तेमाल की है। स्वदेशी रोबोटिक 3D कंक्रीट प्रिंटर, जिसमें रोबोटिक आर्म, सर्कुलर मिक्सर, पिस्टन पंप और जनरेटर लगा है।

नेहा सिंह राठौर को इलाहाबाद हाई कोर्ट से झटका

लखनऊ। इलाहाबाद हाई कोर्ट की लखनऊ पीठ से लोक गायिका नेहा सिंह राठौर को बड़ा झटका लगा है। पीठ ने नेहा सिंह के खिलाफ दर्ज आपराधिक में अग्रिम जमानत देने से इंकार कर दिया है। नेहा सिंह ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को निशाना बनाने वाले और पहलगाम आतंकवादी हमले पर टिप्पणी करने वाले एक ट्वीट को पोस्ट किया था, जिसके बाद उनके खिलाफ दर्ज किया गया था। बार एंड बेंच की रिपोर्ट के मुताबिक, जस्टिस बृज राज सिंह ने कहा कि विचाराधीन ट्वीट आतंकवादी हमले के बाद एक महत्वपूर्ण समय पर किए गए थे और उनमें प्रधानमंत्री का उल्लेख "अपमानजनक" तरीके से किया गया था।

भारत-रूस के रिश्तों पर किसी भी देश के पास वीटो का अधिकार नहीं : जयशंकर

महानगर नेटवर्क
नई दिल्ली

रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की भारत यात्रा से क्या अमेरिका चिढ़ गया है। क्या पुतिन की भारत यात्रा पर यूरोपीय देशों की निगाहें तिरछी हो गई हैं। इन सवालों का जवाब भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर ने दिया है। उन्होंने बताया है कि भारत और रूस के रिश्ते कैसे हैं और इस यात्रा का बाकी दुनिया पर क्या प्रभाव पड़ा है। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने पुतिन की भारत यात्रा पर काफी कुछ कहा है। एस जयशंकर ने ग्लोबल पार्टनर चुनने की भारत की आजादी का बचाव किया है। उन्होंने जोर देते हुए कहा कि जियोपॉलिटिकल उतार-चढ़ाव से भरी दुनिया में रूस के साथ भारत के रिश्ते सबसे ज्यादा स्थिर रहे हैं। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने आगे कहा कि किसी भी देश के पास भारत के दूसरे देश के साथ संबंधों पर वीटो का अधिकार होना

गलत है। विदेश मंत्री से पूछा गया कि क्या इस हाई-लेवल यात्रा से अमेरिका के साथ भारत के संबंधों में मुश्किलें आएंगी तो एस जयशंकर ने कहा कि वह पुतिन के बारे में सही आकलन के लिए पश्चिमी मीडिया के पास नहीं जाएंगे। एस जयशंकर ने आगे कहा कि भारत के लिए यह बहुत जरूरी है कि हम ज्यादा से ज्यादा देशों के साथ सहयोग बनाए रखें और दुनिया में अपनी स्थिति मजबूत करने के लिए हमारे पास चुनाव की आजादी हो। उन्होंने आगे कहा कि पिछले 70-80 सालों में दुनिया ने बहुत से उतार-चढ़ाव देखे हैं, लेकिन भारत और रूस के रिश्ते दुनिया के सबसे स्थिर बड़े रिश्तों में से एक रहे हैं। रूस के चीन या यूरोप के साथ रिश्तों में उतार-चढ़ाव आए और दूसरे देशों के साथ हमारे रिश्तों में भी ऐसा ही हुआ। विदेश मंत्री ने जोर देकर कहा कि भारत को अपने हित में जो सही है, उसके लिए खड़ा होना चाहिए और यह भी कहा कि डिप्लोमेसी का मतलब किसी और को खुश करना नहीं है।

जल्द दिल्ली आएगा अमेरिकी दल

भारत-यूएस के व्यापार समझौते पर शुरू होगी बातचीत

नई दिल्ली। भारत और अमेरिका के बीच व्यापार समझौते पर 10 दिसंबर से बातचीत शुरू होगी। यह बातचीत तीन दिन तक चलेगी। भारत और अमेरिका के बीच व्यापार समझौते के लिए इस बातचीत को अहम माना जा रहा है। दोनों पक्षों की बातचीत 12 दिसंबर तक चलेगी और अभी यह बातचीत का औपचारिक राउंड नहीं है। अमेरिकी प्रतिनिधिमंडल बातचीत के लिए दिल्ली आएगा और उसका नेतृत्व अमेरिका के व्यापार प्रतिनिधि रिक स्विट्जर करेंगे।

अमेरिका द्वारा भारत पर 50 प्रतिशत टैरिफ लगाए जाने के बाद अमेरिकी अधिकारियों का व्यापार समझौते पर बातचीत के लिए यह दूसरा भारत दौरा होगा। इससे पहले 16 सितंबर को अमेरिकी अधिकारियों ने भारत का दौरा किया था। इसके बाद 22 सितंबर को केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल के नेतृत्व में एक दल अमेरिका गया था। इससे पहले मई में भी पीयूष गोयल अमेरिका दौरे पर थे। हाल ही में वाणिज्य सचिव राजेश अग्रवाल ने कहा कि भारत को उम्मीद है कि अमेरिका के साथ इस साल ही व्यापार समझौते के ढांचे पर सहमति बन जाएगी। व्यापार समझौते से भारतीय निर्यातकों को टैरिफ से राहत मिल सकती है। भारत और अमेरिका टैरिफ के मुद्दे को सुलझाने के लिए एक व्यापार ढांचा बनाने और एक पूर्ण व्यापार समझौते पर समानांतर बातचीत कर रहे हैं। अब तक छह राउंड की बातचीत हो चुकी है। इस समझौते का मकसद 2030 तक दोनों देशों के बीच व्यापार को मौजूदा 191 अरब से दोगुना करके 500 अरब डॉलर करना है।

संविधान की प्रस्तावना से हटें सेक्युलर-सोशलिस्ट शब्द

BJP सांसद ने राज्यसभा में पेश किया विधेयक

नई दिल्ली। राज्यसभा में भाजपा सांसद भीम सिंह द्वारा पेश किए गए प्राइवेट मेंबर बिल ने देश की राजनीति में नई बहस छेड़ दी है। इस बिल में संविधान की प्रस्तावना से 'सेक्युलर' और 'सोशलिस्ट' शब्द हटाने की मांग की गई है। सांसद सिंह का कहना है कि ये शब्द आपातकाल के दौरान बिना लोकतांत्रिक प्रक्रिया के जोड़े गए थे और अब इन्हें हटाकर संविधान को उसके मूल रूप में लौटाना जरूरी है। भाजपा सांसद भीम सिंह ने कहा कि मूल संविधान में ये दोनों शब्द शामिल नहीं थे और इन्हें 1976 में इंदिरा गांधी सरकार ने 42वें संशोधन के जरिए जोड़ा था। उनका आरोप है कि उस समय विपक्ष के सभी बड़े नेता जेल में थे और संसद में कोई खुली बहस नहीं हुई। सिंह का कहना है कि प्रस्तावना में ये शब्द जोड़ने का निर्णय मजबूरी और तत्कालीन राजनीतिक हितों को साधने के लिए किया गया था।

डॉ. बीआर आंबेडकर के हवाले से सिंह ने कहा कि संविधान की संरचना ही देश को धर्मनिरपेक्ष बनाती है, इसलिए अलग से 'सेक्युलर' शब्द जोड़ना जरूरी नहीं था। उन्होंने कहा कि आंबेडकर ने स्पष्ट कहा था कि भविष्य की पीढ़ियों पर किसी एक आर्थिक या राजनीतिक विचारधारा को थोपना सही नहीं होगा, इसलिए 'सोशलिस्ट' शब्द भी आवश्यक नहीं था। उन्होंने कहा कि विपक्ष इसे संविधान पर हमला बताएगा, लेकिन यह कदम संविधान को उसके असली रूप में वापस लाने का प्रयास है। सिंह ने सवाल उठाया कि क्या 1976 से पहले भारत धर्मनिरपेक्ष नहीं था? क्या नेहरू, लाल बहादुर शास्त्री या खुद इंदिरा गांधी की सरकार सांप्रदायिक थी?

राजनीतिक तुष्टिकरण के लिए जोड़े गए शब्द : भीम सिंह

सांसद का दावा है कि सेक्युलर शब्द मुसलमानों को खुश करने और सोशलिस्ट शब्द तत्कालीन सोवियत संघ को खुश करने के लिए जोड़ा गया था। उनके अनुसार इससे केवल भ्रम बढ़ा है, जबकि संविधान खुद ही समानता, स्वतंत्रता और न्याय की गारंटी देता है। उन्होंने कहा कि शब्द हटाने से किसी मौलिक अधिकार या संवैधानिक प्रावधान पर कोई असर नहीं पड़ेगा।

'वैश्विक कूटनीति विश्वसनीयता पर चलती है, वंशवाद से नहीं'

महानगर नेटवर्क
नई दिल्ली

भारत-रूस संबंधों के बीच जारी राजनीतिक चर्चा में भाजपा ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर कड़ा प्रहार किया है। पार्टी प्रवक्ता गौरव भाटिया ने कहा कि भारत और रूस की दोस्ती दुनिया भर में सराहना पाती है, लेकिन भारत में एक विशेष समूह ऐसी उपलब्धियों को कमतर दिखाने और राहुल गांधी द्वारा गढ़ी गई फेक नैरेटिव को बढ़ावा देने में जुटा रहता है। भाटिया ने कहा कि वैश्विक कूटनीति विश्वसनीयता पर चलती है, न कि वंशवाद पर।

पुतिन के रात्रिभोज विवाद पर बोली भाजपा

उन्होंने सवाल उठाया कि क्या सिर्फ किसी परिवार से आने भर से राहुल गांधी को हर मंच पर गंभीरता से लिया जाना चाहिए? उन्होंने आरोप लगाया कि विपक्ष के नेता होने के बावजूद राहुल गांधी ने बार-बार राष्ट्रीय और संवैधानिक कार्यक्रमों से दूरी बनाई है। भाटिया ने सवाल उठाया कि किसी भी विदेशी मेहमान को यदि किसी भारतीय नेता से मिलना होता है, तो वह अपनी इच्छा जताता है। उन्होंने तस्वीर दिखते हुए कहा कि तस्वीरों में देखा जा सकता है कि राहुल गांधी ने बांग्लादेश की अपदस्थ पीएम शेख हसीना, मॉरीशस के प्रधानमंत्री और न्यूजीलैंड के प्रधानमंत्री से मुलाकात की है।

लश्कर-जैश के खिलाफ सख्त एक्शन की मांग

आतंक के मुद्दे पर साथ आए भारत-अमेरिका

नई दिल्ली। भारत और अमेरिका ने संयुक्त राष्ट्र से पाकिस्तान स्थित आतंकवादी संगठनों लश्कर-ए-तैयबा और जैश-ए-मोहम्मद, उनके छद्म ग्रुप्स और समर्थकों के खिलाफ एक्शन की मांग उठाई है। इन आतंकी ग्रुप्स की संपत्ति कुर्क करने और हथियार प्रतिबंध जैसे अतिरिक्त कार्रवाई के कदम उठाने की मांग की है। दोनों पक्षों ने आईएसआईएस और अलकायदा से जुड़े संगठनों पर और अधिक प्रतिबंध घोषित करने की भी मांग की। इन समूहों को संयुक्त राष्ट्र की ओर से आतंकवादी ग्रुप घोषित किया गया था और वे पहले से ही वैश्विक निकाय की प्रतिबंध व्यवस्था के तहत विभिन्न दंडात्मक कार्रवाइयों का सामना कर रहे हैं। भारत और अमेरिका ने अपने आतंकवाद-रोधी संयुक्त कार्य समूह (जेडब्ल्यूजी) की बैठक के साथ-साथ तीन दिसंबर को नई दिल्ली में आयोजित 'डेजिगनेशंस डायलॉग' के दौरान आतंकवाद से निपटने के लिए सहयोग बढ़ाने पर चर्चा की।

मेरे पिता कहते हैं EVM में गड़बड़ है, पर मैं नहीं मानता: उमर

जम्मू। जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने विपक्ष के सबसे बड़े मुद्दे ईवीएम हैक को लेकर अपनी बात रखी है। नई दिल्ली में आयोजित हिन्दुस्तान टाइम्स लीडरशिप समिट में अब्दुल्ला ने कहा कि वह उन लोगों में से नहीं हैं, जो यह मानते हैं कि ईवीएम हैक होती है या कुछ और होता है। उन्होंने कहा कि इस मुद्दे पर उनकी पिता (फारुख अब्दुल्ला) से भी नहीं बनती है, क्योंकि उनका मानना है कि मशीन में गड़बड़ होती है लेकिन वह ऐसा नहीं मानते। लीडरशिप समिट में उमर ने कहा कि मैं ऐसा नहीं मानता कि मशीन (ईवीएम) में चोरी होती है। यह बात मुझे घर में भी परेशानी में डालती है क्योंकि मेरे पिता को ऐसा लगता है कि चोरी होती है। अगर वह इसे देख रहे हैं तो मैं उनसे माफी मांगता हूं, लेकिन वह उस पीढ़ी से हैं, जो उनके फोन पर आता है वह उस बात को मान लेते हैं। लेकिन मैं इस बात को नहीं मानता हूं।

तोपों और गोला-बारूद से ज्यादा

अब उन्नत साइबर तकनीक की जरूरत : जितिन प्रसाद

नई दिल्ली। केंद्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी राज्य मंत्री जितिन प्रसाद ने शनिवार को राष्ट्रीय सुरक्षा और तकनीकी साक्षरता पर बड़ा बयान दिया। उन्होंने कहा कि भविष्य के युद्ध मैदान में नहीं, बल्कि तकनीक के जरिए लड़े जाएंगे, इसलिए हमें तोपों और गोला-बारूद से ज्यादा उन्नत साइबर तकनीक की जरूरत है। प्रसाद ने कहा कि दुनिया में तकनीक तेजी से बदल रही है और भारत 'स्किल कैपिटल ऑफ वर्ल्ड' बन रहा है। यह बात अब स्टैनफोर्ड के विद्वान भी कह रहे हैं। अगर हम एआई को नहीं सीखेंगे तो पीछे रह जाएंगे। एआई बहुत तेजी से आ रहा है। हम सभी को इसकी तैयारी करनी चाहिए। सुरक्षा के बदलते आयामों पर मंत्री ने कहा कि भविष्य में वो देश सशक्त होगा, जिसकी साइबर तकनीक मजबूत होगी। एआई जैसी तकनीक उभर रही है और इसमें रोज बदलाव हो रहे हैं। इसे समझने और अपनाने की जरूरत है। तकनीक के लोकतंत्रीकरण पर जोर देते हुए उन्होंने कहा कि पहले टेक्नोलॉजी सिर्फ चंद लोगों के पास थी, लेकिन अब यह सबकी पहुंच में होगी। पीएम मोदी की अगुवाई में सरकार का लक्ष्य है कि तकनीक का फायदा अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे। सरकार यह सुनिश्चित कर रही है कि हमारे पास एआई के लिए जरूरी पर्याप्त जीपीयू उपलब्ध हों। हम छात्रों को बहुत कम कीमत पर इसे उपलब्ध करवाने की दिशा में काम कर रहे हैं। जितिन प्रसाद ने एआई के दुरुपयोग विशेषकर 'डीपफेक' को लेकर भी आगाह किया।

संक्षिप्त समाचार

पालघर के गोदाम से नौ टन प्रतिबंधित प्लास्टिक जब्त

पालघर। महाराष्ट्र के पालघर जिले में स्थित एक गोदाम से नौ टन प्रतिबंधित प्लास्टिक जब्त किया गया है। नगर निकाय के अधिकारियों ने शनिवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि खुफिया सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए वसई विरार नगर निगम (वीवीएमसी) के कर्मियों की एक टीम शुक्रवार को नालासोपारा क्षेत्र के अचोले स्थित साड़ी कम्पाउंड स्थित गोदाम पर पहुंची और वहां जमा कर रखे प्रतिबंधित प्लास्टिक को जब्त किया। नागरिक निकाय ने एक विज्ञप्ति में दावा किया कि यह वीवीएमसी द्वारा प्रतिबंधित प्लास्टिक की सबसे बड़ी जब्ती है। विज्ञप्ति के मुताबिक, ''गोदाम मालिकों से 5,000 रुपये का जुर्माना वसूला गया है और दंडात्मक कार्रवाई शुरू कर दी गई है।''

धर्मेंद्र के 90वें जन्मदिन पर फैंस भी होंगे शामिल

देओल परिवार मुंबई में मनाएगा ही-मैन का बर्थडे

मुंबई। हिंदी सिनेमा के ही-मैन धर्मेंद्र का 24 नवंबर को 89 साल की उम्र में निधन हो गया। 8 दिसंबर को वे अपना 90वां जन्मदिन मनाने वाले थे। ऐसे में देओल परिवार अब मुंबई में उनका जन्मदिन मनाएगा। खास बात यह है कि इस दौरान उनके फैंस भी उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित कर सकेंगे। पहले यह कार्यक्रम खंडाला स्थित फार्महाउस में आयोजित होने वाला था, लेकिन अनुमति न मिलने के कारण अब इसे मुंबई में करने का फैसला लिया गया है। सनी देओल और बॉबी देओल ने अपने पिता धर्मेंद्र की स्मृति और विरासत का सम्मान करने के लिए यह फैसला लिया है। वे चाहते हैं कि एक्टर के फैंस भी उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित कर सकें।

एमडी ड्रग्स के साथ एक गिरफ्तार

भिवंडी। नशे के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत शहर के शांतिनगर पुलिस ने बड़ी सफलता हासिल की है। पुलिस ने एमडी (मेफेड्रोन) ड्रग्स के साथ एक आरोपी को गिरफ्तार कर उसके पास से करीब 2.10 लाख रुपये का मुद्देमाल जब्त किया है। जब्त सामान में एमडी ड्रग्स, मोटरसाइकिल और मोबाइल फोन शामिल है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, यह कार्रवाई बीते शुक्रवार 5 दिसंबर को दोपहर करीब 2.45 बजे भादवड़ पाइपलाइन स्थित के.बी. चौकी के पास, बिलालनगर की ओर जाने वाले नए सीमेंट रोड पर हुई। शांतिनगर पुलिस को सूचना मिली थी, जिस पर जाल बिछाकर संदिग्ध को पकड़ लिया गया। गिरफ्तार आरोपी की पहचान सलाम इस्लाम खान (48) के रूप में हुई है, जो कल्याण (जिला ठाणे) के रेतिबंदर रोड इलाके में रहता है।

घरेलू विमान कंपनी इंडिगो ने अपनी संचालन संबंधी समस्याओं के बीच शनिवार को देश के कई प्रमुख हवाई अड्डों पर 400 से अधिक उड़ाने रद्द की। इसमें मुंबई का हवाई अड्डा भी शामिल था।

बिना लाइसेंस बाइक-टैक्सी सेवाएं दे रही रैपिडो पर केस दर्ज

महानगर संवाददाता
मुंबई

नेहरू नगर पुलिस ने रैपिडो ऐप संचालित करने वाली कंपनी रोपेन ट्रांसपोर्ट प्राइवेट लिमिटेड के निदेशक के खिलाफ बिना किसी सरकारी लाइसेंस के बाइक टैक्सी सेवाएं देने का मामला दर्ज किया है। यह कार्रवाई 3 दिसंबर को मुंबई ईस्ट आरटीओ की मोटर वीकल इंस्पेक्टर मनीषा अशोक मोरे की शिकायत पर की गई है। शिकायत के अनुसार, 2 दिसंबर को एमवीआई विकास संपत लोहकरे की अगुवाई में एक एनफोर्समेंट टीम ने कुर्ला नेहरू नगर स्थित एसटी डिपो के पास अचानक जांच अभियान चलाया।

10-10 हजार रुपये जुर्माना ठोका

इस दौरान रैपिडो ऐप से बुक की गई तीन बाइक राइड प्राइवेट टू वीलर का उपयोग करते हुए गैर-कानूनी रूप से चलते हुए पकड़े गए। पूछताछ में राइडर्स ने 42 से 44 रुपये के बीच किराया लेने की पुष्टि की। तीन बाइक मालिकों-राइडर्स पर मोटर वीकल एक्ट की धारा 66/192 के तहत 10-10 हजार रुपये का जुर्माना लगाया गया।

मोटर-व्हीकल एक्ट के प्रावधानों का उल्लंघन

शिकायत में कहा गया है कि रैपिडो के पास महाराष्ट्र सरकार या रीजनल ट्रांसपोर्ट अथॉरिटी से पेट्रोल इंजन वाली बाइक-टैक्सी चलाने का कोई वैध लाइसेंस नहीं है। इसके बावजूद कंपनी प्राइवेट मोटरसाइकिलों के माध्यम से यात्रियों को ले जाने और ऐप से कमाई का काम जारी रखती है। अधिकारियों के मुताबिक, रैपिडो का यह संचालन मोटर वीकल एक्ट, भारतीय न्याय संहिता और आईटी एक्ट के कई प्रावधानों को उल्लंघन करता है। पुलिस ने मोटल वीकल एक्ट की धारा 66, 93, 192ए, 193, 197, बीएनएल की धारा 318(3) और आईटी एक्ट की धारा 66डी के तहत मामला दर्ज किया है।

सड़क हादसे में दो पर्यटकों की मौत

पुणे। लोनावला हिल स्टेशन पर शनिवार तड़के एक कार और मिनी ट्रक के बीच हुई टक्कर में गोवा के दो पर्यटकों की मौत हो गई। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि दोनों पर्यटक गोवा से आए 14 लोगों के एक समूह का हिस्सा थे, जो पिकनिक मनाने पुणे जिले के लोनावला पहुंचे थे। पुलिस के मुताबिक, दोनों पर्यटकों को ले जा रही तेज रफ्तार कार हिल स्टेशन के लायन्स पॉइंट के पास सामने से आ रहे ट्रक से टकरा गई। लोनावाला ग्रामीण थाने के एक अधिकारी ने बताया, "यह दुर्घटना शनिवार तड़के हुई। कुछ स्थानीय लोगों ने बुरी तरह से क्षतिग्रस्त कार में दो लोगों को फंसा हुआ पाया।" उन्होंने बताया कि मृतकों की पहचान योगेश सुतार (21) और मयूर वेंगुर्लेकर (24) के रूप में हुई है, जो गोवा के मापुसा के रहने वाले थे। पुलिस के अनुसार, हादसे में ट्रक चालक भी घायल हुआ है।

राहुल गांधी पर सुनवाई स्थगित

महानगर संवाददाता
ठाणे

ठाणे जिले की एक अदालत ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के एक स्वयंसेवक की ओर से कांग्रेस नेता राहुल गांधी के खिलाफ दायर आपराधिक मानहानि मामले की सुनवाई शनिवार को 20 दिसंबर तक स्थगित कर दी।

अदालत ने अभियोजन पक्ष के एक महत्वपूर्ण गवाह की अनुपलब्धता के कारण यह निर्णय लिया। राहुल के वकील नारायण अय्यर ने सुनवाई स्थगित किए जाने की पुष्टि करते हुए कहा कि गवाह अशोक सायकर व्यक्तिगत कारणों से पेश नहीं हो सके। सायकर वर्तमान में सोलापुर के बार्शी में पुलिस उपाधीक्षक (डीएसपी) हैं। सायकर की गवाही अब 29 दिसंबर को दर्ज किए जाने की संभावना है। उनकी गवाही को महत्वपूर्ण माना जा रहा है, क्योंकि 2014 में पुलिस उपनिरीक्षक के रूप में उन्होंने दंड प्रक्रिया संहिता (सीआरपीसी) की धारा-202 के तहत मानहानि मामले की शुरुआती जांच की थी। सायकर की ओर से पेश रिपोर्ट के आधार पर ही अदालत ने बाद में भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की धारा-500 के तहत राहुल के खिलाफ समन जारी किया था। आरएसएस के स्थानीय कार्यकर्ता राजेश कुंटे ने छह मार्च 2014 को भिवंडी के पास एक चुनाव रैली में कांग्रेस नेता के उस कथित बयान को लेकर आपराधिक मानहानि का मुकदमा दायर किया था, जिसमें उन्होंने कहा था कि ''आरएसएस के लोगों ने (महात्मा) गांधी की हत्या की थी।'' भिवंडी के संयुक्त दीवानी न्यायाधीश, जूनियर डिवीजन पीएम कोलसे वर्तमान में मामले की सुनवाई कर रहे हैं।

गारगाई बांध बनाने का रास्ता साफ

बीएमसी चुनाव के पहले निकालेगी निविदा

मुंबई। शहर में तेजी से बढ़ती जनसंख्या और भविष्य में पानी की बढ़ती मांग को देखते हुए बीएमसी ने गारगाई बांध परियोजना को आगे बढ़ाने का निर्णय लिया है। बीएमसी ने चुनाव पूर्व बांध बनाने को लेकर टेंडर निकालने का निर्णय लिया है। बांध के निर्माण पर लगभग 3,105 करोड़ रुपये खर्च होने का अंदाज है। हालांकि काम शुरू होने से पहले केंद्र सरकार के वन मंत्रालय और वन्यजीव बोर्ड की मंजूरी मिलना बाकी है। गारगई बांध से मुंबई की जल आपूर्ति में प्रतिदिन 440 मिलियन लीटर (एमएलडी) की अतिरिक्त वृद्धि होगी।

बता दें कि मुंबई में दिन प्रतिदिन जनसंख्या बढ़ती जा रही है। पानी की बढ़ती समस्या को देखते हुए बीएमसी ने समुद्र के खारे पानी को भी मीठा कर पीने योग्य बनाने पर जोर दिया है। बावजूद इसके पानी की समस्या बढ़ती जा रही है। इस समस्या से निपटने के लिए बांध बनाना जरूरी हो गया है। बीएमसी ने पिछले कुछ सालों से ठंडे बस्ते में गए गारगाई प्रोजेक्ट पर अब जोर दिया है। बीएमसी ने अब इस प्रोजेक्ट को पूरा करने के लिए बीएमसी चुनाव पूर्व टेंडर निकालने का निर्णय लिया है। इस तरह की जानकारी बीएमसी अधिकारियों ने दी। फिलहाल मुंबई को प्रतिदिन लगभग 4,000 मिलियन लीटर पानी मिलता है, जबकि मांग करीब 4,463 मिलियन लीटर की है। असमान वितरण के कारण कई क्षेत्रों में पानी की समस्या बनी रहती है।

पानी की बढ़ी आवश्यकता

महापालिका के अध्ययन के अनुसार वर्ष 2041 तक मुंबई की आबादी डेढ़ से दो करोड़ के बीच पहुंच सकती है और उस समय प्रतिदिन 6,426 मिलियन लीटर पानी की आवश्यकता होगी। मुंबई को तानसा, मोड़क सागर, मध्य वैतरणा, अप्पर वैतरणा और भातसा, विहार और तुलसी बांधों से प्रतिदिन चार हज़ार मिलियन लीटर पानी मिलता है। इसलिए नया बांध बनाना अनिवार्य माना जा रहा है।

जिस्म के बाजार पर पुलिस का छापा

पांच महिलाओं को किया गया रेस्क्यू

ठाणे। ठाणे में सिटी पुलिस ने देह व्यापार के गोरखधंधे का भंडाफोड़ किया है। पुलिस ने कार्रवाई के दौरान दो लोगों को गिरफ्तार किया है और पांच महिलाओं को बचाया है। वागले एस्टेट पुलिस ने यह छापा सोशल वर्कर बीनू वर्गीस से मिली टिप के आधार पर मारा। शिकायत के अनुसार, दो एजेंट ठाणे के लुइसवाड़ी में धीरज होटल के पास युवा लड़कियों को प्रॉस्टिट्यूशन में धकेल रहे थे।

दो दलालों को किया गिरफ्तार

आरोप है कि, ये एजेंट लोकल ऑर्केस्ट्रा बार में काम करने वाली लड़कियों की तस्वीरें मोबाइल फोन से संभावित क्लाइंट्स को भेजकर डील फिक्स करते थे। वागले एस्टेट पुलिस ने कस्टमर बनकर एक डिकॉय ऑपरेशन शुरू किया। लुइसवाड़ी इलाके में की गई रेड के दौरान पुलिस ने दो पुरुष ब्रोकर्स को गिरफ्तार किया

और देह व्यापार में फंसी पांच महिलाओं को रेस्क्यू किया। पुलिस सूत्रों के मुताबिक, रेस्क्यू की गई महिलाएं मूल रूप से ठाणे और भिवंडी के ऑर्केस्ट्रा बार में काम करती थीं। गिरफ्तार ब्रोकर्स पिछले चार पांच साल से अवैध सेक्स रैकेट चलाते थे और घोड़बंदर, ठाणे और काल्हेर में क्लाइंट्स को लड़कियां सप्लाई करते थे। इससे पहले 15 नवंबर को सुनवाई स्थगित कर दी गई थी, जब शिकायतकर्ता के वकील प्रबोध जयवंत ने एक आवेदन दायर कर सायकर से गवाह के रूप में पूछताछ करने की अनुमति मांगी थी।

कोकण के हापुस पर गुजरात का दावा

मुंबई। कोकण का गौरव और दुनिया भर में मशहूर हापुस (अल्फांसो) आम अब महाराष्ट्र और गुजरात के बीच विवाद का विषय बन गया है। वलसाड जिले ने वलसाड हापुस नाम से भौगोलिक संकेतक (जीआई टैग) के लिए आवेदन किया है, जिसके बाद कोकण के किसानों और व्यापारियों में चिंता बढ़ गई है।

हापुस आम सिर्फ एक फल नहीं बल्कि कोकण की पहचान, सम्मान और परंपरा का प्रतीक माना जाता है। इसकी खेती मुख्य रूप से रत्नागिरी, देवगढ़, सिंधुदुर्ग और रायगड जिलों में होती है। इसकी मीठी सुगंध, स्वाद और कोकण की खनिजयुक्त लाल मिट्टी तथा समुद्री हवा की वजह से इसका स्वाद दुनिया के किसी भी

वलसाड हापुस के नाम से जीआई टैग का आवेदन

आम से अलग होता है। इसी विशेषता के आधार पर वर्ष 2009 में 'रत्नागिरी हापुस' को जीआई टैग मिला, जिससे इसका निर्यात बढ़ा और अंतरराष्ट्रीय बाजार में इसे बड़ी पहचान मिली। गुजरात के वलसाड के कृषि संगठनों के मुताबिक वलसाड और नवसारी में कई वर्षों से हापुस की खेती होती है। भारत के कुल हापुस उत्पादन में गुजरात की हिस्सेदारी लगभग 10% है, इसलिए वे वलसाड हापुस के नाम से अलग जीआई टैग मांग रहे हैं। कोकण के किसानों और निर्यातकों ने इस दावे का कड़ा विरोध किया है। उनका कहना है कि हापुस सिर्फ आम की एक किस्म नहीं, बल्कि कोकण की मिट्टी से जुड़ी पहचान है। इसे कोई और नहीं अपना सकता। किसान संगठन इस मामले को जीआई कानून के तहत चुनौती देने की तैयारी कर रहे हैं। विशेषज्ञों मुताबिक, अगर गुजरात को टैग मिल गया तो असली हापुस की पहचान कमजोर होगी, निर्यात में प्रतिस्पर्धा बढ़ेगी।

छावनी बोर्ड की भूमि को वक्फ संपत्ति घोषित करने पर जताई चिंता

पुणे। भाजपा की राज्यसभा सदस्य मेधा कुलकर्णी ने शनिवार को कहा कि उन्होंने रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह से मुलाकात की और पुणे में केंद्र सरकार और छावनी बोर्ड की भूमि को कथित तौर पर वक्फ की संपत्ति घोषित किए जाने को लेकर चिंता जताई। पुणे से संबंध रखने वालीं कुलकर्णी ने कहा कि स्थानीय निवासियों ने इस ''चिंता-जनक मामले'' को उठाया है, जिसमें भूमि अभिलेखों में गड़बड़ी, संपत्तियों की कानूनी स्थिति में परिवर्तन और रक्षा मंत्रालय की भूमि प्रबंधन प्रणाली से छेड़छाड़ जैसे गंभीर आरोप शामिल हैं। उन्होंने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा, ''मैंने रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह से मुलाकात की और उन्हें पुणे छावनी क्षेत्र में केंद्र सरकार और छावनी बोर्ड की जमीन को अवैध रूप से वक्फ संपत्ति घोषित किए जाने के गंभीर मुद्दे से अवगत कराया। मैंने इन गलत तरीकों को रोकने, जमीन की कानूनी स्थिति बहाल करने और दोषियों के खिलाफ उचित कार्रवाई शुरू करने के लिए इस मामले में तुरंत और समयबद्ध जांच की मांग की।''

विरार में 'बाइक लिफ्टर' गैंग का पर्दाफाश!

एक आरोपी दबोचा, पुणे से 8 चोरी की मोटरसाइकिलें बरामद

वसई। वसई-विरार क्षेत्र में पिछले कुछ समय से लगातार हो रही मोटरसाइकिल चोरी की वारदातों को अंजाम दे रहे एक शातिर गिरोह का माणिकपुर पुलिस की क्राइम डिटेक्शन टीम ने भंडाफोड़ किया है। पुलिस ने तकनीकी सर्विलांस और अथक मेहनत के दम पर गिरोह के एक सदस्य को पुणे जिले से गिरफ्तार किया है और उसकी निशानदेही पर सात स्प्लेंडर और एक बुलेट समेत कुल 8 चोरी की मोटरसाइकिलें बरामद की हैं। इन बाइकों की कुल कीमत 5.30 लाख रुपये आंकी गई है। 7 हीरो स्प्लेंडर, 1 रॉयल एनफील्ड बुलेट। अविराज सुनील गायकवाड़ (31), निवासी उंब्रज, जुन्नर, जिला पुणे।

मामले की शुरुआत 14 नवंबर 2025 को हुई, जब वसई पूर्व में प्लेटफॉर्म नंबर 7 के पास से एक हीरो स्प्लेंडर मोटरसाइकिल चोरी होने की शिकायत माणिकपुर पुलिस स्टेशन में दर्ज की गई। क्षेत्र में बढ़ती चोरियों को देखते हुए, वरिष्ठ अधिकारियों ने सीरियल चोरियों का पर्दाफाश करने के निर्देश दिए। माणिकपुर क्राइम ब्रांच की टीम फौरन हरकत में आई और उन्होंने चोरों को ट्रैक करने के लिए एक हाई-टेक जाल बिछाया। पुलिस टीमों ने वसई से लेकर मुरबाड, ठाणे और यहाँ तक कि दादर तक के 600 से अधिक सीसीटीवी फुटेज खंगाले। लगातार तकनीकी विश्लेषण और मानवीय निगरानी के बाद, पुलिस को आरोपी की पहचान करने में सफलता मिली। पुलिस ने दबिश देकर उसे धर दबोचा।

धोखाधड़ी के आरोप में दो सेल्समैन गिरफ्तार

भिवंडी। भिवंडी के शांतीनगर पुलिस स्टेशन ने एक मेडिकल डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी से धोखाधड़ी करने के मामले में दो सेल्समैन को गिरफ्तार किया है। आरोप है कि दोनों ने दवाइयों के बिल की वसूली के नाम पर कंपनी से 10.67 लाख रुपये की रकम हड़प ली और कंपनी को भारी आर्थिक नुकसान पहुंचाया। इस मामले में नायगांव निवासी नौमान हफीजुल्लाह अंसारी ने शिकायत दर्ज कराई है, जो 'फार्मा टिप्स हेल्थ केयर' नाम से मेडिकल डिस्ट्रीब्यूशन का व्यवसाय करते हैं। शिकायतकर्ता के अनुसार उनकी कंपनी में कार्यरत सेल्समैन मोनिस खलीकुज्जमा अंसारी और मोमिन मुस्लिम निसार अहमद को शहर के विभिन्न मेडिकल स्टोर्स में दवाइयां

सप्लाई करने और वहां से बिल की राशि वसूलकर कंपनी में जमा करने की जिम्मेदारी दी गई थी। पुलिस के अनुसार 1 मई 2021 से 21 जुलाई 2025 के बीच दोनों आरोपियों ने मेडिकल दुकानों से रकम वसूलने के बावजूद वह राशि कंपनी में जमा नहीं की। चार साल के दौरान आरोपियों ने कुल 10,67,157 रुपये की धोखाधड़ी की। शिकायतकर्ता का आरोप है कि मोनिस खलीकुज्जमा ने अपने भाई और बहन के माध्यम से उनसे सहूलियत देने की गुहार भी लगवाई थी।

आईआईएम मुंबई में होगा ज्ञान और विरासत का मिलन

'आवर्तन' का 31वां आयोजन और सालाना एलुमनाई मीट 'संस्मरण' एक साथ घोषित

मुंबई। इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट (आईआईएम) मुंबई का सबसे लोकप्रिय और बेसब्री से इंतजार किया जाने वाला सालाना उत्सव 'आवर्तन', इस बार 8 से 11 दिसंबर 2025 तक आयोजित किया जाएगा। साथ ही संस्थान ने अपनी एलुमनाई मीट, 'संस्मरण', को 9 और 10 दिसंबर 2025 को आयोजित करने की घोषणा की है। जहाँ आवर्तन एक बार फिर पूरे जोश के साथ कॉम्पिटिशन, कल्चरल सेलिब्रेशन और इनोवेशन दिखाएगा, वहीं संस्मरण आईआईएम एलुमनाई की सफलता की कहानियां सुनाएगा।

इस साल के बारे में अपने विचार व्यक्त करते हुए, आईआईएम मुंबई के डायरेक्टर प्रो. मनोज तिवारी ने कहा, "आवर्तन हमारे दिलों के करीब है क्योंकि यह सिर्फ एक इवेंट नहीं है, बल्कि इसमें शामिल होने वाले हर व्यक्ति के लिए कड़ी मेहनत, जिज्ञासा और ऊर्जा का सेलिब्रेशन है। अपने आइडल्स के साथ अपनी इंस्पिरेशनल जर्नी शेयर करने का मौका हमारे स्टूडेंट्स के लिए बहुत कीमती है, और हम उनकी भागीदारी और उत्साह की सराहना करते हैं।" आईआईएम में आवर्तन के साथ ही, संस्मरण 2025 का दो-दिवसीय समारोह भी होगा जिसमें रीयूनियन सेशन, पैनल डिस्कशन और एलुमनाई फेलिसिटेशन सेरेमनी होंगी। साथ मिलकर, आवर्तन और संस्मरण आईआईएम लीडर्स की आने वाली पीढ़ियों को बहुत ज़्यादा मूल्यवान और प्रेरणादायक आयोजन होगा।

मध्य रेलवे चलाएगी 14 विशेष ट्रेनें

मुंबई। मध्य रेल ने विभिन्न त्योहारों और शीतकालीन अवकाश के मद्देनज़र 14 "ट्रेन ऑन डिमांड" विशेष ट्रेनों की योजना बनाई है और उन्हें अधिसूचित किया है। यात्रियों की सुविधा के लिए कई सेवाएं विभिन्न गंतव्यों के बीच चलाई जाएंगी। इन गंतव्यों में मडगाँव, नागपुर, बेंगलुरु, लखनऊ, गोरखपुर और हजरत निजामुद्दीन (दिल्ली) शामिल हैं, जिससे राज्यों के बीच तेज़ और आरामदायक यात्रा सुनिश्चित होगी। इन विशेष ट्रेनों में एसी फर्स्ट क्लास, एसी 2-टियर, एसी 3-टियर, स्लीपर क्लास और जनरल सेकंड क्लास समेत सभी श्रेणियों का कोच सम्मिलित होगा, जिससे सभी वर्गों के यात्रियों की आवश्यकता पूरी हो सकेगी। लोकमान्य तिलक टर्मिनस से लखनऊ विशेष ट्रेन 6.12.2025 को 12.15 बजे प्रस्थान करेगी। छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस, मुंबई से हजरत निजामुद्दीन (दिल्ली) विशेष ट्रेन 6.12.2025 को 17.15 बजे प्रस्थान करेगी। पुणे से बेंगलुरु विशेष ट्रेन 6.12.2025 को 19.00 बजे प्रस्थान करेगी। नागपुर से छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस, मुंबई विशेष ट्रेन 6.12.2025 को 22.10 बजे प्रस्थान करेगी। छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस, मुंबई से नागपुर विशेष ट्रेन 7.12.2025 को 15.30 बजे प्रस्थान करेगी। लोकमान्य तिलक टर्मिनस से मडगाँव विशेष ट्रेन 7.12.2025 को 11.10 बजे प्रस्थान करेगी। लोकमान्य तिलक टर्मिनस से हैदराबाद विशेष ट्रेन 7.12.2025 को 17.20 बजे प्रस्थान करेगी। पुणे से हजरत निजामुद्दीन (दिल्ली) विशेष ट्रेन 7.12.2025 को 20.20 बजे प्रस्थान करेगी।

पश्चिम रेलवे

किराना और कच्ची सामग्री आइटम्स की आपूर्ति

जगजीवनराम अस्पताल (जेआरएच), मुंबई सेंट्रल, मुंबई, पश्चिम रेलवे, द्वारा **ई-निविदा सूचना क्र. : जेआरएच किचन ग्रोसरी रि.-25 दि. – 03.12.2025 आमंत्रित की जाती है. कार्य का नाम : कच्ची सामग्री/किराना आइटमों की आपूर्ति का अनुबंध : जगजीवनराम अस्पताल किचन – 03 वर्षों हेतु. कार्य की अनुमानित लागत** : ₹ 1,11,95,673/- (सभी समाविष्ट). **ईएमडी** : ₹2,05,980/-, **जमा करना बंद होने की तिथि एवं समय** : 29.12.2025 को 11.00 बजे. अधिक जानकारी के लिए कृपया हमारी वेबसाइट **www.ireps.gov.in** का अवलोकन करें. 0874

हमें लाइक करें: facebook.com/WesternRly

पूर्वोत्तर रेलवे

निविदा सूचना

राष्ट्रपति भारत सरकार की ओर से उप मुख्य यांत्रिक इंजीनियर/कार्य, वास्ते मुख्य कारखाना प्रबन्धक यांत्रिक कारखाना गोरखपुर द्वारा नीचे लिखे कार्य के लिए ऑनलाईन (ई–टेण्डरिंग) के माध्यम से खुली ई–निविदा आमंत्रित की जाती है। **क्रम सं० (1) ई–निविदा सूचना सं० एवं निविदा कार्य का विवरण :** टेण्डर नं०–''21–जीकेपी– एमडब्ल्यूएस–2025–26–1'' ''प्लंबिंग वर्क इन आइसीएफ एसी एंड एलएचबी एसी, सीएन एंड जीएस कोचेज फॉर 24 मन्थ्स इन मैकेनिकल वर्कशॉप, गोरखपुर''। **अनुमानित लागत (रू० में) :** 13480206.24, **धरोहर राशि (रू० में) :** 217400.00, **निविदा प्रपत्र का मूल्य :** रू० शून्य, **निविदा समापन की तिथि एवं अवधि :** 11.00 बजे, 26.12.2025, **संविदा की अवधि :** 24 माह, उपरोक्त ई–निविदा का पूर्ण विवरण एवं निविदा में भाग लेने हेतु भारतीय रेल की वेबसाईट संख्या http://www.ireps.gov.in पर देखे।

उप मुख्य यांत्रिक इंजी./कार्य, यांत्रिक कारखाना,
मुजाधि/यॉत्रिक – 98 पूर्वोत्तर रेलवे, गोरखपुर

गाड़ियों की छतों व पायदान पर कदापि यात्रा न करें।

यात्रियों की मांग पर पश्चिम रेलवे चलाएगी सात जोड़ी स्पेशल ट्रेनें

मुंबई। यात्रियों की सुविधा और यात्रा मांग को पूरा करने के उद्देश्य से, पश्चिम रेलवे द्वारा मुंबई सेंट्रल – नई दिल्ली, मुंबई सेंट्रल – भिवानी, मुंबई सेंट्रल – शकूर बस्ती, बांद्रा टर्मिनस – दुर्गापुरा, वलसाड – बिलासपुर, साबरमती – दिल्ली एवं साबरमती – दिल्ली सराय रोहिल्ला स्टेशनों के बीच विशेष किराये पर स्पेशल ट्रेनें चलाई जाएंगी।

पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी विनीत अभिषेक द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, इन ट्रेनों का विवरण इस प्रकार है–ट्रेन संख्या 04001/04002 मुंबई सेंट्रल – नई दिल्ली सुपरफास्ट स्पेशल (02 फेरे) ट्रेन संख्या 04001 मुंबई सेंट्रल – नई दिल्ली स्पेशल रविवार, 07 दिसम्बर, 2025 को 23.30 बजे मुंबई सेंट्रल से प्रस्थान करेगी और अगले दिन 20.50 बजे नई दिल्ली पहुंचेगी। इसी प्रकार, ट्रेन संख्या 04002 नई दिल्ली – मुंबई सेंट्रल स्पेशल शनिवार, 06 दिसम्बर, 2025 को 22.40 बजे नई दिल्ली से प्रस्थान करेगी और अगले दिन 21.00 बजे मुंबई सेंट्रल पहुंचेगी।

वहीं ट्रेन संख्या 09001/09002 मुंबई सेंट्रल – भिवानी सुपरफास्ट (द्विसाप्ताहिक स्पेशल (14 फेरे) ट्रेन संख्या 09001 मुंबई सेंट्रल – भिवानी स्पेशल प्रत्येक मंगलवार एवं शुक्रवार को 10.30 बजे मुंबई सेंट्रल से प्रस्थान करेगी और अगले दिन 13.00 बजे भिवानी पहुंचेगी। यह ट्रेन 09 दिसम्बर से 30 दिसम्बर, 2025 तक चलेगी।

इसी प्रकार, ट्रेन संख्या 09002 भिवानी – मुंबई सेंट्रल स्पेशल प्रत्येक बुधवार एवं शनिवार को 14.35 बजे भिवानी से प्रस्थान करेगी और अगले दिन 16.30 बजे मुंबई सेंट्रल पहुंचेगी। यह ट्रेन 10 दिसम्बर से 31 दिसम्बर, 2025 तक चलेगी। इसी तरह ट्रेन

संख्या 09003/09004 मुंबई सेंट्रल – शकूर बस्ती सुपरफास्ट स्पेशल (04 फेरे) ट्रेन संख्या 09003 मुंबई सेंट्रल – शकूर बस्ती स्पेशल रविवार, 07 दिसम्बर एवं सोमवार, 08 दिसम्बर, 2025 को 10.30 बजे मुंबई सेंट्रल से प्रस्थान करेगी और अगले दिन 08.00 बजे शकूर बस्ती पहुंचेगी। इसी प्रकार, ट्रेन संख्या 09004 शकूर बस्ती – मुंबई सेंट्रल स्पेशल सोमवार, 08 दिसम्बर एवं मंगलवार, 09 दिसम्बर, 2025 को 10.15 बजे शकूर बस्ती से प्रस्थान करेगी और अगले दिन 10.30 बजे मुंबई सेंट्रल पहुंचेगी।

जबकि ट्रेन संख्या 09730/09729 बांद्रा टर्मिनस – दुर्गापुरा सुपरफास्ट स्पेशल (02 फेरे) ट्रेन संख्या 09730 बांद्रा टर्मिनस – दुर्गापुरा स्पेशल सोमवार, 08 दिसम्बर 2025 को 10.00 बजे बांद्रा टर्मिनस से प्रस्थान करेगी और अगले दिन 05.30 बजे दुर्गापुरा पहुंचेगी। इसी प्रकार, ट्रेन संख्या 09729 दुर्गापुरा – बांद्रा टर्मिनस स्पेशल रविवार, 07 दिसम्बर 2025 को 12.25 बजे दुर्गापुरा से प्रस्थान करेगी और अगले दिन 07.00 बजे बांद्रा टर्मिनस पहुंचेगी।

ट्रेन संख्या 08244/08243 वलसाड – बिलासपुर स्पेशल (साप्ताहिक) (08 फेरे) ट्रेन संख्या 08244 वलसाड – बिलासपुर स्पेशल प्रत्येक शुक्रवार को 16.50 बजे वलसाड से प्रस्थान करेगी और अगले दिन 13.50 बजे बिलासपुर पहुंचेगी। यह ट्रेन 19 दिसम्बर, 2025 से 09 जनवरी, 2026 तक चलेगी। इसी प्रकार, ट्रेन संख्या 08243 बिलासपुर – वलसाड स्पेशल प्रत्येक गुरुवार को 16.00 बजे बिलासपुर से प्रस्थान करेगी और अगले दिन 13.50 बजे वलसाड पहुंचेगी। यह ट्रेन 18 दिसम्बर, 2025 से 08 जनवरी, 2026 तक चलेगी। वहीं ट्रेन संख्या 09497/09498 साबरमती – दिल्ली सुपरफास्ट स्पेशल (04 फेरे) ट्रेन संख्या 09497 साबरमती – दिल्ली स्पेशल रविवार, 07 दिसम्बर एवं मंगलवार, 09 दिसम्बर, 2025 को 22.55 बजे साबरमती से प्रस्थान करेगी और अगले दिन 15.15 बजे दिल्ली पहुंचेगी। इसी प्रकार, ट्रेन संख्या 09498 दिल्ली – साबरमती स्पेशल सोमवार, 08 दिसम्बर एवं बुधवार, 10 दिसम्बर, 2025 को 21.00 बजे दिल्ली से प्रस्थान करेगी और अगले दिन 12.20 बजे साबरमती पहुंचेगी। इसी तरह ट्रेन संख्या 04061 साबरमती – दिल्ली सराय रोहिल्ला स्पेशल (01 फेरा) ट्रेन संख्या 04061 साबरमती – दिल्ली सराय रोहिल्ला स्पेशल रविवार, 07 दिसम्बर, 2025 को 05.30 बजे साबरमती से प्रस्थान करेगी और उसी दिन 23.00 बजे दिल्ली सराय रोहिल्ला पहुंचेगी। ट्रेन संख्या 04001, 09003, 09730, 09497 एवं 04061 की बुकिंग शुरू है। ट्रेन संख्या 09001 एवं 08244 की बुकिंग आज 7 दिसंबर से सभी पीआरएस काउंटरों तथा आईआरसीटीसी की वेबसाइट पर शुरू होगी। विस्तृत जानकारी के लिए कृपया www.enquiry.indianrail.gov.in देखें।

डॉ. आंबेडकर का महापरिनिर्वाण दिवस
चैत्यभूमि पर उमड़ा जनसागर

- राज्यपाल, मुख्यमंत्री, मंत्रियों और प्रमुख हस्तियों की उपस्थिति
- बीएमसी की तरफ से हेलीकॉप्टर से चैत्यभूमि परिसर पर पुष्पवर्षा

महानगर संवाददाता

मुंबई

भारतीय संविधान के शिल्पकार भारतरत्न डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर के 69वें महापरिनिर्वाण दिवस पर शनिवार को लाखों लोगों ने दादर स्थित चैत्यभूमि जाकर उनका अभिवादन किया। चैत्यभूमि पर उमड़ने वाली भीड़ को देखते हुए मुंबई महानगरपालिका की तरफ से शिवाजी पार्क में सभी आवश्यक इंतजाम किए गए थे। इस मौके पर महाराष्ट्र के राज्यपाल आचार्य देवव्रत, मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस, उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे और शिवसेना (यूबीटी) के नेता उद्धव ठाकरे समेत कई नेताओं ने चैत्य भूमि पर डॉ. बाबा साहेब आंबेडकर को श्रद्धांजलि अर्पित की।

डॉ. आंबेडकर ने किया ऐतिहासिक कार्य : राज्यपाल

अभिवादन कार्यक्रम में राज्यपाल आचार्य देवव्रत ने कहा कि विविधताओं से भरे भारत देश में एकता, न्याय और समानता की संगठित भावना को मजबूत करने के लिए संविधान बनाना अत्यंत महत्वपूर्ण और ऐतिहासिक कार्य था। देश की सामाजिक विविधता में सभी को एक साथ लाने वाला और समान अधिकार देने वाला संविधान भारत रत्न डॉक्टर बाबा साहेब आंबेडकर ने राष्ट्र को दिया। राज्यपाल ने कहा कि किसी भी राष्ट्र में जब युगपुरुष जन्म लेते हैं, तब सामाजिक न्याय का आंदोलन मजबूत होता है।

मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि भारत रत्न डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर ने राष्ट्र की प्रगति की नींव रखी। बाबासाहेब की दूरदृष्टि के कारण आज भारत दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बना है और वह जल्द ही तीसरे स्थान पर पहुंचने वाला है। मुख्यमंत्री ने ऊर्जा सुरक्षा के क्षेत्र में डॉ. आंबेडकर के योगदान का उल्लेख करते हुए बताया कि राष्ट्रीय बिजली ग्रिड की अवधारणा भारत ने बाबासाहेब के कारण समय रहते स्वीकार की। इसी वजह से देश ऊर्जा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ रहा है। भारत की लोकतंत्र व्यवस्था को मजबूत नींव देना और आम जनता के अधिकारों की रक्षा करना, यह सब बाबासाहेब द्वारा बनाए गए संविधान की वजह से संभव हुआ। उन्होंने कहा कि आने वाले समय में चैत्य भूमि परिसर में स्मारक विकास के कार्य पूरे करने के लिए सरकार प्रतिबद्ध है।

पूर्वी एक्सप्रेस-वे पर तीन घंटे भारी जाम

महापरिनिर्वाण दिवस के अवसर पर दादर स्थित चैत्यभूमि पर अभिवादन करने के लिए रिक्शा से जा रहे अनुयायियों को चूनाभट्टी इलाके में रोक दिया गया। इसके चलते नाराज अनुयायियों ने पूर्वी एक्सप्रेस-वे पर रास्ता रोको आंदोलन किया। इसके परिणामस्वरूप लगभग तीन घंटे से अधिक समय तक इस मार्ग पर भारी ट्रैफिक जाम रहा। इस दौरान पुलिस और अनुयायियों के बीच विवाद भी हुआ।

आंबेडकर स्मारक को पूरा करने के लिए सभी प्रयास किए जाएंगे : मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने शनिवार को कहा कि मुंबई के दादर इलाके में इंदु मिल में बाबासाहेब आंबेडकर के भव्य स्मारक का निर्माण अगले साल छह दिसंबर तक पूरा करने के लिए सभी प्रयास किए जाएंगे। फडणवीस ने संविधान के मुख्य वास्तुकार आंबेडकर के महापरिनिर्वाण दिवस (पुण्यतिथि) के अवसर पर 'चैत्यभूमि' में आयोजित एक समारोह में यह बात कही। मुख्यमंत्री ने कहा, ''आंबेडकर स्मारक का निर्माण कार्य जारी है और अगले वर्ष छह दिसंबर तक इसे पूरा करने के सभी प्रयास किए जाएंगे।'' महाराष्ट्र सरकार ने 2013 में 4.84 हेक्टेयर भूमि पर स्मारक के विकास के लिए मुंबई महानगर क्षेत्र विकास प्राधिकरण को विशेष योजना प्राधिकरण (एसपीए) नियुक्त किया था। इसका भूमि पूजन 11 अक्टूबर, 2015 को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के हाथों हुआ था। स्मारक को 'शांति स्थल' के रूप में परिकल्पित किया गया है, जिसमें महान समाज सुधारक और न्यायविद की भावना तथा व्यक्तित्व को दर्शाने वाले उद्यान शामिल हैं।

एक मंच पर होंगे सीएम योगी और फडणवीस

नागपुर में ऐतिहासिक समागम

मुंबई। श्री गुरु तेग बहादुर साहिब जी के ३५० वें शहीदी शताब्दी समारोह के उपलक्ष्य में, नागपुर में रविवार को एक भव्य महा सत्संग का आयोजन किया गया है। यह आयोजन गुरु साहिब के धर्म के प्रति निष्ठा और मानवता के लिए बलिदान के मूल मंत्र को समर्पित है, जिसे 'हिंद की चादर' (भारत की ढाल) कहा जाता है। इस महासत्संग में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस एक मंच पर साथ रहेंगे। इसके अलावा केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी, उप-मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे और अजित पवार, संत ज्ञानी हरनाम सिंह, मुखी, दम दमा टकसाल (पंजाब)। कार्यक्रम में शामिल रहेंगे। नागपुर के इतिहास में इस तरह का पहला इतना विशाल आयोजन है। इसे सफल बनाने के लिए सिख समाज के साथ-साथ सिंधी, बंजारा, सिकलीगर, लबाना और मोहयाल समाज सहित अन्य समुदायों में भारी उत्साह है। इतनी बड़ी संख्या में भक्तों को देखते हुए नागपुर में सुरक्षा बढ़ा दी गई है।

बीएमसी किसी परिवार की जागीर नहीं : अमित साटम

महानगर संवाददाता

मुंबई

भाजपा मुंबई अध्यक्ष विधायक अमित साटम ने कहा है कि नो प्रॉपर्टी विदाउट सिक्योरिटी और मुंबई को सुरक्षित करने के प्रयास की शुरुआत मलाड विधानसभा क्षेत्र से हो रही है। इस्लामिस्ट कट्टरपंथियों की मोडस ऑपरेंडी यह है कि ये पहले खाली जमीनों पर कब्जा करते हैं वहाँ अवैध निर्माण कर बांग्लादेशी और रोहिंग्या घुसपैठियों को बसाते हैं, फिर अपने राजनीतिक प्रभाव का प्रयोग कर उनके आधार कार्ड और पैन कार्ड बनवा देते हैं और चुनावों में इन्हीं के माध्यम से वोट जिहाद करते हैं। आगामी चुनाव में मालाड की बदलती डेमोग्राफी को रोकना है। मनपा चुनाव के मद्देनजर एक पार्टी कार्यालय का उद्घाटन करने के दौरान साटम ने कहा कि मुंबई महानगरपालिका किसी परिवार की जागीर नहीं है, यह फैमिली बिज़नेस नहीं है। मुंबई महानगरपालिका मुंबईकरों की है। इस दौरान भारतीय जनता युवा मोर्चा मुंबई अध्यक्ष तेजिंदर सिंह तिवाना ने कहा कि यह कार्यालय केवल

चुनावी रणनीति का केंद्र नहीं है, बल्कि यह भारतीय जनता पार्टी और स्थानीय नागरिकों के बीच एक 'सेवा केंद्र' और 'संवाद सेतु' के रूप में कार्य करेगा। जनता की सेवा और जन-जन तक प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और महाराष्ट्र के विकास पुरुष मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस द्वारा महाराष्ट्र व मुंबई में किए गए विकास के संदेश को पहुंचाने का सशक्त माध्यम बनेगा। चुनाव कार्यालय के उद्घाटन समारोह में पूर्व सांसद गोपाल शेट्टी, भाजपा मुंबई महामंत्री गणेश खणकर, भाजपा मुंबई महामंत्री आचार्य पवन त्रिपाठी, जिलाध्यक्ष दीपक (बाला) तावडे, जया सतनाम सिंह तिवाना (पूर्व नगरसेविका) सहित अनेक पदाधिकारी, कार्यकर्ता उपस्थित थे।

'महाराष्ट्र को बंगाल बनने से रोकना है तो एकजुट हो जाए सर्व समाज'

मुंबई। राज्य के कौशल विकास और मुंबई उपनगर जिले के सहपालक मंत्री मंगल प्रभात लोढ़ा ने कहा कि बांग्लादेशी और रोहिंग्या घुसपैठियों से महाराष्ट्र को बचाना है महाराष्ट्र को पश्चिम बंगाल बनने से रोकना है तो सभी समाज को आगे आकर घुसपैठियों के खिलाफ आवाज उठानी पड़ेगी। शनिवार को मालाड-मालवणी में के.ई.एम. नागरिक स्वास्थ्य प्रशिक्षण केंद्र का उद्घाटन करने के बाद वे पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। लोढ़ा ने कहा, "बांग्लादेशी और रोहिंग्या घुसपैठियों के लिए महाराष्ट्र में जगह नहीं है, और सरकारी जमीन पर अतिक्रमण की भी कोई छूट नहीं दी जाएगी। जनता की संपत्ति वाली सरकारी जमीन वापस लेना हमारी कानूनी जिम्मेदारी है। इसलिए अतिक्रमण हटाने के मेरे कार्य पर दबाव डालने या धमकी देने के लिए कोई भी आगे आया, तो मैं पीछे नहीं हटूंगा। बल्कि, धमकी मिलने के बावजूद मैं बार-बार यहाँ आऊंगा और जनता की सेवा के लिए खड़ा रहूंगा। उन्होंने कहा कि पिछले कई वर्षों से रुके हुए इस अस्पताल का निर्माण महायुति सरकार के कार्यकाल में तेजी से पूरा किया गया। पहले छोटे पैमाने पर मौजूद यह केंद्र अब बड़े स्तर पर नागरिकों की सेवा में शामिल होगा और यहाँ एक साथ लगभग 400 मरीजों का इलाज किया जा सकेगा। अत्याधुनिक उपकरणों और बुनियादी सुविधाओं की मदद से नागरिकों को उच्च स्तरीय स्वास्थ्य सेवा प्रदान की जाएगी।

20 जनवरी तक मनपा चुनाव !

मंत्री प्रताप सरनाईक का बयान

महानगर संवाददाता

मुंबई

राज्य में नगर पालिका और नगर पंचायत का चुनाव होने के बाद महानगर पालिका का चुनाव कब होगा इसको लेकर राजनीतिक गलियारों में चर्चा है। इस बीच परिवहन मंत्री प्रताप सरनाईक ने मुंबई मनपा सहित अन्य मनपा चुनावों को लेकर बड़ा बयान दिया है। पत्रकारों से बातचीत में प्रताप सरनाईक ने कहा कि आने वाले 15 से 20 दिसंबर के बीच आचार संहिता की घोषणा होगी जबकि 15 से 20 जनवरी के बीच मतदान की संभावना है। सरनाईक के इस बयान से यह स्पष्ट है कि जल्द ही मनपा चुनावों की घोषणा हो सकती है। सरनाईक ने जोर देकर कहा कि शिवसेना चुनाव को ध्यान में रखकर विकास कार्य नहीं करती, बल्कि वे साल के 365 दिन आम जनता के बीच रहते हैं। उन्होंने कहा कि चुनाव कभी भी हों,उनके शिवसैनिक हमेशा तैयार रहते हैं।

उद्धव की मांग : गड़बड़ी सुधारने के बाद हो मनपा चुनाव

मुंबई। पूर्व मुख्यमंत्री और यूबीटी प्रमुख उद्धव ठाकरे ने मतदाता सूचि में गड़बड़ी को लेकर सर्वोच्च न्यायालय से मांग की है। अपनी मांग में उद्धव ठाकरे ने कहा कि मतदाता सूचि में पूरी तरह सुधार होने के बाद ही मनपा का चुनाव कराई जाए। ठाकरे ने कहा कि जैसे आवारा कुत्तों को लेकर सुप्रीम कोर्ट स्वत संज्ञान लिया है, वैसे ही मतदाता सूची में गड़बड़ी को लेकर कोर्ट को ध्यान देना चाहिए। उन्होंने कहा, "पहले बूथ कैप्चर हुआ करते थे, अब तो पूरी चुनाव ही कैप्चर होने लगी है।" यह लोकतंत्र के लिए ठीक नहीं है। उद्धव ने कहा कि राज्य की महायुति सरकार को एक साल से अधिक समय हो गया है, लेकिन विधानमंडल के दोनों सदनों को अभी तक विपक्ष के नेता का पद नहीं मिला है। उन्होंने सरकार से कानूनी तौर पर मांग की है कि या तो विपक्ष के नेता का पद दिया जाए, या फिर उपमुख्यमंत्री का पद ही रद्द कर दिया जाए।

मेट्रो-4 इसी महीने से दौड़ने को तैयार !

ठाणे। ठाणे शहर में सार्वजनिक परिवहन के नए दौर की शुरुआत अब कुछ ही दिनों की दूरी पर है। परिवहन मंत्री प्रताप सरनाईक ने बताया कि मेट्रो-4 परियोजना लगभग पूरी हो चुकी है और इसका उद्घाटन इसी दिसंबर महीने में किया जाएगा। इससे ठाणेकरों का वर्षों पुराना सपना साकार होने वाला है। ओवला-मजीवडा विधानसभा क्षेत्र के विभिन्न विकास कार्यों की समीक्षा के लिए ठाणे नगर निगम मुख्यालय में एमएमआरडीए, नगर निगम और अन्य विभागों की विशेष बैठक आयोजित की गई थी। इसी बैठक में सरनाईक ने स्पष्ट किया कि वडाला-घाटकोपर से गायमुख तक जाने वाली यह मेट्रो लाइन शुरू करने की सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। पहले यह मार्ग कासरवडावली तक सीमित था, लेकिन बाद में

इसका विस्तार किया गया और इसे गायमुख तक बढ़ा दिया गया। मेट्रो कार्यों के चलते पिछले कई महीनों से घोड़बंदर रोड पर लगातार ट्रैफिक जाम की स्थिति बनी हुई थी, जिससे नागरिकों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा था। हालांकि अब परियोजना लगभग तैयार है और राहत का समय करीब है। कुछ दिन पहले मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे की मौजूदगी में इस मार्ग का सफल ट्रायल रन भी पूरा किया गया था, जिससे उद्घाटन को लेकर उत्सुकता और बढ़ गई है।

रिलायंस पावर के खिलाफ चार्जशीट दाखिल

मुंबई। प्रवर्तन निदेशालय (ED) ने अनिल अंबानी की रिलायंस पावर लिमिटेड और उसके 10 अन्य लोगों के खिलाफ मनी लॉन्ड्रिंग का मामला दर्ज करते हुए एक चार्जशीट दाखिल की है। 2024 का ये मामला एक फर्जी बैंक गारंटी से जुड़ा है, जिसकी कीमत 68.2 करोड़ रुपए थी। यह गारंटी सोलर एनर्जी कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (SECI) से एक टेंडर हासिल करने के लिए जमा की गई थी। ED की जांच में पता चला है कि रिलायंस ग्रुप के अधिकारी इस फर्जीवाड़े के बारे में पूरी तरह जानकार थे।

आरोप क्या हैं?

ED का कहना है कि रिलायंस ग्रुप के अधिकारियों ने 'कॉनिवेंस' (साजिश) और 'माला फाइड इंटेंशन' (बुरे इरादे) से SECI का टेंडर हासिल करने के लिए फर्जी गारंटी जमा की। विदेशी बैंकों से फर्जी गारंटी बनाई गईं, SBI के नाम पर फर्जी एंडोर्समेंट किए गए।

कैंपस प्लेसमेंट में धांधली से छात्र हितों का हनन

देश के प्रमुख प्रौद्योगिकी संस्थानों-विशेषतः आइआइटीज द्वारा 20 से अधिक कंपनियों को कैंपस प्लेसमेंट प्रक्रिया से बाहर करना केवल एक प्रशासनिक निर्णय नहीं बल्कि भारत की उच्च शिक्षा व्यवस्था में नैतिकता, पारदर्शिता और छात्र-हित संरक्षण को मजबूती प्रदान करने वाला साहसिक कदम है। इन कंपनियों ने छात्रों को ऑफर लेटर दिए, उनके परिवारों के भीतर आशा की किरण जगाई और अंतिम समय में बिना स्पष्ट कारण उन्हें रद्द कर दिया। यह केवल एक अनुबंध उल्लंघन नहीं बल्कि छात्र के भविष्य, उसके मानसिक संसार और उसके सामाजिक विश्वास पर सीधा प्रहार है। आइआइटी, एनआइटी और शीर्ष विश्वविद्यालयों में प्रवेश पाना किसी विद्यार्थी की दीर्घकालिक मेहनत और प्रतिभा की पहचान है। प्लेसमेंट और ऑफर लेटर केवल नौकरी नहीं बल्कि परिवार के लिए भविष्य की सुरक्षा, सामाजिक प्रतिष्ठा और आत्मविश्वास का प्रतीक होते हैं। ऐसे में जब कंपनियां अचानक अपना वादा तोड़ देती हैं तो विद्यार्थी केवल पेशेवर नुकसान नहीं झेलते, बल्कि मानसिक तनाव, अविश्वास और सामाजिक दबाव से भी गुजरते हैं। यह उनके मनोबल को कमजोर करता है और उनकी योग्यता के सम्मान को ठेस पहुंचाता है। इस तरह की स्थितियां बनना न केवल भारत की उच्च शिक्षा व्यवस्था पर एक चिन्ताजनक दाग है बल्कि सरकार एवं कम्पनियों पर छात्रों के जीवन से खिलवाड़ करने का शर्मनाक द्योतक है। निस्संदेह वैश्विक अर्थव्यवस्था अनिश्चितता, मंदी, छंटनी और बाजार उतार-चढ़ाव से जूझ रही है लेकिन इन चुनौतियों का भार छात्रों के कंधों पर डालना किसी मानवीय, पेशेवर या नैतिक दृष्टि से उचित नहीं कहा जा सकता। विश्वविद्यालय किसी प्रयोगशाला की तरह नहीं हैं जहां विद्यार्थियों को जोखिमपूर्ण स्थिति में डालकर कंपनियां प्रयोग चलाती रहें। आइआइटीज का यह निर्णय स्पष्ट संदेश देता है कि छात्रों के भविष्य और सम्मान से खिलवाड़ सहन नहीं किया जाएगा तथा संस्थान उनके साथ खड़ा रहेगा। यह कदम उच्च शिक्षा की गरिमा और राष्ट्रीय प्रतिभा के सम्मान की पुनर्स्थापना है। यह अन्य विश्वविद्यालयों के लिए भी मार्गदर्शक हो सकता है क्योंकि शिक्षा का उद्देश्य केवल डिग्री देना नहीं बल्कि सुरक्षित और विश्वसनीय भविष्य प्रदान करना है। देश के प्रतिष्ठित विश्वविद्यालयों में प्रवेश लेना ही छात्रों के लिये एक बड़ी चुनौती होती है, छात्र इन संस्थानों के भारीभरकम आर्थिक बजट को किसी तरह पूरा करते हैं, इसके बाद भी उनको नौकरी नहीं मिलती है तो यह उनके जीवन को अंधकारमय बना देने जैसा है। देश के अधिकांश शिक्षण संस्थानों में प्लेसमेंट व्यवस्था उतनी सुदृढ़ और पारदर्शी नहीं है जितनी आइआइटीज में। हजारों छात्र नौकरी व अवसर की आशा में बैठते हैं और कुछ कंपनियां इस स्थिति का दुरुपयोग कर "ऑफर रद्द करने" की प्रवृत्ति अपनाती हैं। अब आवश्यक है कि अन्य विश्वविद्यालय भी कड़ी और अनुशासित प्लेसमेंट नीति अपनाएं, कंपनियों के व्यवहार का रिकॉर्ड रखें और बार-बार गलती करने वाले कंपनियों को ब्लैकलिस्ट करें। यदि शीर्ष विश्वविद्यालय सामूहिक रूप से यह कदम उठाएं, तो कार्पोरेट जगत पर नैतिक अनुशासन का दबाव स्वतः निर्मित होगा। यह विषय अब केवल विश्वविद्यालय का मसला नहीं बल्कि राष्ट्रीय चिंता बन चुका है। छात्रों की बेरोजगारी, अवसरों की अनिश्चितता और कंपनियों की बेहिसाब मनमानी देश की प्रतिभा को क्षति पहुंचा रही है। इसलिए सरकार और नियामक संस्थाओं की भूमिका बेहद महत्वपूर्ण है। सरकार को चाहिए कि प्लेसमेंट अनुबंध और कंपनियों की जवाबदेही सुनिश्चित करने वाले स्पष्ट दिशानिर्देश बनाए, कंपनियों के व्यवहार का राष्ट्रीय डाटा रिकॉर्ड विकसित करे, गलती करने वाली कंपनियों को सरकारी परियोजनाओं और प्रोत्साहनों से वंचित करे तथा आवश्यकता पड़ने पर कानूनी कार्रवाई भी सुनिश्चित करे। छात्रों के संरक्षण हेतु बैकअप प्लेसमेंट समर्थन, आर्थिक सहायता और अनुबंधिक सुरक्षा उपाय जैसी व्यवस्थाएं भी विकसित की जानी चाहिए, ताकि किसी छात्र का भविष्य कंपनी की मनमानी से प्रभावित न हो। आइआइटी जैसी संस्थानों में प्रवेश पाना ही किसी भी छात्र के लिए एक बड़ी उपलब्धि होती है। आइआइटी की प्लेसमेंट व्यवस्था पहले से ही काफी अनुशासित और नियमबद्ध है। कंपनियों को भाग लेने से पहले कई शर्तों का पालन करना होता है। इसके बावजूद यदि कोई कंपनी अपने वादे से मुकरती है तो उसे जवाबदेह ठहराया जाना आवश्यक है। क्योंकि छात्रों को जब ऐसे किसी प्रतिष्ठित कंपनी से ऑफर लेटर मिलता है तो वह न केवल उनके कॅरियर बल्कि पूरे परिवार के भविष्य की उम्मीद बन जाता है। यदि वही कंपनी अंतिम समय में बिना ठोस वजह के ऑफर रद्द कर दे, तो यह केवल पेशेवर अनुशासन की कमी नहीं, बल्कि छात्रों के साथ किया गया खुला विश्वासघात है। आज का कॉर्पोरेट जगत तेजी से बदल रहा है, उसके मूल्य और मानक बिखर रहे हैं, भारत जब दुनिया की तीसरी अर्थ-व्यवस्था बनने की ओर अग्रसर है, तब ऐसी त्रासद एवं विडम्बनापूर्ण स्थितियों का बनना चिन्ताजनक है। इससे भारत के उच्च शैक्षणिक संस्थानों की साख एवं प्रतिष्ठा भी दांव पर लगती है, इन्हीं स्थितियों के कारण छात्र विदेशों में उच्च शिक्षा के लिये अग्रसर होते हैं। भारत ज्ञान और युवा शक्ति का देश है। उसके शीर्ष संस्थानों की वैश्विक प्रतिष्ठा तभी कायम रह सकती है जब प्लेसमेंट प्रक्रिया भरोसेमंद, सम्मानजनक और नैतिक होगी। कंपनियों को भी समझना होगा कि युवाओं के साथ अनुचित व्यवहार उनकी प्रतिष्ठा को नुकसान पहुंचाता है और समाज के साथ उनके संबंध कमजोर करता है। आइआइटी का यह निर्णय उन कंपनियों के लिए चेतावनी तो है ही, लेकिन शिक्षा जगत और नीति निर्माताओं के लिए अवसर भी है-एक ऐसी प्रणाली विकसित करने का अवसर जहां छात्र का सम्मान एवं जीवन-सुरक्षा सर्वोपरि हो। यदि संस्थान, सरकार और समाज मिलकर स्पष्ट, कठोर और नैतिक ढांचा बनाएं तो निश्चित ही युवा प्रतिभा सुरक्षित होगी और भारत की विश्वसनीयता भी सुदृढ़ होगी। छात्र केवल डिग्री प्राप्त करने वाले नहीं, बल्कि राष्ट्र निर्माण की नींव हैं। उनके भविष्य के साथ खिलवाड़ किसी भी परिस्थिति में स्वीकार्य नहीं होना चाहिए।

कटाक्ष | सुरेश मिश्र

उड़ने वाले रो रहे, हुआ इंडिगो फेल
शानो-शौकत में सखा, निकल रहा है तेल
निकल रहा है तेल, प्लेन की जगह किराया
आसमान पर आज, नींद में दिल्ली,भाया
कह सुरेश कविराय ज़ुबां पर लटके ताले
छाती पीटें भाय गगन में उड़ने वाले

संसदीय हंगामा और मोदी की नसीहत

> प्रधानमंत्री मोदी ने संसद के बाहर मीडिया को संबोधित करते हुए अपने विचार प्रकट किये। पहले ही यह अंदाजा था कि विपक्ष एसआईआर और राष्ट्रीय सुरक्षा को मुद्दा बनाकर संसद में हंगामा करेगा और ऐसा ही हुआ। उन्होंने विपक्ष को सलाह दी कि यहां ड्रामा नहीं, डिलीवरी होनी चाहिए।

मोदी जानते थे कि हर बार की तरह इस बार भी विपक्ष संसद में हंगामा करने वाला है, इसलिए उन्होंने संसद सत्र के पहले ही दिन विपक्ष पर हमला कर दिया। प्रधानमंत्री मोदी ने संसद के बाहर मीडिया को संबोधित करते हुए अपने विचार प्रकट किये। पहले ही यह अंदाजा था कि विपक्ष एसआईआर और राष्ट्रीय सुरक्षा को मुद्दा बनाकर संसद में हंगामा करेगा और ऐसा ही हुआ। उन्होंने विपक्ष को मर्यादित आचरण करने की सलाह देते हुए उस पर बड़ा हमला किया है। उन्होंने कहा कि ड्रामा करने की और भी जगहें हैं। जिनको करना है, करते रहे लेकिन यहां ड्रामा नहीं, डिलीवरी होनी चाहिए। नारे लगाने के लिए पूरा देश पड़ा है, जहां पराजित होकर आए हैं, वहां बोल चुके हो। जहां पराजित होने वाले हो, वहां भी बोल दीजिए, लेकिन यहां नारे नहीं, नीतियों पर बल दीजिए। उन्होंने कहा कि संसद देश के लिए क्या सोच रही है, क्या करना चाहती है, यह सत्र इन मुद्दों पर केंद्रित होना चाहिए। उन्होंने विपक्ष को कहा कि उसे अपना दायित्व निभाना चाहिए, संसदीय कार्य पर हार की हताशा का असर नहीं होना चाहिए। उन्होंने कहा कि दुनिया भारत में लोकतंत्र की मजबूती के साथ-साथ लोकतांत्रिक व्यवस्थाओं के भीतर अर्थतंत्र की मजबूती को बहुत बारीकी से देख रही है। भारत ने सिद्ध कर दिया है कि डेमोक्रेसी डिलीवर कर सकती है। उन्होंने विपक्ष को नसीहत देते हुए कहा कि विपक्ष पराजय की निराशा से बाहर निकल आये। उन्होंने कहा कि एक-दो दल तो ऐसे हैं जो हार को पचा नहीं पाते हैं। उन्होंने विपक्ष पर तंज करते हुए कहा कि मैं सोच रहा

था कि बिहार के नतीजे को इतना वक्त हो गया है तो अब थोड़ा संभल गए होंगे लेकिन मैं उनके जो बयान सुन रहा हूँ, उससे लगता है कि पराजय ने उनको परेशान कर रखा है। उन्होंने कहा कि राजनीति में नकारात्मकता कुछ काम आती होगी, लेकिन राष्ट्र निर्माण के लिए कुछ सकारात्मक सोच भी होनी चाहिए। नकारात्मकता को अपनी मर्यादाओं में रखकर राष्ट्र निर्माण पर ध्यान देना चाहिए। पीएम मोदी ने सभी दलों से अनुरोध किया कि शीतकालीन सत्र को पराजय की बौखलाहट का मैदान नहीं बनना चाहिए। उन्होंने एनडीए के सांसदों को नसीहत देते हुए कहा कि यह सत्र विजय के अहंकार में परिवर्तित नहीं होना चाहिए। जैसे कि पहले आशंका थी कि एसआईआर के मुद्दे पर शीतकालीन सत्र में माहौल गर्म रहेगा, वैसा ही संसद सत्र के पहले दिन देखने को मिला हालांकि सरकार ने इस मुद्दे पर विपक्ष की बहस करने की मांग मान ली है, इसलिए अभी कुछ शांति दिखाई दे रही है । संसद सत्र शुरू होने से एक दिन पहले सरकार ने सर्वदलीय बैठक बुलाई थी, जिसमें विपक्ष के तीखे तेवर देखने को मिले । इस बैठक में संसदीय कार्य मंत्री किरण रिजीजू ने कहा कि मतभेद लोकतंत्र का आधार है, लेकिन सदन की गरिमा बनाए रखना सभी दलों की साझा जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि बहस से बचने का सवाल नहीं है, लेकिन संसद चलने में बाधा नहीं आनी चाहिए। सर्वदलीय बैठक में विपक्ष की ओर से जो कुछ कहा गया, उससे ही पता चल गया था कि एसआईआर के मुद्दे को विपक्ष जोर-शोर से उठाएगा। विपक्ष को कोई भी मुद्दा उठाने का अधिकार है, लेकिन सवाल यह है कि वो एसआईआर के मुद्दे पर क्या जानना चाहता है। ये प्रक्रिया सरकार द्वारा संचालित नहीं है बल्कि इसे चुनाव आयोग संविधान द्वारा प्रदत्त अधिकारों के तरह करवा रहा है। समस्या यह नहीं है कि विपक्ष एसआईआर को लेकर सवाल उठा रहा है, बल्कि समस्या यह है कि विपक्ष चाहता है कि चुनाव आयोग अपने संवैधानिक कर्तव्य का पालन न करे और इस प्रक्रिया को तत्काल बंद कर दे। इसी मांग को लेकर विपक्ष सुप्रीम कोर्ट में जा चुका है लेकिन माननीय अदालत ने उसकी मांग ठुकरा दी है। सवाल यह है कि क्या सरकार इस प्रक्रिया को रोक सकती है । सवाल यह है कि अगर सरकार रोक भी सकती है तो उसे क्यों रोकना चाहिए । पहले ही यह प्रक्रिया बहुत देर से की जा रही है। विपक्ष को तो चुनाव आयोग से यह सवाल करना चाहिए कि उसने पहले यह प्रक्रिया क्यों नहीं की। जो काम दस साल पहले हो जाना चाहिए था, वो बाईस साल बाद क्यों हो रहा है। 22 साल बाद मतदाता सूची में ऐसे करोड़ों लोगों के नाम दर्ज हैं, जो मर चुके हैं या अन्यत्र जा चुके हैं। इसके अलावा भी मतदाता सूची में बड़ी गड़बड़ियां हैं, जिन्हें लेकर राहुल गांधी तीन प्रेस कांफ्रेंस भी कर चुके हैं। लाखों लोग ऐसे हैं, जिनके नाम मतदाता सूची में एक से ज्यादा जगहों पर दर्ज हैं। इन गड़बड़ियों को ठीक करने के लिए एसआईआर की बहुत जरूरत है। अजीब बात है कि विपक्ष भाजपा पर इन गड़बड़ियों का फायदा उठाने का आरोप लगाता है और दूसरी तरफ इन गड़बड़ियों को ठीक करने की कवायद एसआईआर का विरोध भी करता है। इसका दूसरा मतलब है कि विपक्ष ही इन गड़बड़ियों का फायदा उठाकर वोट चोरी कर रहा है, इसलिए वो नहीं चाहता कि एसआईआर द्वारा इन गड़बड़ियों को ठीक किया जाए। अगर एसआईआर के विरोध की कोई और वजह है तो विपक्ष को देश के सामने रखनी चाहिए। पहले विपक्ष बिहार में एसआईआर का विरोध कर चुका है और अब 12 राज्यों में भी इस प्रक्रिया का विरोध किया जा रहा है जबकि विपक्ष जानता है कि वो इस प्रक्रिया को नहीं रूकवा सकता। एसआईआर पर चर्चा करके विपक्ष क्या हासिल करना चाहता है, उसे बताना चाहिए क्योंकि सरकार इस चर्चा का जवाब नहीं दे सकती। चुनाव आयोग एक संवैधानिक संस्था है जो सरकार के अधीन काम नहीं करती है। जब संसद में बहस होगी तो उस बहस का जवाब कौन देगा। सरकार ने भी एसआईआर पर बहस की जगह चुनाव सुधार पर चर्चा की मांग मानी है क्योंकि एसआईआर पर बहस नहीं की जा सकती। कितनी अजीब बात है कि एसआईआर को लेकर सुप्रीम कोर्ट में विपक्ष के एक-एक सवाल का जवाब चुनाव आयोग द्वारा विपक्ष के वकीलों को दिया जा रहा है लेकिन विपक्ष संसद में सरकार से उन सवालों के जवाब चाहता है। चुनाव आयोग को विपक्ष के सवालों के जवाब देने चाहिए, जिसके लिए वो विपक्ष को बुला चुका है। अगर विपक्ष सच में एसआईआर को लेकर आशंकित है और अपने सवालों के जवाब चाहता है तो वो चुनाव आयोग से क्यों नहीं पूछता। समस्या यह है कि चुनाव आयोग विपक्ष के सारे सवालों के जवाब देने को तैयार है लेकिन सच यह है कि विपक्ष को किसी सवाल का जवाब नहीं चाहिए । वो जानता है कि एसआईआर से उसको राजनीतिक नुकसान होने की आशंका है, इसलिए इसका विरोध कर रहा है। इसकी वजह यह है कि बांग्लादेशी और रोहिंग्या घुसपैठिए विपक्ष के कट्टर समर्थक हैं। एसआईआर की प्रक्रिया में मतदाता सूची से उनके नाम कटने की संभावना है, इससे विपक्ष परेशान है। विपक्ष सीधे तौर पर घुसपैठियों का बचाव नहीं कर सकता, इसलिए चाहता है कि किसी भी तरीके से इस प्रक्रिया को रोक दिया जाए।

■ बाबूलाल नागा

चुनाव सुधारों को व्यापक परिप्रेक्ष्य में देखने की आवश्यकता

विगत दो दिनों से संसद के दोनों सदनों, लोकसभा (लोकप्रिय सदन/ निम्न सदन /जनता के सदन) एवं राज्यसभा (ऊपरी सदन/ राज्यों के सदन / पांडित्य सदन) में ' विशेष सघन पुनरीक्षण' (SIR) को लेकर गतिरोध उत्पन्न हुआ है। दोनों पक्ष(सत्ता पक्ष एवं विपक्ष) चुनाव सुधारो पर चर्चा के लिए सहमत हो गए हैं । विशेष सघन पुनरीक्षण(SIR) एक प्रशासनिक विषय है, जिसे निर्वाचन आयोग ने तय किया है। चुनाव की प्रणाली में करने योग्य उन परिवर्तनों/ बदलावों को ' चुनाव सुधार' कहते हैं, जिनके आवेदित करने से जनता की आकांक्षाएं व अपेक्षाएं चुनाव परिणाम के रूप में आधिकारिक परिणित होने लगे। लोकतंत्र में राजनीतिक दल प्राणवायु के समान होते हैं, राजनीतिक दल ईंधन के रूप में कार्य करते हैं। प्रतिनिधि लोकतंत्र में राजनीतिक दल प्रतिनिधित्व का माध्यम होते हैं। राजनीतिक दलों में सत्ता का प्रवाह ऊपर से नीचे की ओर(पिरामिड) होता हैः, अर्थात ऊपर बैठे व्यक्तियों के पास सत्ता अधिक होती है, जो फैसला करते हैं कि आने वाले आम चुनाव व मध्यावधि चुनाव में किसको टिकट मिले? इसी " हाई कमान संस्कृति " कहा जाता है! इस तरह के प्रक्रिया से व्यक्तिवाद, वंशवाद और परिवारवाद जैसे विचारधारा का विकास होता है और राजनीतिक नेतृत्व के समक्ष निर्णय करने की प्रक्रिया अधिक केंद्रित होतीहै।लोकतंत्र के सशक्तिकरण को मापने के लिए 'आंतरिक लोकतंत्र' को अत्यंत महत्वपूर्ण माना जाता है। भारत के लोकतंत्र और निर्वाचन आयोग का दुर्भाग्य है कि इस समय निर्वाचन आयोग के पास एक कोई अधिकार नहीं है कि वह भारत के राजनीतिक दलों में ' आंतरिक लोकतंत्र' की मजबूती का मूल्यांकन कर सके। 'आंतरिक लोकतंत्र' के अभाव में दलों में विचार - विमर्श नहीं हो पता है ,जिसमें स्थायित्व की भावना नहीं आ पाती है। लोकतांत्रिक प्रक्रिया में भाग लेने वाले किसी भी राजनीतिक दल को अपने संगठन/ संघ के कार्यों के रूप में औपचारिक एवं आवधिक चुनाव कराने चाहिए ,जिससे राजनीतिक दलों में लोकतांत्रिक मूल्यों एवं आदर्शों का समावेश हो सके एवं दल के भीतर उत्पन्न निराशा एवं कुंठा का शमन किया जा सके। 1994 में न्यायमूर्ति बी. आर, कृष्णन समिति ने सभी राजनीतिक दलों में ' आंतरिक लोकतंत्र' को सुनिश्चित करने और लेखा एवं लेखा- परीक्षा हेतु कानूनी मंजूरी की मांग की थीः, इसी प्रकार विधि आयोग ने अपनी 170 वीं विधि प्रतिवेदन में "चुनाव कानूनों में सुधार' में स्पष्ट कहा था कि, राजनीतिक दल भीतर से तानाशाही/स्वेक्षातांत्रिक और बाहर से लोकतांत्रिक नहीं हो सकते हैं।" इसके साथ ही विधि आयोग ने यह संस्तुति किया था कि राजनीतिक दलों की संभावित सांप्रदायिक गतिविधियों या उनके अन्य संवैधानिक कार्यों का निरीक्षण करने के लिए एक अलग से "आयुक्त" की नियुक्ति की जानी चाहिए। 2002 में संविधान के कार्यों की समीक्षा करने वाली ' राष्ट्रीय समीक्षा आयोग' ने चुनाव एवं चुनाव से इतर समय में पार्टी फंड के विनियमन की आवश्यकता को रेखांकित किया था । इस समिति ने राजनीतिक दलों के लेखा परीक्षा के साथ-साथ उस लेखा परीक्षा को सामान्य निरीक्षण के लिए खोलने की बात कही थी। इसके अतिरिक्त चुनाव के दौरान बढ़ते हुए जातिवाद पर लगाम लगाने के लिए कदम उठाने, दल- बदल कानून को और मजबूत करने और सामान्य जीवन में नैतिकता की स्थापना के लिए प्रयत्न की सिफारिश की थीः, हिंसा, जातिवाद, सांप्रदायिकता और क्षेत्रीयतावाद को निजी हितों के लिए प्रयोग किया जा रहा है, जिससे हिंसक अपराधों में वृद्धि हो रही है। 2006 में एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स ने केंद्रीय सूचना आयोग में अपील की कि राजनीतिक दलों के आयकर के विवरण को सार्वजनिक किया जाए। इस कार्य के लिए संगठन को 2 साल तक लंबा संघर्ष करना पड़ा और उसके बाद 2008 में केंद्रीय सूचना आयोग ने फैसला दिया कि आयकर के विवरण को सार्वजनिक किया जाए। वर्ष 2013 में जब केंद्रीय सूचना आयोग ने 6 राष्ट्रीय दलों को "सार्वजनिक प्राधिकरण" घोषित किया, जिससे कि वह सूचना के अधिकार के अधिनियम की धारा 2(झ) के प्रभाव के परिधि में आ जाएं, इसका राजनीतिक दलों ने बहुत विरोध किया । इस योजना को बाद में ठंडे बस्ते में डाल दिया गया क्योंकि ऐसी खबरें उड़ने लगी थी कि सूचना का अधिकार अधिनियम को ही अनुच्छेद 123(1) के अंतर्गत संशोधित किया जाएगा। कुछ राजनीतिक दल ऐसे भी हैं जो सामाजिक या क्षेत्रीय पक्षों को लेकर चलते हैं। भारत की संघीय और बहुदलीय राजनीतिक व्यवस्था ने भी वंशवाद या व्यक्तिगत प्रभाव के लोगों के प्रभुत्व को बढ़ावा दिया है। इसमें वित्तीय अनुदान भी महत्वपूर्ण हो जाता है ,इसलिए अनेक दलों में आंतरिक चुनाव पर ज्यादा जोर नहीं दिया जाता है। कांग्रेस पार्टी में बहुत साल बाद लोकतांत्रिक तरीके से ' थके हुए अध्यक्ष' का चुनाव हुआ है। राजनीतिक दलों के वित्तीय आधार में सुधार की बात की जाए तो राजनीतिक चंदे के रूप में चुनावी बांड के मुद्दे पर चर्चा करने से बचा नहीं जा सकता है। चुनावी बांड से वास्तविक स्तर पर याराना पूंजीवाद यानी क्रोनी कैपिटल ही प्रोत्साहित हुआ है। यह एक सुधारात्मक एवं प्रगतिशील सुधार है। कंपनियां करोड़ों रुपए इधर-उधर कर सकती हैं और किसी को भनक भी नहीं लगेगी कि पैसा किसने किसको दिया? यह व्यवस्था कुछ भी हों लेकिन पारदर्शी किसी भी तरह से नहीं है। इसका परिणाम यह हुआ है कि पूंजीपति देश चलाएंगे जो संभवतः वर्षों से करते आ रहे हैं। अभी एक कंपनी अपने फायदे का 100% किसी राजनीतिक दल को चंदे के रूप में दे सकती हैं और बदले में वह राजनीतिक दल सत्ता में आकर उस कंपनी के अनुरूप नीतियों का निर्माण करेगा। ऐसी व्यवस्था का संयुक्त राज्य अमेरिका जैसे लोकतांत्रिक व्यवस्थाओं में जबरदस्त विरोध हुआ था ,जिससे लूट प्रणाली(Spoil system) पर काफी हद तक नियंत्रण स्थापित हुआ था। चुनाव सुधारो पर भारत सरकार ने 1990 में श्री दिनेश गोस्वामी समिति को गठित किया था जिसने संस्तुति किया था कि मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों को राज्य की ओर से धन के रूप में सीमित वित्त पोषण प्रदान किया जाए। इसी प्रकार, 1998 में श्री इंद्रजीत गुप्ता समिति ने मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों और उनके उम्मीदवारों के लिए आंशिक वित्त पोषण का अनुमोदन किया था। राज्य/ व्यवस्था द्वारा दलों का यह वित्त पोषण चुनाव प्रचार के दौरान पानी की तरह पैसा बहाने की मनोवृत्ति पर नियंत्रण करेगा, जिससे राजनीति में धन- बल पर नियंत्रण स्थापित होगा। लोकतंत्र में चुनाव सुधार की दिशा में पहल यह रहा है कि दागी विधायकों को अयोग्य ठहराया जाता है। लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम की धारा 8 के अनुसार, कानूनन अपराधी ठहराए गए राजनीतिज्ञ चुनाव लड़ नहीं सकते हैं।

■ डॉ. बालमुकुंद पांडे

यह हमारी सड़क है!

राजनीति शास्त्र में एम.ए. करने के बाद पिछले डेढ़ साल से मैं नौकरी के लिए चप्पल घसीटते घूम रहा था। मध्यमवर्गीय परिवार! घर वाले भी परेशान! दो दिन पहले अखबार में एक प्रायवेट स्कूल में शिक्षक की आवश्यकता का एक विज्ञापन देखा तो वहाँ बायोडाटा भेज दिया। दूसरे दिन ग्यारह बजे इंटरव्यू था। बेकारी की चिंता और पीड़ा में रात करवटें बदलते कटी। दूसरे दिन पिता जी का पुराना खटारा स्कूटर लेकर बिना कुछ खाए-पिए ही मैं नौ बजे के आसपास इंटरव्यू स्थल के लिए रवाना हो गया। चौराहे के पास पहुंचा तो सामने सिगनल पर रेड लाईट मुस्कुराता हुआ चिढ़ा रहा था। कार,स्कूटर,बस,सायकिल,पैदल भीड़ का जैसे सैलाब था। सबको जल्दी से जल्दी जाने की होड़ लगी हुई थी! लग रहा था जैसे कोई पांच-दस लाख इनाम वाले मेराथन दौड़ का आयोजन हो। चींटियों की असंख्य कतारों सी भीड़। दो चार बाइक महावीर लालबत्ती की ओर हिकारत से नजर मार,दबके से सिगनल तोड़ते हुए निकल लिए। मन तो हुआ मैं भी निकल जाऊं पर अंदर की नैतिकता ने ठीक मौके पर टंगड़ी मार दी! राम-राम करते सिगनल हरा हुआ! सांप की चाल की तरह बाईक को आड़ा-तिरछा चलाते, भीड़ से बचते-बचाते मैं पन्द्रह मिनट बाद अगले चौराहे पर पहुंचा। यहाँ सिगनल क्लियर था पर ठीक चौराहे के बीचो-बीच अठारह–बीस बाइकर- बहादुरों का हुल्लड़बाज झुण्ड,वहाँ समूह में नये-नये करतब दिखा करके अपनी अलौकिक प्रतिभा प्रदर्शन में लगा हुआ था! पूरा ट्रैफिक बौखलाया,जाम पड़ा था। किसी की हिम्मत नहीं थी कि भारतमाता के उन वीर महान सपूतों के शौर्य-प्रदर्शन में टोका-टाकी कर सके! पन्द्रह-बीस मिनट यही स्थिति रही. तभी सौभाग्य से पुलिसवालों का एक वैन वहा फर्राटे से पहुंचा. परिणामस्वरूप सभी महावीर फर्राटे से वहां से गधे के सींग की तरह गायब हो गये! चोर चोरी करने के बाद जिस स्पीड से भागता है, बस उसी रफ्तार में मैं गाड़ी भगाता अगले चौराहे पर पहुंचा ! वहां सत्तापक्ष के विरोध में नारेबाजी करता "वोट चोरी" वाला लम्बा-चौड़ा जुलूस वानरों की तरह उछल-कूद मचाये हुए था !ले-देकर सड़क के किनारे से किसी तरह "कट" मारकर निकलने में मेरे बहुमूल्य आधा घंटे का क्रिया-कर्म हो गया! आगे सड़क कुछ खाली दिखी तो पचपन –साठ की स्पीड से गाड़ी भगाता कुछ ही दूर गया होउंगा कि सामने रोड कुरुक्षेत्र का मैदान बना हुआ था! गलत दिशा से आते कार और बाईक की टक्कर ने महासंग्राम का रूप ले लिया था। किसी तरह किनारे से निकलने की कोशिश की तो लक्ष्मण-रेखा की तरह भीड़ में धक्का-मुक्की करती गाड़ियों की कतारें मुंह चिढ़ाने लगीं! येन- केन- प्रकारेण लोगों से हाथ-पाँव जोड़ता किसी तरह आगे निकला, तब तक मेरे इन्टरव्यू के बेशकीमती समय के पच्चीस मिनट का फिर होलिका-दहन हो चुका था। मेरे दिल की धड़कन बुलेट ट्रेन की रफ्तार पकड़ चुकी थी! इन्टरव्यू चूकने के भय से मैं वन्दे भारत एक्सप्रेस की स्पीड से गाड़ी भगाता आगे बढ़ा! इंटरव्यू स्थल बस चार पांच किलोमीटर ही रहा होगा कि सामने दो-तीन बुलडोजर अपनी केकड़े जैसी गर्दन उठाये बीच सडक को खोदते दिखे। सामने रोड पर बीचोबीच "सडक-बंद" वाला नगर निगम का बोर्ड लटकता दिखा! काम पर लगे कर्मचारियों से पूछा तो पता चला जमीन के नीचे शहर को सप्लाई करने वाला पानी का मेन पाईप फट गया है!

आज का कार्टून

साभार

भारत-रूस में रोजगार का करार

भारतीय कामगारों के लिए एक सुखद खबर है। रूस 10 लाख भारतीय कामगारों, कुशल और अद्र्धकुशल, को रोजगार देगा। भारत भी रूसी कामगारों को रोजगार के अवसर मुहैया कराएगा। दोनों देशों के बीच 'श्रम गतिशीलता समझौता' तय हुआ है, उसी के तहत रूस भारतीयों को नौकरियां देगा। विदेश और श्रम मंत्रालयों ने इस करार की पुष्टि की है। मंत्री और मंत्रालय के स्तर पर शिखर संवाद हो चुका था। प्रधानमंत्री मोदी और राष्ट्रपति पुतिन के बीच संवाद होने के बाद करार को हरी झंडी दे दी गई। अब यह यथाशीघ्र लागू हो जाएगा। रूस भारत के राजमिस्त्री, वेल्डर, आईटी इंजीनियर, नर्स के अलावा, निर्माण, तेल-गैस, कृषि, वस्त्र, बैंकिंग और स्वास्थ्य आदि क्षेत्रों में भी भारतीयों की सेवाएं लेगा। भारतीयों के रोजगार, नौकरियां सुरक्षित और कानूनन होंगी। कामगार एक देश से दूसरे देश में सहजता, सुगमता से आवाजाही कर सकेंगे। प्रधानमंत्री मोदी और राष्ट्रपति पुतिन के बीच वार्ता के बाद भारत, रूस ने बंदरगाह और पोत परिवहन क्षेत्र में सहयोग के लिए समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। शिखर सम्मेलन के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के साथ संयुक्त प्रेस वार्ता में भारत–रूस साझेदारी के कई प्रमुख आयामों पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि ऊर्जा सुरक्षा दोनों देशों के रिश्ते की एक मजबूत और अहम नींव रही है। सिविल न्यूक्लियर ऊर्जा के क्षेत्र में दशकों से जारी सहयोग ने दोनों देशों की स्वच्छ ऊर्जा प्राथमिकताओं को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है, और यह "विन–विन" साझेदारी आगे भी जारी रहेगी। मोदी ने यह भी कहा कि क्रिटिकल मिनरल्स में सहयोग वैश्विक सप्लाई चेन को सुरक्षित और विविध बनाने में सहायक होगा, जिससे स्वच्छ ऊर्जा, हाई-टेक मैन्युफैक्चरिंग और नई तकनीकी उद्योगों में दोनों देशों की साझेदारी को मजबूती मिलेगी। पीएम मोदी ने जहाज निर्माण में गहरे सहयोग को मेक इन इंडिया को सशक्त बनाने वाला तत्व बताया, जो रोजगार, कौशल और क्षेत्रीय कनेक्टिविटी बढ़ाने का एक उत्कृष्ट उदाहरण है। आर्थिक सहयोग को आगे ले जाने के लिए दोनों देशों द्वारा विज़न 2030 दस्तावेज़ पर हस्ताक्षर किए गए। प्रधानमंत्री ने बताया कि वे दोनों नेता इंडिया–रूस बिज़नेस फ़ोरम में हिस्सा लेंगे, और यह मंच व्यापारिक संबंधों को नई दिशा देगा, साथ ही सह-उत्पादन और सह-नवाचार के अवसरों का विस्तार करेगा। दोनों देश यूरेशियन इकोनॉमिक यूनियन के साथ मुक्त व्यापार समझौते (FTA) को साकार करने के लिए भी नए कदम उठा रहे हैं। मोदी ने कहा कि दुनिया ने पिछले आठ दशकों में कई उतार–चढ़ाव देखे हैं, लेकिन भारत–रूस की मित्रता ध्रुव तारे की तरह स्थिर और मार्गदर्शक रही है। यह रिश्ता पारस्परिक सम्मान और भरोसे पर बना है, और आज हुई बातचीत में उन सभी पहलुओं पर चर्चा हुई जो इस संबंध को और मजबूत करेंगी। यही इस समझौते का मकसद और मर्म है। रूस अविलंब इस करार को लागू इसलिए करना चाहता है, क्योंकि यूक्रेन युद्ध और पश्चिमी देशों की पाबंदियों के कारण रूस में श्रम-संकट विकराल है। रोजमर्रा के काम भी ठप पड़े हैं। दूसरी ओर भारत में 65 फीसदी आबादी ऐसी है, जिसकी औसत उम्र 35 साल या उससे कम है। भारत में बेरोजगारी एक विकट और संवेदनशील समस्या है। रूस में ये नियुक्तियां और अनुबंध सरकार के स्तर पर किए जाएंगे। दरअसल इन नियुक्तियों को इमिग्रेशन, अर्थात् अप्रवास, समझने की गलती न की जाए। नियुक्तियां जरूरत के मुताबिक अस्थायी अथवा दीर्घकालिक हो सकती हैं। रूस में भारतीय कामगार को सामाजिक सुरक्षा के अलावा बीमा, स्वास्थ्य सुविधाएं और कानूनी सुरक्षा एवं संरक्षण आदि भी दिए जाएंगे। रूस भारत की आईटीआई, इंजीनियरिंग की डिग्री और डिप्लोमा के अलावा पेशेवर कुशलता को भी मान्यता देगा, ताकि कामगारों को उचित रोजगार और मेहनताना आदि मिल सके। इस करार से भारत को कई फायदे होंगे। रोजगार तो उपलब्ध होगा ही। फिलहाल रूस में 1 लाख से अधिक भारतीय बसे हैं और वे विभिन्न व्यवसायों में काम कर रहे हैं। रूस के साइबेरिया वाले क्षेत्र में चीन के 3 लाख से अधिक कामगार और कारोबारी सक्रिय हैं।

■ गौतम चौधरी

तपोवन में 700 पेड़ हटाए जाएंगे : महाजन

पर्यावरणविदों के आक्रामक रुख के बाद महाजन का तपोवन निरीक्षण

महानगर नेटवर्क
नाशिक

तपोवन में पेड़ों की कटाई के मामले में पर्यावरणविदों और संगठनों के आक्रामक रुख के बाद, जल संसाधन मंत्री गिरीश महाजन ने तपोवन का निरीक्षण किया और स्पष्ट किया कि कोई भी बड़ा पेड़ नहीं काटा जाएगा। मंत्री महाजन ने पत्रकारों से बातचीत में यह भी स्पष्ट किया, "नाशिकवासियों की भावना हमारी है। तपोवन में 700 पेड़ हटाए जाएँगे, लेकिन 15 हज़ार नए पेड़ लगाए जाएँगे। महाराष्ट्र के जल संसाधन मंत्री गिरीश महाजन ने यह बयान नाशिक में चल रहे विरोध प्रदर्शनों और मुद्दों के संदर्भ में दिया था। यह बयान मुख्य रूप से आगामी सिंहस्थ कुंभ मेले की तैयारियों के लिए शहर में, विशेषकर तपोवन क्षेत्र में, पेड़ों की कटाई को लेकर निवासियों और पर्यावरण प्रेमियों के गुस्से और

15 हजार नए पेड़ लगाए जाएंगे

आंदोलन के जवाब में आया था। अगर हमें पेड़ों की कटाई से संबंधित टेंडर गलत लगा, तो हम उसे रद्द कर देंगे। हम पेड़ों की जगह बड़े पेड़ लगाएँगे। सारा काम विशेषज्ञों की मदद से ही होगा।"मंत्री महाजन ने कहा, "हम एक भी बड़ा पेड़ नहीं काटेंगे। छोटे पेड़ों को हटाकर दूसरी जगह लगाएँगे। 700 पेड़ हटाए जाएँगे, लेकिन 15,000 नए पेड़ लगाए जाएँगे।" ये सभी पेड़ देशी प्रजातियों के हैं और राजमुद्रा से 15 फुट ऊँचे पेड़ मंगवाए जाएंगे। उन्होंने यह भी बताया कि इस पहल को सीएसआर फंड से उद्योगपतियों की मदद से लागू करने की योजना है और प्रति पेड़ की लागत लगभग 1,400 रुपये आएगी। महाजन ने स्पष्ट किया कि कुंभनगरी की ज़मीन पर किसी का कब्ज़ा नहीं होगा और साधुग्राम वैसा ही रहेगा। भाजपा की आलोचना पर महाजन ने कहा, "अगर आप राजनीतिक कोयला जलाने जा रहे हैं, तो आप मुश्किल में पड़ जाएँगे। हम ज़मीन किसी के गले नहीं उतारेंगे। हम किसी दुविधा में नहीं फंसेंगे।"जल संसाधन विभाग को देश में प्रथम पुरस्कार मिलने का ज़िक्र करते हुए उन्होंने मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस की तारीफ़ की। उन्होंने कहा, "सूखा प्रभावित इलाकों में बड़े काम चल रहे हैं। 45,000 करोड़ रुपये के काम चल रहे हैं। फडणवीस का विज़न बड़ा है। 10 में से 10 अंक दिए जाने चाहिए।" नाशिक में रिंग रोड का काम अगले महीने शुरू होगा, कुंभ तक सभी काम पूरे हो जाएंगे, धन की कमी नहीं होने दी जाएगी। उन्होंने कहा, "हम नाशिक की सूरत बदल देंगे।" उन्होंने यह भी बताया कि छह महीने में पार्क का उद्घाटन किया जाएगा। मनसे या अन्य दलों के आंदोलन के बारे में महाजन ने कहा, "मैंने अपना रुख़ साफ़ कर दिया है। यह उनका फ़ैसला है कि उन्हें क्या करना है।"

धार्मिक भावनाओं को ठेस नहीं पहुंचाई जाएगी

मंत्री महाजन ने कहा कि इस बार उतनी ही जगह का इस्तेमाल होगा जितना पिछले कुंभ में हुआ था। उन्होंने कहा कि किसी की धार्मिक भावनाओं को ठेस नहीं पहुँचाई जाएगी, और शिवसेना पर निशाना साधते हुए कहा, "कुंभ को ना कहने वालों को धार्मिक मतभेद पैदा नहीं करने चाहिए।"

कुंभ मेला क्षेत्र व्यावसायिक निर्माण के लिए स्वीकार्य नहीं

पीठाधीश्वर जगद्गुरु महायोगी रामानंदाचार्य सिद्धबाबा की चेतावनी

महानगर नेटवर्क
नाशिक

महाराष्ट्र में कुंभ मेला केवल नाशिक के त्र्यंबकेश्वर में ही आयोजित होता है। भगवान श्री रामचंद्र की तपोभूमि, यह विश्व भर के संतों, महंतों, ऋषियों और श्रद्धालुओं के लिए श्रद्धा का केंद्र है। इस कुंभ मेला क्षेत्र व्यावसायिक निर्माण के लिए स्वीकार्य नहीं है। पीठाधीश्वर जगद्गुरु महायोगी रामानंदाचार्य सिद्धबाबा ने यह चेतावनी दी है। यह क्षेत्र संत परंपरा, आध्यात्मिकता और प्राकृतिक सौंदर्य से परिपूर्ण एक पवित्र क्षेत्र के रूप में जाना जाता है। इसलिए, सभी का मत है कि यहाँ किसी भी प्रकार का व्यावसायिक परिसर या व्यावसायिक निर्माण नहीं होना चाहिए और यदि ऐसा हुआ तो साधु

समाज सड़कों पर उतरेगा, ऐसी चेतावनी अनंतविभूषित जगद्गुरु श्री रामानंदाचार्य स्वामी श्री रामकृष्णाचार्य महायोगी सिद्धबाबा (नेपाल) ने दी है। तपोवन स्थित श्री लक्ष्मीनारायण बड़ा मंदिर पहुँचकर महाराज ने मीडिया से बातचीत की। उन्होंने कहा, "लक्ष्मीनारायण बड़ा मंदिर के कारण ही पूरी ज़मीन सरकार के नियंत्रण में आई है। अब तक इस ज़मीन का संरक्षण मंदिर प्रबंधन द्वारा किया जाता रहा है। यह स्थान नया नहीं बना है, बल्कि पाँच सौ वर्षों से संत परंपरा का केंद्र रहा है। तीन सौ साल से भी ज्यादा पुराने सभी दस्तावेज़ आज भी संस्था के पास मौजूद हैं।" कुंभ मेले के कारण तपोवन को पूरे देश-विदेश में आध्यात्मिक केंद्र के रूप में महत्व प्राप्त हुआ है। ऐसी चर्चा है कि विभिन्न कारण बताकर इस पवित्र भूमि को अधिग्रहित करने का प्रयास किया जा रहा है। इस प्रकार की बातें श्रद्धालुओं की भावनाओं को ठेस पहुंचाती हैं। यह स्थान संतों की उपस्थिति के कारण ही जीवित है, इसलिए कोई भी निर्णय लेने से पहले मंदिर और मठ प्रबंधन को विश्वास में लेना आवश्यक है।

महाराष्ट्र नवनिर्माण चित्रपट कर्मचारी सेना ने किया पेड़ कटाई का विरोध

महानगर नेटवर्क
नाशिक

तपोवन में पेड़ों की योजनाबद्ध कटाई के विरोध में महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना ने आज सुबह तपोवन विरोध प्रदर्शन का आयोजन किया। विरोध प्रदर्शन का नेतृत्व महाराष्ट्र नवनिर्माण चित्रपट कर्मचारी सेना के अध्यक्ष अमेय खोपकर और जिला उपाध्यक्ष मनोज घोडके ने किया। आगामी सिंहस्थ कुंभ मेले की पृष्ठभूमि में, राज्य सरकार तपोवन में 1834 पुराने पेड़ों को काटने जा रही है और नासिक नगर निगम की इस कार्रवाई का राज्य में विरोध हो रहा

है और शहर में विभिन्न संस्थाएँ, संगठन, राजनीतिक दल, पर्यावरणविद, पर्यावरण प्रेमी और वृक्ष प्रेमी शामिल हो गए हैं। यह आंदोलन एक महीने से चल रहा है नाशिक के लोग विभिन्न माध्यमों जैसे विरोध मार्च, जनआंदोलन, हस्ताक्षर अभियान, संगीत, कविता आदि के माध्यम से ध्यान आकर्षित कर रहे हैं कि तपोवन में एक भी पेड़ न काटा जाए। महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना चित्रकला सेना के अध्यक्ष अमेय खोपकर के नेतृत्व में प्रदर्शन किया।

आयमा और अंबड रोटरी क्लब द्वारा रक्तदान शिविर

नाशिक। अंबड इंडस्ट्रीज एंड मैन्युफैक्चरर्स एसोसिएशन (आयमा) और रोटरी क्लब, अंबड़ ने संयुक्त रूप से सोमवार 8 दिसंबर को सुबह 10 बजे से आयमा मनोरंजन केंद्र में रक्तदान शिविर का आयोजन किया, आयमा अध्यक्ष ललित बूब ने जानकारी दी। बूब ने सातपुर और अंबड क्षेत्र के उद्योगपतियों से भी भाग लेने की अपील की। इस शिविर को सफल बनाने के लि ए आयमा के महासचिव प्रमोद वाघ, स्वास्थ्य समिति के अध्यक्ष करणसिंह पाटिल, रो ट री क्लब अंबड़ के अध्यक्ष धनंजय अहिरे, महासचिव उमेश को ठावड़े और स्वास्थ्य समिति के सह-अध्यक्ष मनोज खिंवसरा प्रयास कर रहे हैं।

एग्रीकल्चर, इंडस्ट्री, हेल्थ समेत सभी सेक्टर में महाराष्ट्र आगे

BJP के स्टेट को-चीफ स्पोक्सपर्सन अजीत चव्हाण ने दी जानकारी

महानगर नेटवर्क
नाशिक

ग्रैंड अलायंस सरकार में चीफ मिनिस्टर देवेंद्र फडणवीस के एक साल के कार्यकाल में, स्टेट गवर्नमेंट कई अहम फैसले ले रही है और स्टेट डेवलपमेंट की ओर बढ़ रही है। भारतीय जनता पार्टी के स्टेट को-चीफ स्पोक्सपर्सन अजीत चव्हाण ने बताया कि महाराष्ट्र एग्रीकल्चर, इंडस्ट्री और इंफ्रास्ट्रक्चर, हेल्थ, सोशल जस्टिस और वुमन एम्पावरमेंट समेत सभी सेक्टर में आगे है। वे N.D. पटेल रोड पर इंडियन जनता पार्टी के वसंत स्मृति ऑफिस में ऑर्गनाइज़ एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में बोल रहे थे।

इस मौके पर सीनियर लीडर लक्ष्मण सावजी और प्रवीण अलाई मौजूद थे।

चव्हाण ने कहा कि पिछले पांच सालों में स्टेट गवर्नमेंट ने एग्रीकल्चर सेक्टर में 25,000 करोड़ रुपये इन्वेस्ट किए हैं। भारी बारिश और बाढ़ के लिए 32,000 करोड़ रुपये का पैकेज दिया गया है। सूखा सब-प्लान लागू किया गया है और फसल लोन की रिकवरी रोक दी गई है। मुख्यमंत्री सोलर एग्रीकल्चरल चैनल स्कीम शुरू की गई है। वैनगंगा नलगंगा रिवर लिंक प्रोजेक्ट को मंज़ूरी मिल गई है, और 88 हज़ार करोड़ से दस लाख एकड़ ज़मीन की सिंचाई होगी।

दमनगंगा एकदारे गोदावरी रिवर लिंक को मंजूरी मिल गई है। टेंभू उपसा सिंचाई स्कीम के लिए 7370 करोड़ रुपये मिले हैं। प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना में 28 प्रोजेक्ट शामिल हैं। जलयुक्त शिवरा में साल में 37166 काम पूरे हुए हैं। समृद्धि हाईवे पूरी तरह से खुल गया है, और अब महाराष्ट्र शक्तिपीठ हाईवे की प्लानिंग चल रही है। वधावन फोर्ट ऑफ़ शुगर एयरपोर्ट की प्लानिंग भी चल रही है। लड़की बहिन स्कीम ज़ोरों पर चल रही है और 10 ज़िलों में महिला सेल्फ़-हेल्प ग्रुप के लिए कैंडिडेट शुरू कर दिए गए हैं। चव्हाण ने कहा कि मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस नासिक के साथ-साथ नागपुर पर भी पूरा ध्यान दे रहे हैं। कुंभ मेले की सफलता के लिए मुख्यमंत्री कुंभ मेला मंत्री के तौर पर बहुत अच्छा काम कर रहे हैं। चव्हाण ने यह भी साफ किया कि हालांकि गैस कनेक्शन और अंडरग्राउंड सीवरेज स्कीम की वजह से सड़क के काम में कुछ देरी हो रही है।

लीडलेस पेसमेकर 'एवियर' का सफल प्रत्यारोपण

उत्तर महाराष्ट्र में अशोका मेडिकवर में हृदय उपचार के क्षेत्र में ऐतिहासिक उपलब्धि

महानगर नेटवर्क
नाशिक

नाशिक की वरिष्ठ इंटरवेंशनल कार्डियोलॉजिस्ट डॉ. सीमा अजय नक्षणे (गवली) ने उत्तर महाराष्ट्र में पहली बार दूसरी पीढ़ी के अत्याधुनिक लीडलेस पेसमेकर 'एवियर' का सफलतापूर्वक प्रत्यारोपण किया। यह सर्जरी अशोका मेडिकवर अस्पताल में की गई। इस सफल प्रक्रिया के साथ, नाशिक शहर ने हृदय उपचार के क्षेत्र में एक ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की है। मरीज़ एक बुजुर्ग व्यक्ति हैं, जिनकी पंद्रह दिन पहले दिल का दौरा पड़ने के बाद एंजियोप्लास्टी हुई थी। वे दोहरी एंटीप्लेटलेट थेरेपी (दो रक्त पतला करने वाली दवाएँ) पर थे। उनकी हृदय गति इतनी धीमी थी कि उन्हें स्थायी पेसमेकर की ज़रूरत थी। हालाँकि, ऐसी स्थिति में पारंपरिक पेसमेकर लगाने के लिए छाती में एक पॉकेट बनाकर उसमें एक तार डालना पड़ता है, जिससे गंभीर रक्तस्राव और संक्रमण का ख़तरा बढ़ जाता है। चूँकि मरीज़ के रक्त पतला करने वाली दवाएँ बंद करना असंभव है, इसलिए पारंपरिक तरीका काफ़ी जोखिम भरा होता। इस अवसर पर डॉ. कंचन भांबरे, डॉ. गिरीश बच्छव, अनूप त्रिपाठी और शिवकुमार रोहाड़े ने भी अपने विचार व्यक्त किए। इस उल्लेखनीय उपलब्धि के बारे में बोलते हुए, डॉ. सीमा अजय नक्षणे (गवली) ने कहा, "लीडलेस पेसमेकर हृदय रोग से पीड़ित लोगों के लिए एक क्रांतिकारी विकल्प है। पारंपरिक पेसमेकर की तुलना में, यह प्रक्रिया ज़्यादा सुरक्षित, कम दर्दनाक और तेज़ पुनर्वास प्रदान करती है। अब, अशोका मेडिकवर अस्पताल में नासिक और उत्तरी महाराष्ट्र के मरीज़ों के लिए विश्वस्तरीय अत्याधुनिक हृदय उपचार उपलब्ध है।"

सरकार ने सिंहस्थ विकास काम के लिए दिया फंड

सरकार द्वारा 717 करोड़ का फंड बांटा गया

महानगर नेटवर्क
नाशिक

सिंहस्थ के विकास के काम में तेज़ी लाने और फंड की कमी से कोई काम रुक न जाए, इसके लिए सरकार ने अब 717 करोड़ रुपये का फंड बांटा है। पहले ही 283 करोड़ रुपये बांटे जा चुके हैं। अब तक अथॉरिटी को सिंहस्थ के काम के लिए 1,000 करोड़ रुपये मिल चुके हैं। म्युनिसिपल चुनाव के लिए आचार संहिता लगने से पहले ही मुख्यमंत्री नासिक आए थे और 5,657 करोड़ रुपये के कामों का शिलान्यास किया था। सरकार ने इन कामों के लिए 1,000 करोड़ रुपये का इंतज़ाम किया था। इसमें से 283 करोड़ रुपये का फंड 15 अक्टूबर को बांटा गया था। अब 717 करोड़ रुपये बांटे जा चुके हैं।

यह पैसा सिर्फ़ पहले फेज़ के मंजूर प्लान में शामिल कामों पर ही खर्च किया जा सकेगा, एडमिनिस्ट्रेटिव लेवल पर ज़रूरत के हिसाब से इसे कहीं और डायवर्ट नहीं किया जा सकेगा, बांटे गए ऑर्डर में यह भी कहा गया है कि यह पैसा सिर्फ़ पहले फेज़ के मंजूर प्लान में शामिल कामों पर ही खर्च किया जा सकेगा।

"सिंहस्थ के लिए जो काम मंजूर हुए हैं। उन कामों के लिए कहीं भी फंड की दिक्कत नहीं होनी चाहिए। सड़कें, घाट, नगर पालिका के कुछ काम हैं, जिनके लिए यह फंड दिया गया है। फंड फेज में मिल रहे हैं और 1000 करोड़ के पहले फेज में से अब 717 करोड़ मिल चुके हैं। पहले 283 करोड़ दिए गए थे।
-शेखर सिंह, (मेला कमिश्नर)

यूनिवर्सिटी ऑफ़ हेल्थ के कर्मचारियों ने किया 1.5 करोड़ रुपये का गबन

नाशिक। यूनिवर्सिटी के नाम पर नकली और जाली इनवॉइस बनाकर और स्टूडेंट्स से मिले करीब 1.5 करोड़ रुपये की रकम को अपने फायदे के लिए अपने बैंक अकाउंट में जमा करके यूनिवर्सिटी को धोखा देने वाले तीन स्टूडेंट्स के खिलाफ केस दर्ज किया गया है। इस बारे में महाराष्ट्र यूनिवर्सिटी ऑफ़ हेल्थ साइंसेज के डॉ. संदीप सीताराम कडू ने शिकायत दर्ज कराई है। इसमें कहा गया है कि आरोपी महाराष्ट्र यूनिवर्सिटी ऑफ़ हेल्थ साइंसेज के बर्खास्त सेल ऑफिसर विजय मधुकर जोंधले, सीनियर क्लर्क सुरेंद्र मारुति रोकड़े और कांस्टेबल अर्चना प्रकाश निकम अपनी नौकरी के दौरान महाराष्ट्र यूनिवर्सिटी ऑफ़ हेल्थ साइंसेज के एग्जामिनेशन डिपार्टमेंट में काम कर रहे थे। इस दौरान, उन्हें स्टूडेंट्स से मिली फीस की रकम यूनिवर्सिटी के बैंक अकाउंट में जमा करनी थी, जो स्टूडेंट्स को विदेशी यूनिवर्सिटी में पढ़ने के लिए ज़रूरी ट्रांसक्रिप्ट, डॉक्यूमेंट वेरिफिकेशन, यूनिवर्सिटी सर्टिफिकेट में नाम करेक्शन, डॉक्यूमेंट अटेस्टेशन वगैरह के काम के लिए होती थी। लेकिन, तीनों आरोपियों ने अपने पर्सनल बैंक अकाउंट में जमा करके करीब 1 करोड़ 53 लाख 10 हजार 205 रुपये का गबन और गलत इस्तेमाल किया है।

मतदाता सूची पर '1 लाख रुपये का चैलेंज'

10 हजार फर्जी वोटर होने का आरोप

सातपुर। नाशिक मनपा चुनाव के लिए प्रकाशित नई प्रारूप मतदाता सूची को लेकर प्रभाग 9 में एक बड़ा राजनीतिक तूफ़ान खड़ा हो गया है। शिवसेना (शिंदे गुट) के उप महानगर प्रमुख कल्पेश कांडेकर ने सूची में फर्जी (बोगस) मतदाताओं के पंजीकरण का आरोप लगाते हुए सीधे एक लाख रुपये की खुली चुनौती दी है। पत्रकार परिषद को संबोधित करते हुए कल्पेश कांडेकर ने कहा कि यदि कोई व्यक्ति प्रभाग 9 की प्रारूप सूची में दर्ज सभी नामों का वास्तविक मतदाता सूची से मिलान करके दिखाएगा, तो उसे एक लाख रुपये नक़द दिए जाएंगे। कांडेकर ने बताया कि उन्होंने 333 पन्नों के दस्तावेजों के साथ इस गड़बड़ी के संबंध में सीधे चुनाव विभाग के माध्यम से चुनाव आयोग में शिकायत दर्ज कराई है। कांडेकर ने दावा किया कि प्रभाग 9 की प्रारूप सूची में गंभीर विसंगतियाँ (गड़बड़ियाँ) सामने आई हैं- प्रारूप सम्मिलित सूची में लगभग 8 से 10 हज़ार मतदाताओं का अंतर पाया गया है।

उम्मीदवार और समर्थक वोटों के आंकलन में बिजी

येवला। वार्ड के हिसाब से मिले वोटों का हिसाब लगाते समय, हर गली, दुकान,नुक्कड़ पर उम्मीदवार और समर्थक वोटों के आंकलन में बिज़ी हैं। येवला म्युनिसिपल काउंसिल के चुनाव मैदान में मेयर पद के 2 और सदस्य पद के 89 उम्मीदवारों समेत कुल 91 उम्मीदवारों की किस्मत वोटिंग मशीन में बंद है। इस बीच, चुनाव नतीजों में हो रही देरी से राजनीतिक पार्टियों के पदाधिकारी और कार्यकर्ता नाराज़गी ज़ाहिर कर रहे हैं। उम्मीदवार और समर्थक वोटिंग से मिलने वाले वोटों की गिनती करने में बिज़ी हैं। येवला म्युनिसिपल काउंसिल में वोटिंग मशीन को एक सिक्योरिटी रूम में सील कर दिया गया है। इस रूम में स्टेट रिज़र्व फ़ोर्स और पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों का हथियारबंद गार्ड तैनात किया गया है। येवला म्युनिसिपल काउंसिल चुनाव के लिए 73.91 परसेंट वोटिंग हुई। 42 हज़ार 903 वोटरों में से 31 हज़ार 710 वोटरों ने अपने वोट का इस्तेमाल किया। 21,259 पुरुष वोटरों में से 16,198, 21,642 महिला वोटरों में से 15,510 और 2 अन्य वोटरों में से 2 वोटरों ने अपने वोट का इस्तेमाल किया।

गैर-कानूनी कंस्ट्रक्शन की झूठी शिकायत कर 3 लाख रुपये की उगाही

अंबड पुलिस स्टेशन में जबरन वसूली का केस दर्ज

महानगर नेटवर्क
सिडको

अंबड पुलिस स्टेशन में एक्सटॉर्शन करने वाले संतोष शर्मा के खिलाफ केस दर्ज किया गया है। उसने एक इंडस्ट्रियलिस्ट को गैर-कानूनी कंस्ट्रक्शन की झूठी शिकायत वापस लेने की धमकी दी और 3 लाख रुपये की उगाही की। पुलिस ने बताया कि शर्मा के खिलाफ यह एक्सटॉर्शन का पांचवां केस है। शिकायतकर्ता निखिल राउत (51, कांदिवली के रहने वाले) की अंबड इंडस्ट्रियल एस्टेट में एक कंपनी है। इस कंपनी पर गैर-कानूनी कंस्ट्रक्शन का आरोप लगाते हुए, संदिग्ध संतोष शर्मा ने MIDC ऑफिस में उसके खिलाफ झूठी शिकायत दर्ज कराई। उसने राउत को शिकायत वापस लेने के लिए धमकाया और 1.5 लाख रुपये की उगाही की। 31 अक्टूबर की शाम को शर्मा ने उसे मौली लॉन्स में बुलाया और उस पर फिर से दबाव डाला। उसने धमकी दी कि उसे और 1.5 लाख रुपये दो, नहीं तो तुम्हारी ज़िंदगी में कोई सच्चाई नहीं है, और उसने और 1.5 लाख रुपये ले लिए। शिकायतकर्ता ने पुलिस शिकायत में बताया है कि शर्मा ने जबरदस्ती कुल तीन लाख रुपये की उगाही की। इस मामले में शिकायतकर्ता राउत की शिकायत पर शर्मा के खिलाफ अंबड पुलिस स्टेशन में जबरन वसूली का केस दर्ज किया गया है। पुलिस इंस्पेक्टर संतोष नरुते के नेतृत्व में असिस्टेंट पुलिस इंस्पेक्टर दिलीप भांडे जांच कर रहे हैं।

राज्यस्तरीय एबेकस कॉम्पिटिशन में देवेन खैरनार ने शानदार सफलता हासिल की

महानगर नेटवर्क
नाशिक

मराठा विद्या प्रसारक समाज द्वारा चलाए जा रहे गंगापुर रोड पर अभिनव बाल विकास मंदिर स्कूल के क्लास 1 के स्टूडेंट देवेन कुंदन खैरनार ने राज्यस्तरीय एबेकस कॉम्पिटिशन में शानदार सफलता हासिल की। देवेन ने एबेकस कॉम्पिटिशन में सिर्फ दस मिनट में 100 सवाल हल करके तीसरा स्थान हासिल किया। उसने 100 में से 98 सवालों के सही जवाब दिए। उसे 2025-26 के नेशनल लेवल एबेकस कॉम्पिटिशन के लिए चुना

गया है। कम समय में ज्यादा सवाल हल करने की उसकी काबिलियत खास बन गई है। इस बारे में MVIPR के जनरल सेक्रेटरी एडवोकेट नितिन ठाकरे, डायरेक्टर एडवोकेट लक्ष्मण लांडगे, सेवक डायरेक्टर सी. डी. शिंदे, प्रिंसिपल मीनाक्षी गैधानी, आई जीनियस के योगेश पवार ने देवेन को सम्मानित किया। देवेन को एबेकस टीचर स्वाति गाडे से गाइडेंस मिली।

आज राज्य का पहला एकल महिला पुनर्विवाह सम्मेलन

महानगर नेटवर्क
नाशिक

नाशिक जिला परिषद की ओर से राज्य में पहली बार एकल (विधवा/घटस्फोटित) महिलाओं के पुनर्विवाह के लिए सभी जातियों के लिए निशुल्क वधू-वर परिचय सम्मेलन का आयोजन किया गया है। जिला परिषद द्वारा संचालित नवचेतना उच्चशिक्षित अभियान के माध्यम से एकल महिलाओं उम्मीदवारों के सामाजिक, को मानसिक और प्राथमिकता आर्थिक पुनर्वसन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से यह पहल की गई है। रविवार, 14 दिसंबर को दोपहर 12 से शाम 5 बजे तक जिला परिषद के बहुउद्देशीय सभागृह में यह सम्मेलन आयोजित किया जाएगा। पुनर्विवाह के लिए इच्छुक एकल महिलाएं और पुरुष बड़ी संख्या में हिस्सा लें, ऐसा आह्वान इस अवसर पर जिला परिषद सीईओ ओमकार पवार ने किया। इस कार्यक्रम में नाशिक संभागीय आयुक्त डॉ। प्रवीण गेडाम और जिलाधिकारी आयुष प्रसाद प्रमुख रूप से उपस्थित रहेंगे। साथ ही साऊ एकल महिला समिति के राज्य संयोजक हेरंब कुलकर्णी मार्गदर्शन करेंगे। इस सम्मेलन में भाग लेने के लिए पुरुष उम्मीदवारों को पूर्व पंजीकरण अनिवार्य है।

श्री स्वामी समर्थ सेवा मार्ग की पहल

जनजातीय सभा में पांच हजार जरूरतमंद लोगों की मदद की गई

महानगर नेटवर्क
नाशिक

श्री स्वामी समर्थ सेवा मार्ग और मोरेदादा चैरिटेबल हॉस्पिटल एवं मेडिकल ट्रस्ट के माध्यम से, हरसूल में "एक हाट मद्याचिचा" पहल के अंतर्गत आदिवासी भाइयों के लिए एक विशाल आदिवासी सम्मेलन का आयोजन समर्थ गुरुपीठ के महाप्रबंधक चंद्रकांतदादा मोरे की उपस्थिति में किया गया और पाँच हज़ार महिलाओं, पुरुषों और छात्रों को विभिन्न रूपों में सहायता प्रदान की गई। इस सम्मेलन में विशेष रूप से

नासिक संभाग के सहायक धर्मादाय आयुक्त विवेक सोनुने, मराठवाड़ा संभाग खाद्य एवं औषधि विभाग की श्रीमती विजया सोनुने उपस्थित थीं। प्रशासकीय आयुक्त दयानंद पाटिल, धर्मादाय निरीक्षक रमेश सोनवणे, नंदकुमार राऊत, सभी अधिकारी उपस्थित थे।

महानगर मीडिया नेटवर्क प्रा. लिमिटेड के लिए प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक अंतेश आर सिंह द्वारा, महानगर मीडिया नेटवर्क प्रा. लिमिटेड, यूनिट नं.11-12, देह बानू कॉम्पलेक्स, बाफना ज्वेलर्स के पास, नाशिक-पुणे रोड, दत्त मंदिर, नाशिक रोड-422101 से प्रकाशित एवं **डांगट मीडिया प्रा.लि.**, 22, दीघा एम आई डी सी, टी टी सी इंडस्ट्रियल एरिया, विष्णु नगर, दीघा, नवी मुंबई - 400708 में मुद्रित. ● फोन नंबरः 0253-2469848 ईमेल : hmahanagar@gmail.com
● कार्यकारी संपादक : राघवेंद्र नाथ द्विवेदी* (पी.आर.बी. अधिनियम के अंतर्गत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार)

व्यवस्था में बोझ बनने वालों से धरती माता को मिली मुक्ति : सीएम योगी

महानगर नेटवर्क

लखनऊ

सीएम योगी ने कहा किसी भी उद्यमी की पहली प्राथमिकता सुरक्षा पहली सीढ़ी है। एचटी लीडरशिप समिट में सीएम योगी ने कहा, निवेश को लेकर यूपी में कई काम हुए। पहला इन्वेस्टर्स समिट के लिए हमारे औद्योगिक विकास के मंत्री सामने आए तो बताया कि यूपी में एक इन्वेस्टर्स समिट करना चाहते हैं। मैंने कहा रोड शो की तैयारी करो। पहले में दो हजार करोड़, तीसरे में पांच हजार करोड़। तीसरे में मैं गया तो सभी उद्यमियों से बात की। उस समय सभी डरे हुए थे, उन्होंने कहा था कि मैं कभी यूपी वापस नहीं आऊंगा। लेकिन यूपी में सुरक्षा माहौल बनने के बाद हमने उनको यूपी बुलाया। हमने जब पहला समिट किया था तो पांच हजार करोड़ का प्रस्ताव मिला था। 2023 में हुए समिट में 45 लाख करोड़ के प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं। इनमें 15 लाख करोड़ पर काम शुरू हो गया है। ये यूपी में एक नया मील का पत्थर है, जो हमारी सरकार ने प्राप्त किया है।

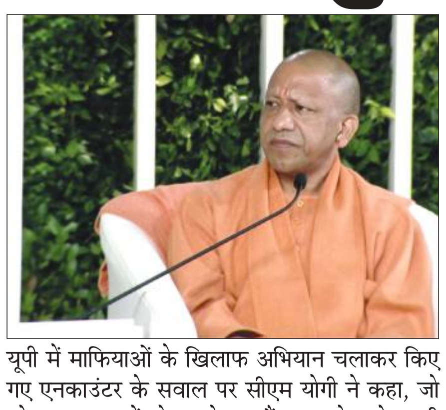

यूपी में माफियाओं के खिलाफ अभियान चलाकर किए गए एनकाउंटर के सवाल पर सीएम योगी ने कहा, जो लोग व्यवस्था में बोझ बने हुए हैं, उस बोझ से धरती माता को मुक्ति मिली है। यह मुक्ति धरती को ही नहीं, उनके स्वयं के बोझ से भी मुक्ति मिली है। इसलिए उस बोझ से उन्हें मुक्त किया जाता है। हमने कहा था यूपी में जीरो टॉलरेंस पर काम होगा। ये करके भी दिखाया। महिला सुरक्षा पर बोलते हुए सीएम योगी ने कहा, हमने अपराधियों को चेताया था कि अगर बेटी की सुरक्षा के साथ खिलवाड़ किया तो अगले चौराहे पर यमराज इंतजार कर रहा होगा टिकट काटने के लिए। देश के अंदर हर व्यक्ति न्याय चाहता है और समय से न्याय चाहता है। जिस भी रास्ते मिले, उसको मिलना चाहिए। उन अपराधियों को माफियाओं को हर हाल में सजा दिलाई जानी चाहिए।

इस दौरान कार्यक्रम में सीएम योगी आदित्यनाथ ने कहा कि हम सुप्रीम कोर्ट के आभारी हैं, जिन्होंने सर्वसम्मति से तथ्य और प्रमाणों के आधार पर फैसला सुनाया और भारत के लोकतंत्र की वजह है कि इसे सभी ने स्वीकार किया। 6 दिसंबर का दिन बहुत महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि श्रीरामजन्मभूमि में भगवान राम मंदिर के शिलान्यास के बाद वहां करोड़ों लोग आए हैं। त्योहारों के दौरान राम लला के दर्शन करने वालों की संख्या 35 से 40 लाख तक पहुंचती है। आम दिनों में अयोध्या रोज एक से डेढ़ लाख लोग आते हैं। इसके साथ ही सीएम ने कहा कि माफिया कोई भी हो उसको हर हाल में रोका जाना चाहिए।

आज यूपी में सबसे ज्यादा एक्सप्रेस-वे

सीएम योगी ने कहा, आज यूपी में सबसे ज्यादा एक्सप्रेस-वे हैं। 2017 से पहले प्रदेश में केवल डेढ़ एक्सप्रेस थे। इसका मतलब भी सीएम योगी ने समझाया। उन्होंने कहा, लखनऊ से आगरा एक्सप्रेस आधी थी। एक्सप्रेस को कंपलीट करने के लिए हमने पैसा दिया। आज देश के अंदर एक्प्रेस वे में उत्तर प्रदेश की हिस्सेदारी 55 फीसदी है। 2017 में मुख्यमंत्री बनने पर यूपी में केवल लखनऊ और वाराणसी थे। गोरखपुर और आगरा आंशिक थे। आज यूपी में 16 एयरपोर्ट हैं। चार इंटरनेशनल एयरपोर्ट हैं। कुछ दिन बाद नोएडा एयरपोर्ट भी शुरू हो जाएगा। देश का सबसे बड़ा रेल नेटवर्क यूपी के पास है। देश की पहली रैपिड रेल दिल्ली-मेरठ के बीच चलने जा रही है। देश का पहला वाटर-वे यूपी के अंदर। यूपी के अंदर हर जिले को और यूपी के हर इंटरस्टेट कनेक्टिविटी से जोड़ा गया है।

'बहुजन समाज को शासक वर्ग बनने से रोकने की कोशिश'

महानगर नेटवर्क

लखनऊ

डा. भीमराव आंबेडकर की पुण्यतिथि पर बसपा की राष्ट्रीय अध्यक्ष मायावती ने देश में बहुजन समाज की हालत को लेकर सवाल उठाया। सपा सुप्रीमो ने कहा कि बहुजन के आत्मसम्मान और स्वाभिमान वाले अच्छे दिन आखिर कब आएंगे? जातिवादी पार्टियों की सरकारों में बहुजन का हित कभी प्राथमिकता में नहीं रहा।

विरोधी दलों द्वारा इस समाज को सत्ता में आने से रोकने की साजिश की जाती है। उन्होंने रुपये के अवमूल्यन को लेकर कहा कि यह आर्थिक से ज्यादा राजनीतिक महत्व का मुद्दा बन गया है। सरकार को इस पर गंभीर होकर ठोस कदम उठाने चाहिए। शनिवार को नई दिल्ली स्थित अपने आवास पर डा. आंबेडकर को श्रद्धांजलि देने के बाद मायावती ने कहा कि देश की एकमात्र आंबेडकरवादी पार्टी होने के नाते बसपा चिंतित है कि करोड़ों दलितों, आदिवासियों और पिछड़े वर्गों को आज भी वह बेहतर जीवन क्यों नहीं मिला, जिसके लिए बाबा साहेब ने पूरी जिंदगी संघर्ष किया और संविधान में अधिकार दिलाए। विरोधी दल साम, दाम, दंड, भेद का इस्तेमाल करके बहुजन समाज को शासक वर्ग बनने से रोकने की कोशिश कर रहे हैं। इससे निपटने के लिए बहुजन को अपनी वोट की ताकत को पहचानना होगा और चुनाव आयोग द्वारा कराए जा रहे मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआइआर) में पूरी भागीदारी सुनिश्चित करनी होगी। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश सहित विभिन्न राज्यों में बसपा कार्यकर्ताओं ने बाबा साहेब को आंबेडकर को श्रद्धांजलि दी है। लखनऊ स्थित सामाजिक परिवर्तन स्थल और नोएडा के राष्ट्रीय दलित प्रेरणा स्थल पर बड़ी संख्या में अनुयायी एकत्र हुए। पिछले कार्यक्रमों में भारी भीड़ और सुरक्षा प्रबंध के कारण अनुयायियों को होने वाली असुविधा को देखते हुए वे अब जयंती और पुण्यतिथि के कार्यक्रम अपने आवास या पार्टी कार्यालय में ही करती हैं।

बाबर के नाम पर ईंट रखी गई तो बीजेपी उसे उखाड़ फेंकेगी : केशव प्रसाद

महानगर नेटवर्क

लखनऊ

बाबरी मस्जिद विध्वंस की तारीख 6 दिसंबर पर पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद में नई बाबरी मस्जिद की नींव रखे जाने से राजनीतिक विवाद खड़ा हो गया है। टीएमसी के निलंबित विधायक हुमायूं कबीर ने अपने एलान के मुताबिक बाबरी मस्जिद की नींव रखी। इधर उत्तर प्रदेश सरकार में उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि अगर बाबर के नाम पर एक भी ईंट रखी गई तो बीजेपी उसे उखाड़ फेंकेगी। वहीं शनिवार को बाबरी मस्जिद विध्वंस

की बरसी पर अयोध्या, मथुरा समेत पूरे उत्तर प्रदेश में पुलिस अलर्ट रहा। उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने निलंबित टीएमसी विधायक हुमायूं कबीर पर निशाना साधते हुए कहा कि यह सब TMC की नौटंकी है। वहां बीजेपी की सरकार आने वाली है। अगर बाबर के नाम पर एक भी ईंट रखी गई तो बीजेपी उसे उखाड़ फेंकेगी। वहीं सहारनपुर से कांग्रेस सांसद इमरान मसूद ने कहा कि ये मानसिक रूप से विकृत लोग हैं। बीजेपी और उसके लोग मुसलमानों के खिलाफ जो नफरत फैलाने का काम करते हैं, आप भी वही कर रहे हैं। वहीं इमरान मसूद ने कहा कि अगर आपको मस्जिद बनानी है, तो बनाइए तमाशा क्यों कर रहे हैं। अपनी राजनीति को चमकाने के लिए आप मस्जिद का इस्तेमाल करेंगे। कांग्रेस सांसद ने कहा कि मस्जिद सिर्फ इबादत के लिए है। बता दें, टीएमसी के निलंबित विधायक हुमायूं कबीर ने शनिवार को मुर्शिदाबाद के बेलडांगा में बाबरी मस्जिद की नींव रखी है।

बाबर मेरा कोई मसीहा नहीं था : इकबाल अंसारी

अयोध्या। बाबरी ढांचा ध्वंस की बरसी पर शनिवार को पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद में टीएमसी के निलंबित विधायक हुमायूं कबीर द्वारा बाबरी मस्जिद जैसे ढांचे का पत्थर रखे जाने पर अयोध्या में बाबरी मस्जिद के पक्षकार रहे इकबाल अंसारी का बयान सामने आया है। इकबाल अंसारी ने कहा कि बाबर मेरा कोई मसीहा नहीं था। उन्होंने कहा कि जब चुनाव आता है तो कुछ लोग ऐसे मसले उठाकर लोगों को भड़काने की कोशिश करते हैं। यह पूरी तरह

गलत है। बाबरी मस्जिद-राम जन्मभूमि मामले में पक्षकार रहे इकबाल ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट ने फैसला दिया तो पूरे देश के मुसलमानों ने इसका सम्मान किया। पूरे देश में एक पत्ता नहीं हिला। हिंदू-मुसलमानों के संबंध बरकरार रहे, आज भी बरकरार हैं। आज अयोध्या में मंदिर बनकर तैयार है। प्राण प्रतिष्ठा, ध्वजारोहण हो चुका है। अयोध्या की धरती पर हिंदू-मुस्लिम का भाईचारा बरकरार है। कहीं कोई ऐसी बात नहीं है।

केंद्र से यूपी लौटीं IAS कामिनी चौहान रतन

लखनऊ। उत्तर प्रदेश सरकार ने बड़ा प्रशासनिक फेरबदल करते हुए भारतीय प्रशासनिक सेवा (IAS) की वरिष्ठ अधिकारी कामिनी चौहान रतन को प्रमुख सचिव, राज्य कर (GST) विभाग का दायित्व सौंप दिया है। लंबे समय तक केंद्र सरकार में प्रतिनियुक्ति पर रहने के बाद ये यूपी कैडर लौटने वाली रतन इससे पहले भी अलग-अलग विभाग में अपनी साफ-सुथरी छवि और निर्णय क्षमता के लिए जानी जाती रही हैं। इस नियुक्ति के साथ ही पूर्व प्रमुख सचिव (राज्य कर) आईएएस एम. देवराज को अब केवल नियुक्ति एवं कार्मिक विभाग सौंप दिया गया है।

हाईकोर्ट का पुलिस कमिश्नर को निर्देश

भगोड़े मौलाना खुर्शीद को ढूंढकर लाएं

महानगर नेटवर्क

प्रयागराज

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने आजीवन कारावास के खिलाफ दाखिल अपील पर मिली जमानत के बाद से फरार मौलाना खुर्शीद जमील कादरी को कोर्ट के समक्ष पेश करने के कड़े निर्देश पुलिस आयुक्त को दिए हैं। कोर्ट ने कहा कि वह पुलिस के प्रयासों से संतुष्ट नहीं है। भगोड़ा देश के किसी भी हिस्से में या चाहे कितना भी दूर क्यों न छिपा हो उसे न्याय के कटघरे में लाया जाना चाहिए। यह आदेश न्यायमूर्ति जेजे मुनीर व संजय कुमार की खंडपीठ ने दिया है।

प्रयागराज के धूमनगंज थाने में याची मौलाना के खिलाफ हत्या व डकैती के आरोप में मुकदमा दर्ज किया गया था। ट्रायल कोर्ट ने 1984 में उसे आजीवन कारावास की सजा सुनाई थी। मौलाना ने सजा के खिलाफ हाईकोर्ट में 1984 में अपील दायर की थी। अपील में मिली जमानत के बाद से वह फरार है। पुलिस उसका कोई पता नहीं लगा पा रही है।

हाईकोर्ट ने याची के खिलाफ गैर-जमानती वारंट जारी किया था। कार्यालय रिपोर्ट में बताया गया कि याची प्रयागराज छोड़कर जा चुका है और उसका स्थायी पता मुजफ्फरपुर का है। कोर्ट ने जमानतदारों की भी तलाश करने को कहा था। साथ ही प्रयागराज के पुलिस आयुक्त को याची का पता लगाने के लिए अन्य राज्यों के अपने समकक्षों से संपर्क साधने का निर्देश दिया था। प्रयागराज पुलिस ने रिपोर्ट में बताया कि याची के दोनों जमानती की मृत्यु हो चुकी है। यह भी बताया कि भगोड़ा मौलाना हंडिया में एक मकान के कमरे में रहकर गांव के मुस्लिम बच्चों को अरबी पढ़ाता था जिसका वहां कोई स्थायी पता नहीं था। गांव के लोग उसे बिहार का निवासी बताते हैं।

इन रिपोर्टों के बावजूद कोर्ट ने असंतोष व्यक्त करते हुए कहा कि जारी गैर जमानती वारंट का तामील सिर्फ दो कारणों से नहीं होगा। पहला यदि उसकी मृत्यु हो चुकी हो और दूसरा यदि वह देश छोड़कर भाग गया है। अन्यथा उसे हाजिर किया जाए। पुलिस आयुक्त प्रयागराज को आदेशों का पालन करने और मामले में आगे की रिपोर्ट 11 दिसंबर 2025 को प्रस्तुत करने का निर्देश दिया गया।

कानपुर रहा प्रदेश में सबसे ठंडा

लखनऊ। प्रदेश में मौसम में उतार-चढ़ाव का दौर जारी है। कुछ दिनों से न्यूनतम तापमान में आ रही गिरावट का दौर शनिवार को भी जारी रहा। प्रदेश में सबसे ठंडा रहा कानपुर जहां पर न्यूनतम तापमान 5 डिग्री दर्ज किया गया। दूसरे नंबर पर 5.6 डिग्री तापमान के साथ इटावा दूसरे नंबर पर तो 5.8 डिग्री तापमान के साथ मुजफ्फरनगर तीसरे स्थान पर रहा। मौसम विभाग के अनुसार, रविवार से न्यूनतम तापमान में बढ़ोतरी के आसार हैं जो तीन से चार दिन में करीब तीन डिग्री तक बढ़ सकता है।

'SIR का विरोध कर हार का बहाना खोज रही सपा'

भारतीय लोकतंत्र को कमजोर करने का प्रयास

महानगर नेटवर्क

बाराबंकी

विशेष गहन मतदाता पुनरीक्षण अभियान (एसआईआर) की समीक्षा करने भाजपा जिला कार्यालय पहुंचे उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने तेवर काफी तल्ख रहे। सपा पर सियासी हमला बोलते हुए उन्होंने प्राइवेट लिमिटेड कंपनी बताया। उन्होंने कहा कि वर्ष 2027 में होने वाले विधानसभा चुनाव में हार तय देखकर सपा एसआईआर का विरोध कर बहाना खोज रही हैं।

समीक्षा बैठक से पहले पत्रकारों से वार्ता करते हुए डिप्टी सीएम ने कहा कि भारतीय लोकतंत्र को कमजोर करने का सबसे बड़ा प्रयास फर्जी वोटरों के जरिए किया गया। भारत निर्वाचन आयोग ने मतदाता सूची का सघन पुनरीक्षण अभियान शुरू किया है, अब

असली जनादेश सामने आएगा। एसआईआर के बाद हुए बिहार विधानसभा चुनाव का उदाहरण देते हुए पाठक ने कहा कि बिहार में 65 लाख फर्जी नाम मिले थे। लालू व उनकी आरजेडी पार्टी को जनता ने नकार दिया। उन्होंने कहा कि प्रदेश में 10 व 15 वर्ष के किशोरों को मतदाता बना दिया गया। सपा सरकार में प्लाट कब्जा करने के साथ ही बहन व बेटियों की इज्जत से खिलवाड़ किया गया। वह यहीं नहीं रुके। बोले, सपा ने अपनी सरकार में 'वन जिला वन माफिया' लागू कर दिया था।

कानून-व्यवस्था बिगड़ चुकी थी और पूरा तंत्र माफियाओं की जेब में था। केंद्र व प्रदेश सरकार की योजनाओं का बखान करते हुए डिप्टी सीएम ने कहा कि नया भारत विकसित भारत है। दावा किया कि आज भारत दुनिया में डिजिटल लेन-देन में नंबर वन है। यह वही देश है जिसे कभी गरीब माना जाता था, आज तकनीक में अग्रणी है।छह दिसंबर शौर्य दिवस पर उन्होंने कहा कि बाबर चले गए, उसकी आत्मा चक्कर काट रही है।

बाबरी मस्जिद विध्वंस से जुड़ा पोस्टर वायरल होने पर हड़कंप

अलीगढ़। उत्तर प्रदेश के अलीगढ़ जिले में अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी की आर्ट फैकल्टी से कथित तौर पर बाबरी मस्जिद के विवादित ढांचे से जुड़ा पोस्टर वायरल हो गया। सूचना मिलने पर पुलिस और एएमयू के प्रॉक्टर वसीम अहमद सहित अन्य अधिकारी मौके पर पहुंच गए। उन्होंने कैंपस की जांच की, लेकिन अंदर कोई भी बाबरी मस्जिद विध्वंस से जुड़ा पोस्टर नहीं मिला। वह घटना की छानबीन कर रहे हैं। AMU में एहतियातन पुलिस तैनात कर दी गई है। जानकारी के मुताबिक AMU प्रशासन को सोशल मीडिया के माध्यम से पता चला कि शनिवार 6 दिसंबर करीब 11:45 बजे एक विवादित ढांचे का पोस्टर वायरल किया गया है। पोस्टर को एएमयू कैंपस में लगाया है, जिसके बाद प्रॉक्टर टीम और अधिकारी जांच करने

पहुंच गए। उन्होंने पूरे कैंपस में जायजा लिया और पोस्टर को लेकर छात्रों से पूछताछ की। हालांकि AMU प्रशासन को 6 दिसंबर बाबरी मस्जिद विध्वंस से जुड़ा कोई पोस्टर कैंपस में लगा नहीं मिला। हालांकि सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे पोस्टर को लेकर छानबीन शुरू कर दी गई। यूनिवर्सिटी के प्रॉक्टर वसीम अहमद ने वायरल पोस्टर को लेकर बताया कि एक पोस्टर वायरल हुआ था। इसके बाद एएमयू प्रशासन अलर्ट हो गया।

टोरंट पॉवर ने बिल राहत योजना लागू करने से किया मना

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में लागू की गई बिजली राहत योजना को आगरा में टोरंट पॉवर लागू नहीं कर रही है। उसने पत्र भेजकर असमर्थता जताई है। प्रतिपूर्ति का विकल्प पूछा है। ऐसे में विद्युत कर्मचारी संयुक्त संघर्ष ने शुक्रवार को निजीकरण प्रस्ताव के साथ ही टोरंट का करार भी रद्द करने की मांग की है। कंपनी के उपाध्यक्ष संजय कुमार ने दक्षिणांचल विद्युत वितरण निगम से भेजे गए पत्र में कहा कि टोरंट पॉवर कंपनी उपभोक्ताओं से बकाया राशि की वसूली के लिए व्यापक प्रयास करना जारी रखे हुए है। बिना किसी स्पष्ट प्रतिपूर्ति तंत्र के ऐसी छूट हमारे लिए वित्तीय रूप से संभव नहीं है।

कंपनी ने कहा- प्रतिपूर्ति अनुमन्य है तो बताएं टोरंट ने पत्र में यह भी कहा है कि स्पष्ट करें कि क्या टोरंट पॉवर को माफ की गई राशि के लिए प्रतिपूर्ति मिलेगी। यदि प्रतिपूर्ति अनुमन्य

है, तो उसको दावा करने की विस्तृत प्रक्रिया की जानकारी दी जाए। चूंकि यह योजना एक दिसंबर से प्रभावी हो रही है, इसलिए शीघ्र उत्तर दें। इसकी जानकारी मिलते ही शुक्रवार को संघर्ष समिति ने निजीकरण के साथ ही टोरंट का भी विरोध शुरू कर दिया। मुख्यमंत्री को पत्र भेजकर टोरंट पॉवर से हुए करार को रद्द करने की मांग की है। संघर्ष समिति ने कहा कि बिजली बिल राहत योजना 2025 को लागू करने में टोरंट पॉवर कंपनी का यह रवैया उपभोक्ताओं के लिए बहुत ही घातक है।

थाने में बनाई रील: 'पूर्वांचल हमारे कंट्रोल में है...'

महानगर नेटवर्क

गोरखपुर

सिकरीगंज थाना परिसर में रात के समय बनाई गई एक रील तेजी से वायरल हो रही है। इसको 4 दिसंबर 2025 को जैकी शर्मा उर्फ जैकी ठाकुर नाम के युवक ने अपने सोशल मीडिया पेज पर पोस्ट किया था। पूर्वांचल हमारे कंट्रोल में है... डायलॉग वाली यह रील काफी चर्चा में है।

इस रील को अब तक करीब 13 हजार लोग देख चुके हैं। रील के वायरल होने के बाद पुलिस विभाग में हड़कंप मच गया है। पुलिस रील बनाने वाले जैकी शर्मा की तलाश में जुटी है। वायरल रील में थाना परिसर साफ दिखाई दे रहा है, जबकि बैकग्राउंड में फिल्मी अंदाज में एक डायलॉग चल रहा है कि यादव जी,

पूर्वांचल हमारे कंट्रोल में है, और रहेगा। किसी माई के लाल में हिम्मत नहीं है जो आंखें दिखा दे। यह डायलॉग वेब सीरिज 'मिर्जापुर' का है। लोकेशन के कारण रील तेजी से चर्चा में आ गई है। हालांकि इसे अभी तक केवल एक यूजर ने साझा किया और दो लोगों ने प्रतिक्रिया दी है, लेकिन पुलिस अधिकारियों तक बात पहुंचते ही महकमे में हड़कंप मच गया। रील की सूचना मिलते ही सिकरीगंज पुलिस ने वीडियो बनाने वाले की तलाश शुरू कर दी है। क्षेत्राधिकारी खजनी शिल्पा कुमारी ने बताया कि संबंधित युवक की पहचान कर उसके खिलाफ कार्रवाई के निर्देश दिए गए हैं। थाना परिसर में बिना अनुमति रील बनाना गंभीर लापरवाही और सुरक्षा व्यवस्था का उल्लंघन माना जाता है। कुछ दिनों पहले कैंपियरगंज क्षेत्र में चौकी के सामने एक महिला की ओर से बनाई गई रील भी खूब वायरल हुई थी। लगातार ऐसे मामलों के सामने आने से पुलिस महकमा सख्त रुख अपनाने की तैयारी में है।

कोविड लॉकडाउन के दौरान विधायकों-सांसदों पर लगे केस लिए जाएंगे वापस

लखनऊ। कोविड लॉकडाउन के आदेशों के उल्लंघन के दौरान विधायकों और सांसदों (एमएलए-एमपी) पर लगे केस वापस लिए जाएंगे। ऐसा उन्हीं मामलों में होगा, जिनमें दो वर्ष या उससे कम सजा का प्रावधान है। इस संबंध में आवश्यक प्रक्रिया पूरी करने के लिए उच्चस्तर पर सहमति बन चुकी है।

उत्तर प्रदेश कोविड-19 महामारी के दौरान 2020 और 2021 में लॉकडाउन घोषित किया गया। लॉकडाउन से संबंधित निर्देशों का उल्लंघन करने पर प्रदेश में साढ़े तीन लाख से ज्यादा केस दर्ज किए गए थे। जिन लोगों पर यह केस दर्ज हुए थे, उनमें आम लोगों के साथ-साथ जनप्रतिनिधि (एमएलए-एमपी) भी शामिल थे। आम लोगों पर लगे 3.5 लाख केस पहले ही वापस लिए जा चुके हैं।

अब एमएलए-एमपी को भी राहत देने का फैसला किया गया है। सूत्रों के अनुसार, उस

समय करीब 80-90 जनप्रतिनिधियों पर कोविड के नियमों के उल्लंघन के तहत कार्रवाई की गई थी। कोविड लॉकडाउन के दौरान लापरवाही से बीमारी का संक्रमण फैलाने, परीक्षण के दौरान या उसके बाद अस्पताल से भाग जाने, लोक सेवक के आदेश को न मानने, समूह में आकर विरोध करने या मानव जीवन, स्वास्थ्य या सुरक्षा को खतरा पैदा करने के आरोप में केस दर्ज किए गए थे। इन मामलों में एक माह से लेकर दो साल तक की सजा या जुर्माना या दोनों का प्रावधान है।

माघ मेला को लेकर तैयारियां जोरों पर

15 करोड़ श्रद्धालुओं के आगमन को लेकर 8 पीपा पुल तैयार

प्रयागराज। महाकुंभ 2025 की सफलता के बाद, माघ मेला 2026 की 'मिनी महाकुंभ' जैसी तैयारी हो रही है। इस बार मेले में 15 करोड़ श्रद्धालुओं के आने की संभावना है। बता दें कि संगम स्नान को लेकर युद्धस्तर पर तैयारियां चल रही हैं। माघ मेले का दायरा भी इस बार 50 हेक्टेयर बढ़ा दिया गया है और स्नान घाटों को 3 किलोमीटर दायरे में बांटने की योजना है। माघ मेला 3 जनवरी 2026 (पौष पूर्णिमा) से शुरू होकर 15 फरवरी 2026 (महाशिवरात्रि) तक चलेगा।

कुल 44 दिन की साधना, स्नान और कल्पवास अवधि रहेगी। आइए

आपको बताते हैं, इस बार मेले में क्या खास होगा और किस तरह से क्या-क्या तैयारियां की जा रही हैं। प्रयागराज मेला विकास प्राधिकरण के उप मेलाधिकारी दयानंद प्रसाद ने बताया कि माघ मेला 2026 की तैयारियां समय से चल रही हैं। 2024 का माघ मेला 750 हेक्टेयर में था। इस बार इसका दायरा बढ़ाकर 800 हेक्टेयर क्षेत्रफल किया जा रहा है। पांटून पुलों की संख्या पिछली बार की तुलना में 6 से बढ़ाकर 8 कर दी गई है। वहीं, IERT पार्किंग से जोड़ने के लिए नागवासुकी मंदिर साइड महाकुंभ में जो एरिया बसाया गया था।

प्रदेश के हर ब्लॉक में करियर काउंसलर के पदों पर होगी भर्ती

लखनऊ। नौकरी का इंतजार कर रहे युवाओं के लिए अच्छी खबर है। यूपी में जल्द ही नौकरी का पिटारा खुलने जा रहा है। 826 ब्लॉक करियर काउंसलर की भर्ती की जाएगी। हर ब्लॉक में एक करियर काउंसलर रखा जाएगा। माध्यमिक शिक्षा विभाग संविदा पर इनकी भर्ती करेगा। हर महीने 25 हजार रुपये मानदेय दिया जाएगा। जल्द भर्ती प्रक्रिया शुरू की जाएगी। करियर काउंसलर पद पर भर्ती के लिए एमए मनोविज्ञान व करियर काउंसिलिंग में डिप्लोमाधारक आवेदन कर सकेंगे। राजकीय माध्यमिक स्कूलों व अशासकीय सहायता प्राप्त (एडेड) माध्यमिक स्कूलों में पढ़ रहे छात्रों की यह करियर काउंसिलिंग करेंगे। यही नहीं छात्र अगर मानसिक तनाव में हैं, तो उनकी मनोवैज्ञानिक काउंसिलिंग भी यह काउंसलर करेंगे। शिक्षकों को प्रशिक्षित भी करेंगे और अपने ब्लॉक के विद्यालयों का निरीक्षण करेंगे। सरकारी माध्यमिक स्कूलों में छात्र अपनी रुचि के अनुसार किन-किन क्षेत्रों में आगे करियर बना सकते हैं, इसकी जानकारी यह करियर काउंसलर उन्हें देंगे। देश व विदेश में विभिन्न अच्छे पाठ्यक्रमों की उन्हें जानकारी देंगे। विद्यार्थियों को उनकी क्षमता व रुचि के अनुसार किस क्षेत्र में करियर बनाने का प्रयास करना चाहिए इसके लिए उनका मार्गदर्शन करेंगे।

सड़क हादसा; महिला समेत 3 की मौत

संतकबीरनगर/सुल्तानपुर। यूपी में शनिवार तड़क हुई दो अलग अलग सड़क दुर्घटनाओं में महिला समेत तीन लोगों की जान चली गई और पांच लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। संत कबीरनगर के खलीलाबाद क्षेत्र के भुजैनी चौराहे के पास डीसीएम और टेलर की सीधी टक्कर हो गई। वहीं सुल्तानपुर में कूरेभार थाना क्षेत्र में तेज रफ्तार ट्रेलर ने सामने से आ रही टूरिस्ट बस में टक्कर मार दी। टूरिस्ट बस महाराष्ट्र के श्रद्धालुओं को अयोध्या दर्शन करा कर प्रयागराज ले जा रही थी। दुर्घटना में महिला श्रद्धालु की मौत हो गई।

संतकबीरनगर में भुजैनी चौराहे के पास खलीलाबाद से बस्ती की ओर जा रही डीसीएम की टक्कर सामने से

आ रहे ट्रेलर से हो गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि उसमें सवार 3 की मौत हो गई, जबकि 7 लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। सूचना मिलने पर पहुंची ने सभी घायलों को एंबुलेंस से जिला अस्पताल पहुंचाया। जहां चिकित्सकों ने दो को मृत घोषित कर दिया। वहीं दूसरी घटना में कूरेभार थाना क्षेत्र में शनिवार भोर बेकाबू ट्रेलर ने सामने से आ रही टूरिस्ट बस में जबरदस्त टक्कर मार दी। टक्कर इतना भीषण था कि ट्रेलर और बस दोनों सड़क किनारे पलट गए। घटना स्थल पर पहुंची पुलिस ने लोगों को बाहर निकाला। हादसे में महिला श्रद्धालु छोटी बाई शरद पाटिल पत्नी शरद पाटिल की मौके पर ही मौत हो गई और कई लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। अपर पुलिस अधीक्षक अखण्ड प्रताप सिंह ने बताया कि टूरिस्ट बस अयोध्या से प्रयागराज जा रही थी। हादसे में मृत महिला की पहचान छोटी बाई शरद पाटिल पत्नी शरद पाटिल के रूप में हुई है। करीब दर्जनभर से अधिक घायलों का नजदीकी अस्पताल में इलाज चल रहा है। कई घायलों की हालत चिंताजनक बताई जा रही है। परिजनों को सूचना दे दी गई है। महिला के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजने के साथ कार्रवाई की जा रही है।

संकट के बीच किराए की लूट

दिल्ली-हैदराबाद रूट पर 50 हजार के पार पहुंचा हवाई किराया

महानगर नेटवर्क
नई दिल्ली

देश की सबसे बड़ी विमानन कंपनी इंडिगो पांच दिनों से परिचालन संकट से जूझ रही है। इसके चलते देश के प्रमुख हवाई अड्डों पर हंगामे की स्थिति है और लाखों लोग परेशान हैं। लोग कई घंटों से हवाई अड्डों पर फंसे हुए हैं। ऐसे हालात में भी देश की विमानन कंपनियां बेशर्मी से लोगों से किराए की लूट करने में जुटी हैं और औसत किराए की तुलना में कई गुना ज्यादा किराया वसूल रही हैं। दिल्ली से हैदराबाद के बीच का हवाई किराया शनिवार को कई फ्लाइट बुकिंग प्लेटफॉर्म पर 36 हजार से ज्यादा पहुंच गया है।
बीते पांच दिनों में इंडिगो की 2500 से ज्यादा उड़ानें रद्द हो चुकी हैं। इसके चलते उपलब्ध सीटों की संख्या घट गई। विमानन कंपनियों ने इस आपदा में अवसर देखा और हवाई किराए में भारी बढ़ोतरी कर दी। ऐसी स्थिति में हवाई यात्री खुद को असहाय महसूस कर रहे हैं। हैरानी की बात ये है कि बीते चार दिनों से सरकार ने भी इस तरफ कोई ध्यान नहीं दिया, लेकिन आज शनिवार को सरकार की नींद टूटी। अब सरकार ने एयरलाइंस को निर्देश जारी कर ज्यादा किराया वसूलने पर कार्रवाई की बात कही है।

आज भी 400 से ज्यादा उड़ानें रद्द

शनिवार को भी 400 से ज्यादा इंडिगो की उड़ानें रद्द हुई हैं। जिनमें दिल्ली एयरपोर्ट पर 106, मुंबई हवाई अड्डे पर सुबह 9 बजे तक 109, , मुंबई इंटरनेशनल एयरपोर्ट लिमिटेड पर 108, पुणे हवाई अड्डे पर 42, हैदराबाद एयरपोर्ट पर 69, अहमदाबाद एयरपोर्ट पर 19, तिरुवनंतपुरम हवाई अड्डे पर 6 उड़ानें रद्द हुई हैं। शुक्रवार को इंडिगो की देशभर में 1000 से ज्यादा उड़ानें रद्द हुईं। कई दिनों की चुप्पी के बाद शुक्रवार को इंडिगो के सीईओ पीटर एल्बर्स ने एक वीडियो साझा कर लोगों को हुई परेशानी के लिए माफी मांगी।

डीजीसीए के इन नियमों को लागू करने में असफल रही इंडिगो

नागरिक उड्डयन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने पायलटों की थकान को कम करने और सुरक्षा बढ़ाने के लिए फ्लाइट ड्यूटी टाइम लिमिटेशन (एफडीटीएल) नियमों में बदलाव किए थे। इसे दो चरणों में लागू किया गया। पहले फेज में क्रू के लिए साप्ताहिक आराम की अवधि बढ़ाई गई थी और हर हफ्ते 48 घंटे का साप्ताहिक आराम जरूरी किया गया। दूसरे चरण में 'रेड आई' उड़ानों यानी देर रात की उड़ानों के लिए क्रू के इस्तेमाल पर कड़े प्रतिबंध लगाए गए। इनके तहत पायलटों को सिर्फ 2 नाइट लैंडिंग की इजाजत दी गई, जबकि पहले पायलट 6 लैंडिंग तक करते थे। संकट को देखते हुए सरकार ने नियमों को लागू करने में फिलहाल छूट दे दी है। जिसके बाद अगले कुछ दिनों में इंडिगो का परिचालन सामान्य होने की उम्मीद है। इस बीच, पायलटों के संगठन, एयरलाइंस पायलट्स एसोसिएशन (ALPA) इंडिया ने डीजीसीए द्वारा इंडिगो को राहत देने पर कड़ा एतराज जताया है। उन्होंने कहा है कि इस छूट ने न सिर्फ़ रेगुलेटरी बराबरी को खत्म होगी बल्कि लाखों यात्रियों को भी खतरे में डाला गया है।

जब तक चाहें, भारत में रह सकती हैं हसीना :जयशंकर

महानगर नेटवर्क
नई दिल्ली

भारत के विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने शनिवार को पूर्व बांग्लादेशी प्रधानमंत्री शेख हसीना के भारत में ठहरने को उनकी निजी पसंद बताया। उन्होंने कहा कि इसका निर्णय उन परिस्थितियों से प्रभावित है जिनके चलते वे भारत आईं। 78 वर्षीय शेख हसीना पिछले साल अगस्त में भारत आई थीं, जब बांग्लादेश में उनकी 15 साल की सत्ता का अंत हिंसा के बीच हुआ था। इस हिंसा में सैकड़ों लोगों की मौत हुई और हजारों घायल हुए थे। पिछले महीने ढाका की एक विशेष अदालत ने उन्हें मौत की सजा सुनाई थी। शनिवार को एक कार्यक्रम में विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने शेख हसीना के भारत में लंबे समय तक रहने और भारत-बांग्लादेश संबंधों पर विस्तार से बात की। उन्होंने स्पष्ट किया कि शेख हसीना का भारत में रहना मूलतः उनका व्यक्तिगत फैसला है, लेकिन जिन परिस्थितियों में वे सत्ता छोड़कर भारत आईं वे इस फैसले के पीछे महत्वपूर्ण कारक हैं। जयशंकर ने कहा- वह एक खास परिस्थिति में यहां आई थीं और मुझे लगता है कि वह परिस्थिति स्पष्ट रूप से इस बात में भूमिका निभाती है कि उनके साथ आगे क्या होगा। लेकिन फिर भी, अंतिम फैसला उन्हें ही करना है।
विदेश मंत्री ने यह भी दोहराया कि भारत ने शेख हसीना को आश्वासन दिया है कि वह जब तक चाहें, भारत में रह सकती हैं। भारत सरकार ने पहले भी कई बार कहा है कि मानवीय आधार पर हसीना को शरण दी गई है और उनकी सुरक्षा तथा सुविधा का पूरा ध्यान रखा जा रहा है। भारत-बांग्लादेश संबंधों के संदर्भ में जयशंकर ने पड़ोसी देश में लोकतंत्र की मजबूती पर बल दिया। उन्होंने कहा कि वर्तमान अंतरिम सरकार के नेताओं ने खुद माना था कि उनका मुख्य विरोध पिछले चुनावों (जनवरी 2024) के तरीके से था। जयशंकर ने तंज कसते हुए कहा- हमने सुना था कि बांग्लादेश के लोगों, खासकर जो अब सत्ता में हैं, उनको पहले हुए चुनाव कराने के तरीके से समस्या थी। अगर समस्या चुनाव था, तो सबसे पहला काम तो एक निष्पक्ष और विश्वसनीय चुनाव कराना होना चाहिए।

नेहरू को सिर्फ मिटाना नहीं, खत्म करना है बीजेपी का मकसद

सोनिया गांधी ने क्यों कहा ऐसा

नई दिल्ली। कांग्रेस की वरिष्ठ नेता और राज्यसभा सांसद सोनिया गांधी ने बीजेपी पर करारा अटैक किया है। उन्होंने कहा कि सत्ताधारी पार्टी का मुख्य मकसद जवाहरलाल नेहरू को बदनाम करना है। उन्होंने बीजेपी पर भारत के पहले प्रधानमंत्री को अपमानित करने, नीचा दिखाने और बदनाम करने का आरोप लगाया। जवाहर भवन में नेहरू सेंटर इंडिया के उद्घाटन के मौके पर सोनिया गांधी ने कहा कि नेहरू के योगदान का विश्लेषण और आलोचना का स्वागत है। हालांकि, उनकी लिखी और कही गई बातों को जानबूझकर गलत तरीके से पेश करना बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।
सोनिया गांधी ने नेहरू को लेकर सत्तापक्ष की ओर से टिप्पणियों पर करारा रिएक्ट किया। हालांकि, उन्होंने अपनी बात रखते हुए सीधे तौर पर बीजेपी या आरएसएस का नाम नहीं लिया, लेकिन उनके निशाने पर कौन था, ये उनकी टिप्पणियों से साफ जाहिर था।

रूसी राष्ट्रपति पुतिन के लिए आयोजित डिनर में शामिल हुआ

वहां का माहौल बहुत अच्छा और दिलचस्प था: शशि थरूर

महानगर नेटवर्क
नई दिल्ली

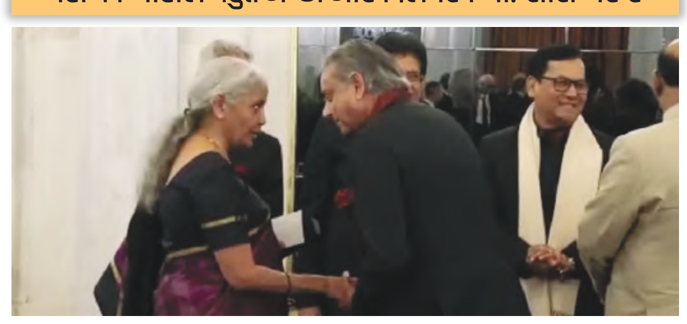

रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के लिए शुक्रवार रात आयोजित किए गए राष्ट्रपति भवन में डिनर कार्यक्रम में कांग्रेस सांसद शशि थरूर भी शामिल हुए। थरूर का इस कार्यक्रम में शामिल होना काफी चर्चा वाला रहा, क्योंकि लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी और राज्यसभा में नेता प्रतिपक्ष मल्लिकार्जुन खरगे को इसमें न्योता नहीं मिला था। डिनर में शामिल होने के बाद शशि थरूर ने सोशल मीडिया में पोस्ट करके बताया है कि वहां का माहौल बहुत अच्छा व दिलचस्प था और उन्हें मजा आया। कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने एक्स पर पोस्ट किया, "कल रात प्रेसिडेंट पुतिन के लिए राष्ट्रपति भवन के बैंक्वेट (डिनर) में शामिल हुआ। माहौल बहुत अच्छा और दिलचस्प था। कई लोगों के साथ बातचीत करके मजा आया, खासकर रशियन डेलीगेशन के मेरे साथ खाने पर आए लोगों के साथ।" पुतिन दो दिवसीय भारत के दौरे पर गुरुवार शाम को नई दिल्ली पहुंचे थे। पहले दिन उनके लिए पीएम मोदी के आवास पर डिनर आयोजित किया गया था और दूसरे दिन दोनों देशों के बीच अहम समझौतों पर मुहर लगी। शुक्रवार शाम राष्ट्रपति भवन में डिनर के बाद रात में पुतिन वापस अपने देश लौट गए।
कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने कन्फर्म किया था कि लोकसभा और राज्यसभा दोनों में विपक्ष के नेताओं, राहुल गांधी और मल्लिकार्जुन खड़गे को रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के सम्मान में रखे गए ऑफिशियल डिनर में नहीं बुलाया गया था। एक्स पर शेयर की गई एक पोस्ट में कांग्रेस नेता ने कहा, ऐसी अटकलें लगाई जा रही हैं कि क्या लोकसभा में विपक्ष के नेता और राज्यसभा में विपक्ष के नेता को राष्ट्रपति पुतिन के सम्मान में ऑफिशियल डिनर के लिए बुलाया गया है। दोनों एलओपी को नहीं बुलाया गया है। कांग्रेस नेता पवन खेड़ा ने पार्टी सांसद शशि थरूर को राष्ट्रपति की दावत में बुलाने के फैसले पर भी सवाल उठाया। खेड़ा ने कहा कि वह काफी हैरान हैं, खासकर इसलिए क्योंकि कांग्रेस के बड़े नेताओं को गेस्ट लिस्ट में शामिल नहीं किया गया था। भाजपा सरकार पर निशाना साधते हुए खेड़ा ने कहा, हर किसी की अंतरात्मा की आवाज होती है।

पलूशन लिगेसी प्रॉब्लम, हमने तेजी से किया काम

CM रेखा गुप्ता ने गिनाए फैक्टर

नई दिल्ली। दिल्ली की सीएम रेखा गुप्ता ने कहा कि दिल्ली में पलूशन और स्मॉग है लेकिन यह आज ही है ऐसा नहीं है। यह एक वर्षों से चली आ रही समस्या है। इसमें कई सारे फैक्टर काम करते हैं। इसको बढ़ाने में परिवहन, ओपन बर्निंग, डस्ट तमाम फैक्टर काम करते हैं। ऐसा नहीं है कि कुछ जादू की छड़ी घूमने से झटके में पलूशन खत्म हो जाने वाला है। पलूशन खत्म करना एक रेगुलर प्रॉसेस है। सीएम रेखा गुप्ता शनिवार को एक कार्यक्रम में बोल रही थीं। उनसे पूछा गया कि दिल्ली से पलूशन कब खत्म होगा। सीएम रेखा गुप्ता ने कहा कि दिल्ली में पलूशन एक लिगेसी प्रॉब्लम है। यह बरसों बरस से चली आ रही समस्या है। दिल्ली में पलूशन बढ़ने की कई वजहें हैं। सीएम ने आगे कहा कि दिल्ली एक बड़ा शहर है जिसकी आबादी लगातार बढ़ रही है। इसी तरह पहले जो ट्रैफिक हुआ करता था आज यह उसके कई गुना ज्यादा है। पहले जितनी गाड़ियों का रजिस्ट्रेशन हुआ करता था आज उससे तीन गुना ज्यादा हुआ करता है। ये सारी स्थितियां लगातार चल रही हैं। पलूशन में कोई एक इनपुट काम नहीं करता है। सीएम रेखा गुप्ता ने कहा कि इसमें ओपन बर्निंग भी काम करती है। इसमें डस्ट भी काम करती है। इसमें ट्रैफिक भी काम करता है। इस तरह मिलकर एक बड़ी समस्या के रूप में पलूशन बन जाता है। ऐसा भी नहीं कि आज कोई जादू की छड़ी घूम जाने से यह समस्या खत्म हो जाने वाली है। पलूशन को खत्म करने की एक सतत प्रक्रिया है। आप इस दिशा में आज कुछ करते हैं, कल उससे ज्यादा ताकत से इस पर काम करते हैं। इस तरह एक प्रक्रिया है।

वित्तमंत्री सीतारमण ने की जम्मू-कश्मीर सीएम की तारीफ

उमर ने भी दिया प्यारा सा जवाब

महानगर नेटवर्क
नई दिल्ली

केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने शनिवार को जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला की तारीफ की। उन्होंने कहा कि प्रदेश के मुख्यमंत्री वहां की अर्थव्यवस्था को पटरी पर लाने के लिए काफी प्रयास कर रहे हैं। नई दिल्ली में एक निजी कार्यक्रम में सीतारमण ने कहा कि पहलगाम हमले के बाद जम्मू-कश्मीर के पर्यटन क्षेत्र को काफी बड़ा झटका लगा था। उसके बाद अर्थव्यवस्था को फिर से खड़ा करने का काम चल रहा है।
जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला की तारीफ करते हुए उन्होंने कहा कि जम्मू-कश्मीर की अर्थव्यवस्था फिर से तेजी के साथ आगे बढ़ने के लिए तैयार है। उन्होंने कहा, "मुझे जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री की भी सराहना करनी होगी, जिन्होंने मुझसे दो बार मुलाकात की और पर्यटन क्षेत्र के ठप पड़ने के बाद अर्थव्यवस्था को फिर से खड़ा करने पर बात की।" वित्तमंत्री से मिली इस तारीफ के बारे में जब मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला से पूछा गया तो उन्होंने मुस्कराते हुए इसका जवाब दिया। उन्होंने कहा, "यह उनकी दयालुता है कि उन्होंने मेरी तारीफ की। मैं तो यही कहूंगा कि मैडम अब पैसे भी भेज दीजिए। क्योंकि उसकी सप्लाई काफी कम है, लेकिन मैं यहां पर कहना चाहूंगा कि भारत सरकार लगातार हमारी मदद कर रही है। केवल एक मुद्दे को छोड़कर उम्मीद है कि हम उस पर भी जल्दी ही पहुंच जाएंगे।"
इससे पहले वित्तमंत्री ने कहा कि 2019 से लेकर अब तक देश की आर्थिक यात्रा के बारे में कहा कि इस दौरान एक के बाद एक वैश्विक और घरेलू चुनौतियां आई हैं। उन्होंने जम्मू-कश्मीर में चल रहे खास प्रयासों का जिक्र भी किया। पाकिस्तान का नाम लिए बिना उन्होंने कहा कि हमें "अपनी सीमाओं पर हमेशा परेशानी का सामना करना पड़ा।"

भारत से माफी मांगो और मुनीर को...

पूर्व पेंटागन अधिकारी की ट्रंप प्रशासन से मांग

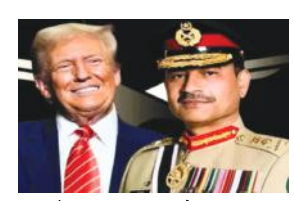

नई दिल्ली। अमेरिका और भारत के बीच संबंधों में पिछले लगभग एक साल में काफी बदलाव आया है। ट्रंप प्रशासन के रवैये ने भारत में लोगों को बहुत नाराज किया है। अब इस पूरे घटनाक्रम पर पेंटागन के पूर्व अधिकारी माइकल रुबिन ने कहा है कि अमेरिका ने जो दुर्व्यवहार भारत के साथ किया है उसको लेकर माफी मांगनी चाहिए। इतना ही नहीं उन्होंने पाकिस्तानी आर्मी चीफ को गिरफ्तार करने की भी मांग करते हुए कहा कि पाकिस्तान को आतंकवाद प्रायोजित करने वाला देश घोषित करना चाहिए। माइकल रुबिन ने कहा कि संयुक्त राज्य अमेरिका का पाकिस्तान का रणनीतिक रूप से अपनाने के फैसले का कोई तर्क नहीं है। पाकिस्तान को आतंकवाद का राज्य प्रायोजक घोषित किया जाना चाहिए। अगर पाकिस्तानी सेना का प्रमुख आसिम मुनीर अमेरिका में आता है, तो उसका सम्मान नहीं करना चाहिए, उसे गिरफ्तार करके जेल में डाल देना चाहिए।
जॉर्ज बुश के कार्यकाल में पेंटागन में बड़ी भूमिका निभाने वाले रुबिन ने कहा कि अमेरिका के ट्रंप प्रशासन ने पिछले एक साल में दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र भारत के साथ काफी दुर्व्यवहार किया है। इसे लेकर उन्हें माफी मांगनी चाहिए। उन्होंने कहा, हमें पर्दे के पीछे शांत कूटनीति की जरूरत है और शायद किसी समय, संयुक्त राज्य को इस बात पर खुलकर माफी मांगनी चाहिए कि हमने भारत के साथ कैसे व्यवहार किया। मुझे मालूम है कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप माफी मांगना पसंद नहीं करते, लेकिन संयुक्त राज्य अमेरिका और दुनिया के तमाम लोकतांत्रिक देशों के हित किसी एक व्यक्ति के अहंकार से ज्यादा महत्वपूर्ण होते हैं।जनवरी 2025 में ट्रंप द्वारा राष्ट्रपति पद की शपथ लेने के बाद ऐसा लगा था कि दोनों देशों के संबंधों में काफी सुगमता आ जाएगी। लेकिन धीरे-धीरे चीजें बिगड़ना शुरू हो गईं।

सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद बांग्लादेश से वापस लाई गईं सुनाली खातून

बीरभूम। पश्चिम बंगाल के बीरभूम निवासी 26 वर्षीय सुनाली खातून को भारत का नागरिक होने के बावजूद बांग्लादेश डिपोर्ट कर दिया गया था। सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद शुक्रवार को सुनाली को उनके 8 साल के बच्चे के साथ वापस लाया गया है। बांग्लादेश की जेल में 103 दिन बिताने के बाद दोनों को उत्तर बंगाल में मालदा सीमा के रास्ते भारत लाया गया। हालांकि, इस बारे में कोई स्पष्टता नहीं है कि चार अन्य निर्वासित लोगों को कब वापस लाया जाएगा। ये लोग अब भी बांग्लादेश में रह रहे हैं और इन्हें लाने का आदेश भी शीर्ष अदालत ने दिया है।
एक अधिकारी ने बताया कि गर्भावस्था के अंतिम चरण में पहुंच चुकी सुनाली को शाम करीब सात बजे उप-उच्चायुक्त स्तर के एक अधिकारी को सौंप दिया गया, जहां से दोनों को पहले औपचारिकताओं के लिए मेहदीपुर स्थित सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) शिविर ले जाया गया और बाद में मेडिकल जांच के लिए मालदा मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल लाया गया। उन्होंने बताया कि अगर चिकित्सक उसे यात्रा के लिए फिट घोषित करते हैं, तो उसे शनिवार को बीरभूम जिले के मुरारई में पैकर गांव के दोरजी पारा इलाके में उसके घर पहुंचा दिया जाएगा।
सुनाली को दिल्ली के काटजू नगर थाना पुलिस ने 18 जून को रोहिणी के सेक्टर 26 स्थित बंगाली बस्ती से बांग्लादेशी नागरिक होने के संदेह में हिरासत में लिया था। सुनाली, उसके पति दानिश और बेटे को बाद में विदेशी क्षेत्रीय पंजीकरण कार्यालय के आदेश पर बांग्लादेश भेज दिया गया था। उस दौरान बीरभूम गांव के एक अन्य परिवार को भी निर्वासित किया गया था।

बदला लेना एक ताकतवर प्रवृत्ति है

दूसरे को चोट पहुंचाने में सुख मिलता है

नई दिल्ली। दिल्ली हाईकोर्ट ने अपने सहकर्मी की हत्या के आरोप में संतरी ड्यूटी पर तैनात एक व्यक्ति की सजा को बरकरार रखा है। हाईकोर्ट ने पाया कि आरोपी द्वारा चलाई गई गोलियां जान से मारने की नीयत से चलाई गई थीं। हाईकोर्ट ने फैसले में कहा-क्रोध की भावनाएं बदला लेने की प्रेरणा हैं और ऐसी भावनाएं साक्ष्य अधिनियम की धारा 8 के तहत प्रासंगिक हैं, क्योंकि ये अपराधी को अपराध करने के लिए एक प्रेरणा प्रदान करती हैं। दरअसल, हाईकोर्ट दोषी की सजा के फैसले को चुनौती देने वाली अपील पर विचार कर रहा था। मामले में पूरी सुनवाई के बाद पीठ ने अपील खारिज कर दी।
दिल्ली हाईकोर्ट के जस्टिस सुब्रमण्यम प्रसाद और जस्टिस विमल कुमार यादव की खंडपीठ ने कहा- क्रोध की भावनाएं बदला लेने की प्रेरणा हैं और दूसरे को चोट पहुंचाने का सुख एक आपराधिक प्रवृत्ति है। बदला लेना एक ताकतवर प्रवृत्ति है। क्रोध की ऐसी भावनाएं साक्ष्य अधिनियम, 1872 (जिसे आगे अधिनियम कहा जाएगा) की धारा 8 के तहत प्रासंगिक हैं।

ईडी ने रिलायंस पावर और उसकी सहयोगी कंपनियों के खिलाफ दायर किया आरोपपत्र

महानगर नेटवर्क
नई दिल्ली

कारोबारी अनिल अंबानी के समूह की कंपनी रिलायंस पावर लिमिटेड और दस अन्य के खिलाफ धनशोधन मामले में आरोपपत्र दायर किया है। यह 68 करोड़ रुपये की कथित फर्जी बैंक गारंटी जमा कर टेंडर हासिल करने से जुड़ा मामला है। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने शनिवार को यह जानकारी दी। आरोपपत्र में अन्य आरोपियों में रिलायंस पावर के पूर्व मुख्य वित्तीय अधिकारी अशोक कुमार पाल, रिलायंस एनयू बीईएसएस लिमिटेड और रोसा पावर सप्लाई कंपनी लिमिटेड (दोनों रिलायंस पावर की सहायक कंपनियां), ओडिशा की एक मुखौट (शेल) कंपनी बिस्वाल ट्रेडलिंक प्राइवेट लिमिटेड, उसके प्रबंध निदेशक (एमडी) पार्थ सारथी बिस्वाल, बायोथेन केमिकल्स प्राइवेट लिमिटेड और ट्रेड फाइनेंसिंग कंसल्टेंट अमरनाथ दत्ता का नाम शामिल है। कुछ अन्य आरोपियों में रविंदर पाल सिंह चड्ढा, मनोज भाई पोंगडे और पुनीत नरेंद्र गर्ग भी शामिल हैं। अधिकारियों के मुताबिक, आरोपपत्र शुक्रवार को दिल्ली के पटियाला हाउस कोर्ट में धनशोधन निरोधक कानून (पीएमएलए) के तहत दाखिल किया गया। मामला 68.2 करोड़ रुपये की बैंक गारंटी से जुड़ा है। सोलर एनर्जी कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (सेकी) के एक टेंडर को हासिल करने के लिए रिलायंस एनयू बीईएसएस लिमिटेड की ओर से जमा की गई थी। यह कंपनी रिलायंस पावर की सहायक और एक सूचीबद्ध कंपनी है। पहले इसका नाम महाराष्ट्र एनर्जी जेनरेशन लिमिटेड था।

अटारी बॉर्डर पर छोड़ गया पति

पाकिस्तानी महिला ने मांगी मदद

इंदौर। इंदौर में रह रहे पाकिस्तानी शरणार्थी विक्रम की शिकायत पाकिस्तानी महिला निकिता नागदेव ने की है। शिकायत सिंधी पंचायत में की गई लेकिन वहां भी समझौता नहीं हुआ। महिला का आरोप है कि उसके पति ने शादी के बाद उसे पाकिस्तान भेज दिया। वह उसे अटारी बार्डर पर छोड़ गया था। अब वह दूसरी शादी करने की तैयारी कर रहा है। महिला ने बताया कि 26 जनवरी 2020 में उसकी शादी पाकिस्तान में विक्रम नागदेव के साथ हुई थी। इसके बाद वो विक्रम के साथ भारत आई। कुछ दिन तक विक्रम का बर्ताव उसके प्रति ठीक रहा इसके बाद वो बदलने लगा। महिला ने आरोप लगाया कि विक्रम का अफेयर किसी और महिला के साथ होने का उसको पता चला। इसके बाद उसे प्रताड़ित किया गया। इसके बाद भारत में कोरोना आ गया। विक्रम के कहने पर उसने अपना बी-फार्म नहीं भरा और वो वापस पाकिस्तान आ गई। महिला ने बताया कि इसके बाद विक्रम ने वीजा के लिए पेपर नहीं भेजे और सारे संबंध तोड़ लिए।
पत्नी निकिता ने इंदौर सिंधी पंचायत को लिखित शिकायत दर्ज की। निकिता ने कहा कि मेरे पति ने दिल्ली की एक महिला के साथ सगाई कर ली है। मुझसे बिना तलाक लिए विवाह करने जा रहा है।

जाफरानी पनीर से लेकर बादाम हलवा तक

पुतिन के लिए भोज में भारतीय भोजन का भव्य प्रदर्शन

महानगर नेटवर्क
नई दिल्ली

रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की भारत यात्रा का समापन हो चुका है। इससे पहले शुक्रवार को राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मू ने उनके सम्मान में राष्ट्रपति भवन में एक शानदार भोज का आयोजन किया। इसमें तमाम अतिथि शामिल हुए। राष्ट्रपति भवन में रूसी राष्ट्राध्यक्ष के लिए आयोजित किए गए इस भोज में भारत के विभिन्न क्षेत्रों के व्यंजनों की विविधता सुरीले संगीत का सुंदर संगम दिखाई दिया।
रात्रि भोज की शुरुआत मुरुंगेलाई चारू से हुई, जो कि दक्षिण भारतीय शैली का एक हल्का और तीखा सूप है। इसके बाद मेहमानों को कई तरह के शाकाहारी स्टार्टर परोसे गए। इनमें गुच्छी दून चेटिन, काले चले की शिकम्पुरी और सब्जी झोल मोमो चटनी के साथ दिए गए। यह सभी कश्मीर से लेकर पूर्वी हिमालय की क्षेत्रीय स्वाद परंपराओं को दर्शा रहे थे।
शुरुआत के स्टार्टर के बाद मुख्य भोजन की बारी आई। राष्ट्रपति भवन के शेफों ने सर्दियों के समय वाली भारतीय पाक परंपरा का कौशल दिखाने के लिए एक विस्तृत भोजन पेश किया। इसमें जाफरानी पनीर रोल, पालक मेथी मटर का साग, तंदूरी भरवां आलू, अचारी बैंगन और पीली दाल तड़का शामिल थे। इनके साथ सूखे मेवे और केसर पुलाव को भी परोसा गया। इसके साथ रोटियों में लच्छा पराठा, मगज नान, सतनाज रोटी, मिस्सी रोटी और बिस्कुटी रोटी का विकल्प मौजूद था। खाने के बाद में जब डेजर्ट (मिठाई) की बारी आई तो यहां भी भारतीय परंपरा की झलक अलग ही दिखाई दी। इसमें बादाम का हलवा और केसर पिस्ता कुल्फी पेश किए गए। इनके साथ में ताजे फल भी दिए गए। इसके अलावा गुड़ संदेश और मुरक्कू भी थे, जिन्होंने मिठास के साथ-साथ कुरकुरेपन का भी एक विशेष क्षेत्रीय स्पर्श पेश किया। इसके अलावा पीने के लिए अनार, संतरा, गाजर और अदरक का मिक्स जूस मौजूद था, जबकि सलाद में बीटरूट, खमंड ककड़ी, शकरकंद पापडी चाट और उसके अलावा कमरख बूंदी का रायता शामिल थे।

'संविधान नहीं, कांग्रेस खतरे में है'

राहुल गांधी के बयान पर केंद्रीय मंत्री का जोरदार पलटवार

नई दिल्ली। केंद्रीय मंत्री रामदास अठावले ने शनिवार को लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी की हालिया 'संविधान खतरे में है' टिप्पणी पर तीखा पलटवार किया। अठावले ने कहा कि गांधी के दावे निराधार और तथ्यहीन हैं। उन्होंने जोर देकर कहा कि संविधान खतरे में नहीं है, बल्कि कांग्रेस पार्टी खतरे में है। मैं नहीं मानता कि हमारे संविधान को कोई खतरा है। वास्तव में, प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में इसे और मजबूत किया जा रहा है।" अठावले ने कहा कि राहुल गांधी के बयान निराधार और तथ्यहीन हैं। केंद्रीय मंत्री रामदास अठावले का यह बयान तब आया जब राहुल गांधी ने महापरिनिर्वाण दिवस के अवसर पर डॉ. भीमराव आंबेडकर को श्रद्धांजलि अर्पित करने के बाद कहा कि प्रत्येक भारतीय का संविधान खतरे में है। मीडिया से बात करते हुए कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने कहा कि आंबेडकर जी एक आदर्श हैं। उन्होंने देश को संविधान दिया। इसलिए, हम उन्हें याद करते हैं और उनके विचारों और संविधान की रक्षा करते हैं हर भारतीय का संविधान खतरे में है।

अखुरथ संकष्टी चतुर्थी व्रत विघ्नहर्ता बप्पा को समर्पित

साल में कुल 24 गणेश चतुर्थी पड़ती हैं, जो बेहद शुभ मानी जाती है। इस दिन चतुर्थी का व्रत रखा जाता है और भगवान गणेश की आराधना की जाती है। इन्हीं व्रतो में से एक हैं अखुरथ संकष्टी चतुर्थी। यह साल की आखिरी संकष्टी चतुर्थी है, जो पौष माह के कृष्ण पक्ष में आने वाली चतुर्थी तिथि को मनाई जाती है। इस बार इस व्रत की तिथि को लेकर असमंजस की स्थिति बन रही हैं। लोगों के मन में वाल है कि चलिए जानते हैं अखुरथ संकष्टी गणेश चतुर्थी कब मनाई जाएगी...7 या 8 दिसंबर? चलिए जानते हैं सही तारीख क्या है। इसके साथ पूजा का शुभ मुहूर्त भी बताया जा रहा है।

अखुरथ संकष्टी चतुर्थी का महत्व

शास्त्रों के अनुसार, अखुरथ संकष्टी चतुर्थी के दिन भगवान गणेश के अखुरथ स्वरूप की उपासना की जाती है। विघ्नकर्ता की कृपा से भक्तों के संकट दूर होते हैं। संकष्टी चतुर्थी को संकटों को दूर करने वाली चतुर्थी तिथि के नाम से भी जाना जाता है। वैदिक पंचांग के अनुसार, इस साल अखुरथ संकष्टी चतुर्थी का व्रत 7 दिसंबर 2025 को रखा जाएगा। पंचाग के अनुसार, 7 दिसंबर को शाम 6 बजकर 24 मिनट तक तृतीया तिथि रहेगी।

अखुरथ संकष्टी चतुर्थी शुभ मुहूर्त

ब्रह्म मुहूर्त : सुबह 5 बजकर 12 मिनट से 6 बजकर 6 तक। अभिजीत मुहूर्त : सुबह के 11 बजकर 52 मिनट से दोपहर 12 बजकर 33 तक। जो लोग व्रत रखेंगे, वे गणेश जी की पूजा लाभ-उन्नति मुहूर्त सुबह 9 बजकर 37 मिनट से 10 बजकर 55 मिनट के बीच या फिर अमृत-सर्वोत्तम मुहूर्त में सुबह 10 बजकर 55 मिनट से दोपहर 12 बजकर 13 मिनट के बीच कर सकते हैं। चंद्रोदय का समय 7 दिसंबर को संकष्टी चतुर्थी के दिन चंद्रोदय का समय शाम 7 बजकर 55 मिनट है।

ऐसे करें अखुरथ संकष्टी चतुर्थी की पूजा

सुबह जल्दी उठकर स्नान कर लें और लाल या पीले रंग के कपड़े पहनें।

इसके बाद चौकी पर लाल वस्त्र बिछाकर गणेश जी की मूर्ति या फोटो रखें।

अब पूरे विधि-विधान से भगवान गणेश का पूजन करें। विघ्नहर्ता को रोली, कुमकुम, अक्षत से उनका तिलक करें और फूल माला पहनाएं। उन्हें पुष्प और उनकी प्रिय दूर्वा अर्पित करके लड्डू का भोग लगाएं।

नहाने के बाद ड्राई हो रहे हैं Lips तो आजमाएं ये घरेलू नुस्खे

कुछ लोगों के नहाने के बाद होंठ बहुत ज्यादा ड्राई होने लगते हैं। इसके पीछे कई कारण हो सकते हैं जैसे नहाने के बाद ज्यादा गर्म पानी का इस्तेमाल करने से होंठों की त्वचा में रुखापन आ सकता है। ज्यादा गर्म पानी के संपर्क में आने से होंठों की नमी कम हो जाती है और यह फटने लगते हैं। इसके अलावा जो लोग चेहरे पर साबुन इस्तेमाल करते हैं उन्हें भी यह समस्या हो सकती है। नहाने के बाद होंठों पर ऑयल या लिप बॉम न लगाने के कारण भी यह ड्राई दिखते हैं। ऐसे में यदि आपके भी होंठ नहाने के बाद ड्राई दिखते हैं,तो आज आपको कुछ ऐसे नुस्खे बताते हैं जिनके जरिए आप समस्या से राहत पा सकते हैं।

खीरा

होंठों को हाइड्रेट रखने के लिए आप खीरे का इस्तेमाल कर सकते हैं। खीरे की पतली स्लाइस काट लें। फिर स्लाइस को ठंडा करने के लिए फ्रिज में रख दें। जब खीरे की स्लाइस ठंडी हो जाए तो उसे होंठो पर लगाएं। डिहाइड्रेशन के कारण भी यह ड्राई होने लगते हैं ऐसी स्थिति में आप खीरे का सेवन कर सकते हैं। खीरा शरीर में से पानी की कमी दूर करता है।

नारियल का तेल

नारियल तेल ड्राई होंठो से राहत पाने के लिए आप इस्तेमाल कर सकते हैं। इसमें फैटी एसिड पाया जाता है जो होंठो को कोमल बनाने में मदद करते हैं। होंठो के लिए अरंडी का तेल, जैतून का तेल भी लाभकारी माना जाता है।

गुलाब की पंखुड़ियां

होंठो की त्वचा ड्राई हो रही है,तो गुलाब की पंखुड़ियों का इस्तेमाल आप कर सकते हैं। इनमें एंटीइंफ्लेमेटरी गुण पाए जाते हैं,जो इंफ्लेमेशन कम करने में मदद करते हैं। इन्हें पीस लें फिर

तैयार पाउडर को शहद या एलोवेरा जेल के साथ मिलाएं और होंठों पर लगाएं। इससे फटे और ड्राई होंठों की समस्या दूर होगी।

बादाम का तेल

ड्राई होंठों की समस्या के लिए बादाम का तेल बेहद फायदेमंद रहेगा। रातभर के लिए इस तेल को होंठों पर लगाकर रख सकते हैं। इसके अलावा नहाने से पहले होंठों पर थोड़ा सा बादाम का तेल लगाएं। ऐसा करने से नहाने के दौरान होंठों में नमी बनी रहेगी और यह ड्राई नहीं होंगे। बादाम के तेल में विटामिन-ई पाया जाता है इसका इस्तेमाल से होंठों में ड्राईनेस नहीं आती।

एलोवेरा :- एलोवेरा जेल का इस्तेमाल आप ड्राई होंठो की समस्या से राहत पाने के लिए कर सकते हैं। ताजा एलोवेरा जेल होंठों को मॉइश्चराइज करने में मदद करेगा। इसके अलावा एलोवेरा जेल में एंटीइंफ्लेमेटरी गुण मौजूद होते हैं। गर्मियों के मौसम में ड्राई और फटे होंठों का इलाज करने के लिए एलोवेरा जेल फायदेमंद होता है।

रसोईघर में कपूर जलाने से कई फायदे

वास्तु शास्त्र में रसोईघर का अधिक महत्व है। खुशहाल जीवन जीने के लिए वास्तु शास्त्र के नियमों का पालन करना चाहिए। कपूर का अधिकतर प्रयोग पूजा के दौरान किया जाता है। इसके अलावा कपूर को रसोईघर में जलाने की सलाह दी जाती है। वास्तु शास्त्र के अनुसार, रसोईघर में कपूर जलाने से वातावरण शुद्ध हो जाता है और घर में सुख-समृद्धि का आगमन होता है। चलिए जानते हैं वास्तु शास्त्र के कपूर से संबंधित उपायों के बारे में।

- अगर आप रसोईघर में नियमित रूप से कपूर जलाते हैं, तो ऐसा करने से भोजन बनाते समय मन शांत और शुद्ध होता है। इसका असर बनने वाले खाने पर भी होता है।
- इसके अलावा रसोईघर में कपूर जलाने से नकारात्मक ऊर्जा से छुटकारा मिलता है और सकारात्मक ऊर्जा का वास होता है।
- ऐसा माना जाता है कि जहां पांच तत्वों में संतुलन बना रहता है। वहां कभी भी वास्तु दोष नहीं होता है। पांच तत्वों में पृथ्वी, जल, अंतरिक्ष, अग्नि और वायु शामिल है। इन्हें काबू में रखने के लिए प्रत्येक दिन कपूर जलाने की राय दी जाती है।
- माना जाता है कि कपूर को जलाने से पितृदोष से छुटकारा मिलता है।
- इसके अलावा गाय के उपलों पर कपूर जलाने से घर की बुरी शक्तियों से मुक्ति मिलती है।

इन बातों का रखें ध्यान

- रसोईघर में सदैव साफ-सफाई रखनी चाहिए। कहा जाता है कि किचन साफ रहने से सकारात्मक ऊर्जा का आगमन होता है।
- वास्तु शास्त्र के अनुसार, रसोईघर को बनाने के लिए दक्षिण-पूर्व दिशा उत्तम होती है। इसके अलावा किचन का कैबिनेट बनवाने के लिए दक्षिण या पश्चिम दिशा की दीवार शुभ मानी जाती है।

बच्चों के डाइट में शामिल करें ये फल

पेरेंट्स चाहते हैं कि उनके बच्चे की डाइट में सभी हेल्दी चीजें ही शामिल की जाएं। हेल्दी चीजें बच्चों को न देने के कारण उनके स्वास्थ्य पर भी बुरा असर पड़ता है लेकिन आजकल के खराब खान-पान के कारण बच्चों की डाइट खराब है वह कोई भी चीज खाने में सौ तरह के नखरे दिखाते हैं। इसी चलते उनके शरीर में कई तरह के विटामिन्स की कमी होने लगती है। बच्चों के शारीरिक और ब्रेन डेवलपमेंट के लिए विटामिन-बी12 बहुत ही जरुरी माना जाता है। यदि बच्चों में इस विटामिन की कमी हो जाए तो ब्रेन डैमेज, नर्व डैमैज जैसी कई गंभीर बीमारियां हो सकती हैं। इसलिए जरुरी है कि पेरेंट्स बच्चों की डाइट में विटामिन-बी12 से युक्त चीजों को शामिल करें। आज आपको इस आर्टिकल के जरिए बताते हैं कि विटामिन-बी12 की कमी आप बच्चों के शरीर में से कैसे पूरी कर सकते हैं। आइए जानते हैं...

संतरा

संतरा विटामिन-सी का बहुत अच्छा स्त्रोत माना जाता है। यह इम्यूनिटी को मजबूत बनाने और सर्दी-जुकाम जैसी समस्याओं से बच्चों को दूर रखने में मदद करते हैं। इसके अलावा संतरा विटामिन-बी12 से भरपूर माना जाता है। इसमें एंटीऑक्सीडेंट्स, कैल्शियम जैसे पोषक तत्व भी मौजूद होते हैं,जो बच्चों की ग्रोथ करने में और उनकी हड्डियों को मजबूत बनाने में मदद करते हैं।

सेब

सेब में विटामिन-बी12 के साथ-साथ एंटीऑक्सीडेंट्स, फ्लेवेनॉयड्स और फाइबर मौजूद होता है। रोजाना का एक सेब आप बच्चे को खाने के लिए दे सकते हैं। इससे उसकी सेहत में भी सुधार होगा और बच्चे के शरीर में से पोषक तत्वों की कमी भी पूरी होगी। रोजाना एक सेब खाने से बच्चे बीमारी भी नहीं होंगे।

ब्लूबेरी

मुख्यतौर पर ब्लूबेरी का सेवन वेट लॉस के लिए ही किया जाता है ,लेकिन यह विटामिन-बी12 का भी बहुत अच्छा स्त्रोत मानी जाती है। बच्चों को ब्लूबेरी के लिए जरुर दें। इससे बालों और स्किन को भी फायदा होता है। इससे बच्चे की स्किन की ड्राईनेस भी दूर होगी।

अमरुद

इसका सेवन करना भी बच्चे के लिए बेहद लाभकारी होता है। बच्चों को इसे खाने के लिए दें यह उनके लिए बहुत ही लाभकारी फल माना जाता है। यह विटामिन-सी, विटामिन-बी12 का अच्छा स्त्रोत माना जाता है। यह बच्चे का ब्लड शुगर लेवल भी सुधारने में मदद करता है।

दूध कितनी बार उबालें

दूध सेहत के लिए कितना फायदेमंद होता है यह तो सभी जानते हैं। इसमें कैल्शियम, प्रोटीन, विटामिन और कई तरह के मिनरल्स भरपूर मात्रा में पाए जाते हैं, जो शरीर को पोषण प्रदान करता है,लेकिन क्या आप जानते हैं कि हम दूध उबालते समय कुछ ऐसी गलतियां करते हैं, जिन्हें बिल्कुल नहीं करना चाहिए। बड़ी संख्या में ऐसे लोग मौजूद हैं, जो नहीं जानते कि दूध को कितनी बार उबालना चाहिए। इस गलती के कारण शरीर को दूध का पूरा फायदा नहीं मिल पाता है और वह दूध को कई बार उबालना। जी हां, कई लोग दूध को गाढ़ा करने के लिए उसे काफी देर तक उबालते हैं। वहीं, कुछ लोग दूध को बार-बार उबालने की गलती करते हैं। इतना ही नहीं, कुछ लोग तो दूध में उबाल आने के बाद गैस धीमी कर देते हैं और काफी देर तक उबलते रहते हैं। आइये जानते हैं कि दूध बॉइल करने का सही तरीका क्या है।

दूध उबालने का सही तरीका

दरअसल, कई शोधों में यह बात सामने आ चुकी है कि दूध को ज्यादा देर तक उबालने या बार-बार उबालने से पोषक तत्व नष्ट हो जाते हैं। इससे शरीर को दूध के सारे फायदे नहीं मिल पाते हैं। दूध उबालने का सही तरीका यह है कि दूध को आंच पर रखने के बाद उसे लगातार चम्मच या कलछी से चलाते रहें। जब दूध में उबाल आ जाए तो गैस बंद कर दें। दूध को उबालने के बाद बार-बार उबालने की गलती न करें। दूध को आप जितनी बार भी उबालेंगे, उसके पोषक तत्व नष्ट हो जायेंगे। कोशिश करें कि दूध को सिर्फ एक बार ही उबालें। अगर ऐसा लगे कि दूध खराब हो जायेगा तो आप उसे एक बार और उबाल सकते हैं।

दूध पीते समय रखें इन बातों का ध्यान

अगर आप खाना खाने के बाद दूध पीते हैं तो आधा पेट ही दूध पिएं, नहीं तो डाइजेशन खराब हो सकता है। बैंगन और प्याज खाने के साथ भूलकर भी दूध न पिएं, इससे त्वचा संबंधी रोग हो सकते हैं। मछली और नॉनवेज के साथ कभी भी दूध न पियें। इससे त्वचा पर सफेद धब्बे या ल्यूकोडर्मा हो सकता है। भोजन के तुरंत बाद दूध न पियें। इससे पेट में भारीपन और पाचन संबंधी समस्याएं हो सकती हैं। दूध के साथ नमकीन चीजें खाने से बचें।

बाल लंबे,काले,घने कैसे करें?

अगर आपके बाल बहुत ज्यादा पतले हैं और आप उन्हें काले, घने और मोटे करना चाहती हैं, तो फिर आपको हम यहां पर कुछ ऐसे टिप्स बताने वाले हैं, जिससे आपके बाल की कायापलट हो सकती है। असल में हम आपको यहां पर कुछ गलतियों के बारे में बताने वाले हैं, जो हम हेयरवॉश करते समय कर बैठते हैं।

बालों की ऑयलिंग करना न भूलें- बालों को घना रखना चाहती हैं, तो फिर आप केमिकल प्रोडक्ट के इस्तेमाल से बचें। यह बालों की चमक को कम कर देते हैं। इससे बाल डैमेज होते हैं। इसके अलावा आप बालों की ऑयलिंग करना न भूलें। स्कैल्प मसाज करने से ब्लड सर्कुलेशन अच्छा होता है। इससे बालों में वॉल्यूम बढ़ता है। वहीं, हेयरवॉश करने के बाद कंडीशनर जरूर लगाएं। इससे हेयर वॉल्यूम इंक्रीज होता है। इससे बालों का शाइन भी बढ़ेगा। इसके अलावा बालों को ज्यादा हेयरवॉश करने से बचें। इससे बालों की नमी गायब हो सकती है। ऐसे में इस बात का ख्याल रखें।

यह तरीका भी अपनाएं

आप आंवले का जूस पी सकते हैं या फिर इसके पाउडर का पेस्ट बनाकर बालों में अप्लाई कर सकते हैं। आप मेहंदी में भी इस पाउडर को मिक्स करके बाल को काला कर सकते हैं।

आंवले के पोषक तत्व

इसका जूस को पीने से आंखों की रोशनी मजबूत होती है। इसमें विटामिन ए (vitamin a), बी (vitamin b), सी (c) और ई (E) होता है, जो आंख (eye health) की सेहत के लिए अच्छा माना जाता है। जिन आई साइट वीक है उन्हें तो इसको जरूर पीना चाहिए। यह आपके ब्लड शुगर को भी कंट्रोल करता है। इससे हाई ब्लड प्रेशर को भी कंट्रोल किया जा सकता है। आंवले का जूस आपके चेहरे की सूजन को भी कम करता है। यह जूस आपके लिए एनर्जी बूस्टर की तरह काम करता है।

भारत के लिए गौरव का क्षण

डॉ. साइरस के. मेहता, इटली का सर्वोच्च नेत्र विज्ञान सम्मान, प्रतिष्ठित बेनेडेटो स्ट्रैम्पेली मेडल लेक्चर प्राप्त करने वाले पहले और एकमात्र भारतीय डॉक्टर बन गए हैं। 150 वर्ष पुरानी Societ Oftalmologica Italiana (SOI) द्वारा रोम में उन्हें यह सम्मान प्रदान किया गया। डॉ. मेहता ने जटिल मोतियाबिंद सर्जरी पर मुख्य भाषण दिया। जिससे अपवर्तक और मोतियाबिंद नवाचार में एक वैश्विक नेता के रूप में उनकी स्थिति मजबूत हुई। भारत के लिए यह गौरव का क्षण है।

अगर आप अपनी मेंटल हेल्थ को बेहतर बनाना चाहते हैं, तो डांस एक बहुत ही अच्छा उपाय है। डांस न सिर्फ हमें खुश रखता है, बल्कि यह हमारे तनाव को भी कम करता है। जब हम डांस करते हैं, तो हमारा शरीर खुशी देने वाले हार्मोन छोड़ता है, जिससे हमारा मूड अच्छा होता है। इसके अलावा, डांस करने से हम अपनी रोजमर्रा की चिंताओं से दूर हो जाते हैं और पल भर के लिए सब कुछ भूल जाते हैं। तो, अगर आप अपने मन को हल्का करना चाहते हैं और खुश रहना चाहते हैं, तो अपने पसंदीदा संगीत पर जमकर डांस करें।

मेंटल हेल्थ के लिए करें डांस

तनाव कम करता है

जब हम डांस करते हैं, तो हमारा शरीर एक खास हार्मोन निकालता है जिसे एंडोर्फिन कहते हैं। यह हार्मोन हमें बहुत खुशी देता है और हमारा तनाव दूर करता है। इससे हमारी चिंता और मानसिक परेशानी कम हो जाती है।

आत्म-सम्मान बढ़ाएं

डांस करने से हम अपने शरीर को और अच्छे से समझने लगते हैं और खुद में विश्वास बढ़ता है। जब हम डांस के नए कदम सीखते हैं और उनमें अच्छे होते जाते हैं, तो हमें खुद पर गर्व महसूस होता है। यह हमें खुशी देता है और हमारा आत्म-सम्मान बढ़ता है।

खुशी महसूस करें

जब हम डांस करते हैं, हमारा शरीर खुशी के हार्मोन, जैसे एंडोर्फिन, छोड़ता है। ये हार्मोन हमें बहुत खुश और ऊर्जावान महसूस कराते हैं। इससे हमारा मूड अच्छा होता है और हम तनाव से मुक्त महसूस करते हैं। डांस हमें खुशी और हल्कापन देता है।

दोस्त बनाएं

जब आप डांस क्लास में जाते हैं या किसी समूह में डांस करते हैं, तो आपको नए दोस्त बनाने का मौका मिलता है। इससे आप खुद को कम अकेला महसूस करते हैं। नए लोगों से मिलने और उनके साथ डांस करने से आपको खुशी मिलती है और आपका समय भी अच्छा गुजरता है।

भारत ने 2-1 से जीती वनडे सीरीज

दक्षिण अफ्रीका को 9 विकेट से हराया

महानगर नेटवर्क
विशाखापट्टनम

भारतीय टीम ने शनिवार को दक्षिण अफ्रीका को तीसरे और आखिरी वनडे में 9 विकेट से करारी शिकस्त दी। इस जीत के साथ भारत ने तीन मैचों की वनडे सीरीज 2-1 से जीती। विशाखापट्टनम में खेले गए मुकाबले में दक्षिण अफ्रीका की टीम पहले बल्लेबाजी करते हुए 47.5 ओवर में सिर्फ 270 रन ही बना सकी। इसके जवाब में भारत ने यशस्वी जायसवाल के शतक, रोहित शर्मा और विराट कोहली की दमदार अर्धशतकीय पारी की बदौलत 61 गेंद शेष रहते मैच अपने नाम किया। भारत ने तीसरे वनडे में 39.5 ओवर में एक विकेट खोकर 271 रन बनाए। भारत की ओर से यशस्वी जायसवाल ने सर्वाधिक 116 रन बनाए। भारत ने पहला वनडे 17 रन से जीता था, जबकि दक्षिण अफ्रीका ने दूसरा मुकाबला 4 विकेट से जीतकर वापसी की थी। अंतिम मैच में भारत ने एकतरफा अंदाज में अफ्रीका को धोया।

271 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी भारतीय टीम ने दमदार शुरुआत की। यशस्वी जायसवाल और रोहित शर्मा ने संभलकर शुरुआत की और फिर अपने शॉट खेले। दोनों के बीच पहले विकेट के लिए 155 रन की साझेदारी हुई। पूर्व कप्तान रोहित शर्मा 73 गेंद में 75 रन बनाकर आउट हुए। रोहित का सीरीज में

ये दूसरा अर्धशतक था। इसके बाद यशस्वी जायसवाल ने 111 गेंद में अपना पहला वनडे शतक पूरा किया। वह भारत के लिए तीनों फॉर्मेट में शतक लगाने वाले छठे बल्लेबाज बन गए हैं। भारत के अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली ने 45 गेंद में नाबाद 65 रन बनाए। उन्होंने अपनी पारी में 6 चौके और तीन छक्के लगाए। यशस्वी जायसवाल 121 गेंद में 12 चौके और दो छक्के की मदद से नाबाद 116 रन बनाए। अफ्रीका की ओर से केशव महाराज को एक विकेट मिला। टॉस हारने के बाद बल्लेबाजी करने उतरी दक्षिण अफ्रीका की शुरुआत खराब रही और उसने पहले ही ओवर में रायन रिकलटन (शून्य) का विकेट गंवा दिया। उन्हें अर्शदीप ने विकेटकीपर केएल राहुल के हाथों कैच आउट कराया। इसके बाद बल्लेबाजी करने आये कप्तान टेम्बा बावुमा ने डी कॉक के साथ पारी को संभाला और तेजी के साथ रन बटोरे। दोनों बल्लेबाजों ने दूसरे विकेट के लिए 113 रन जोड़े। 21वें ओवर में रवींद्र जडेजा ने बावुमा को आउटकर इस साझेदारी का अंत किया। टेम्बा बावुमा ने 67 गेंदों में पांच चौके लगाते हुए 48 रन बनाये। इसके बाद मैथ्यू ब्रीत्जके (24) को प्रसिद्ध कृष्णा ने पगबाधा आउट किया। इसी ओवर में कृष्णा ने एडन मारक्रम (एक) का भी शिकार कर लिया। इसी दौरान 30वें ओवर में हर्षित राणा की गेंद पर डी कॉक ने छक्का मारकर अपना शतक पूरा किया। भारत के खिलाफ यह उनका सातवां शतक है। इसी के साथ उन्होंने भारत के खिलाफ सबसे अधिक एकदिवसीय शतक के मामले में सनत जयसूर्या की बराबरी की। इसके अलावा उन्होंने भारत में किसी भी विदेशी बल्लेबाज के सबसे ज़्यादा शतक का एबी डीविलियर्स का रिकॉर्ड की भी बराबरी की। 33वें ओवर में प्रसिद्ध कृष्णा ने क्विंटन डी कॉक को बोल्ड कर दक्षिण अफ्रीका को पांचवां झटका दिया। क्विंटन डी कॉक ने 89 गेंदों में आठ चौके और छह छक्के उड़ाते हुए 106 रनों की पारी खेली। इसके बाद कुलदीप यादव ने 39वें ओवर में पहले डेवाल्ड ब्रेविस (29) और इसी ओवर की तीसरी गेंद पर मार्को यानसन (17) का शिकार कर लिया। कॉर्बिन बॉश (नौ) और लुंगी एन्गिडी (एक) को भी कुलदीप ने आउट किया। 48वें ओवर की पांचवी गेंद पर प्रसिद्ध कृष्णा ने ऑटनील बार्टमैन (तीन) को बोल्ड कर 270 के स्कोर पर दक्षिण अफ्रीका की पारी का अंत कर दिया।

जर्मनी के खिलाफ गलतियों की कोई गुंजाइश नहीं होगी: श्रीजेश

महानगर नेटवर्क
चेन्नई

खिताब से दो जीत दूर भारतीय टीम को जर्मनी के खिलाफ जूनियर हॉकी विश्व कप सेमीफाइनल से पहले मुख्य कोच पी आर श्रीजेश से एक ही सलाह मिली है कि अभी काम पूरा नहीं हुआ है और अपने पैर जमीन पर रखने हैं। भारत ने आखिरी मिनट में गोल गंवाने के बाद शूटआउट तक खिंचे क्वार्टर फाइनल में बेल्जियम को 4-3 से हराया लेकिन दो बार के ओलंपिक पदक विजेता रहे कोच श्रीजेश का कहना है कि सात बार की चैम्पियन जर्मनी के खिलाफ इस तरह की गलतियों की कोई गुंजाइश नहीं रहेगी। उन्होंने कहा, 'बेल्जियम के खिलाफ पहले 45 मिनट एक गोल से पीछे रहना और फर आखिरी एक मिनट में उन्हें बराबरी का गोल करने का मौका देना, यह मुझे अच्छा नहीं लग रहा था। आखिरी मिनट में गोल गंवाना, शूटआउट इससे बचना चाहिए।' भारत के महान गोलकीपर रहे श्रीजेश ने कहा, 'अच्छे मूव को फाइनल टच देना जरूरी है। हम लगातार आक्रमण कर रहे थे और मौके बना रहे थे। सर्कल के भीतर गेंद का नियंत्रण नहीं खोना चाहिए। कठिन टीमों के खिलाफ गोल करने के मौके ज्यादा नहीं मिलते हैं और जो भी मौके मिले, उन्हें भुनाना होगा।' यह पूछने पर कि लीग चरण में आसान चुनौतियों से क्या क्वार्टर फाइनल में दबाव अधिक रहा, श्रीजेश ने कहा, 'लीग दौर के मैच सभी के लिए लगभग बराबर होते हैं। कुछ टीमों को एक कठिन मैच मिल जाता है लेकिन हमने अपनी टीम का स्तर ऊंचा रखने की कोशिश की और उन्हें चुनौतियां दी कि इतने गोल से जीतना है। लेकिन नॉकआउट चरण में दबाव अलग होता है।' भारत ने राउंड रॉबिन चरण में 29

गोल किए और एक भी नहीं गंवाया था। कोच ने आगे कहा, 'क्वार्टर फाइनल से ज्यादा दबाव अब सेमीफाइनल में होगा। क्वार्टर फाइनल में ऑस्ट्रेलिया जैसी टीम क्वालीफाई नहीं कर सकी। हम किसी टीम को हलके में नहीं ले सकते। जर्मन टीम पूरी तैयारी के साथ उतरेगी लिहाजा हमे अपने खेल में सुधार करना होगा।' उन्होंने यह भी बताया कि अपने युवा खिलाड़ियों को बेहतरीन मैच जीतने के बाद उन्होंने समझाया कि काम अभी पूरा नहीं हुआ है और आत्ममुग्धता से बचना जरूरी है। उन्होंने कहा, 'मैने टीम से यही कहा कि पैर जमीन पर रखने हैं और अब फोकस अगले मैच पर करना है। सबसे अहम बात यह है कि अच्छे प्रदर्शन की बजाय गलतियों पर ध्यान दें। डी के भीतर की गई गलतियों को दूर करना होगा।' उन्होंने कहा, 'ये खिलाड़ी सिर्फ जूनियर विश्व कप खेलने के लिये नहीं है, इन्हें आगे भारतीय टीम में खेलना है और इस दबाव का सामना करना आना ही चाहिए। आगे ओलंपिक, एशियाई खेल, विश्व कप, राष्ट्रमंडल खेल सब खेलना है। अभी शुरूआती कदम है और यहां अच्छा खेलने पर आगे की राह आसान हो जाएगी।'

मिचेल स्टार्क की ऐतिहासिक उपलब्धि

डे-नाइट टेस्ट में ऐसा करने वाले तीसरे खिलाड़ी बने

ब्रिस्बेन। ऑस्ट्रेलिया के अनुभवी क्रिकेटर मिचेल स्टार्क उन खिलाड़ियों की खास लिस्ट में शामिल हो गए हैं, जिन्होंने डे-नाइट टेस्ट मैच में 50 या उससे ज्यादा रन बनाए और पांच विकेट लिए। इस स्टार खिलाड़ी ने शनिवार को गाबा में ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड के बीच दूसरे एशेज टेस्ट के तीसरे दिन यह उपलब्धि हासिल की।

स्टार्क यह ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल करने वाले सिर्फ तीसरे क्रिकेटर बन गए। वह दिलरुवान परेरा और जेसन होल्डर के साथ शामिल हो गए। परेरा डे-नाइट टेस्ट में 50+ रन बनाने और पांच विकेट लेने वाले पहले खिलाड़ी थे। उन्होंने यह उपलब्धि 2017 में पाकिस्तान के खिलाफ दुबई टेस्ट के दौरान हासिल की थी। उनके बाद वेस्टइंडीज़ के ऑलराउंडर होल्डर इस खास लिस्ट में शामिल हुए। होल्डर ने यह उपलब्धि 2018 में श्रीलंका के खिलाफ ब्रिजटाउन टेस्ट के दौरान हासिल की थी। इतना ही नहीं स्टार्क के नाम टेस्ट में नंबर 9 बल्लेबाज के तौर पर सबसे ज्यादा रन हैं। ऑस्ट्रेलिया के इस स्टार खिलाड़ी ने 64 टेस्ट और 77 पारियों में 22.34 के औसत से 1,408 रन बनाए हैं जिसमें 8 फिफ्टी और 99 का बेस्ट स्कोर शामिल है। स्टार्क ने इंग्लैंड के स्टुअर्ट ब्रॉड (67 टेस्ट में 19.84 के औसत से 1,389 रन, एक सेंचुरी और तीन फिफ्टी) को पीछे छोड़ दिया। इस नंबर पर उनके नाम सबसे ज्यादा 50+ स्कोर भी हैं। मैच की बात करें तो जो रूट की पहली पारी में शानदार शतक लगाकर संभाला था, 138* रन पर आउट हो गए जब जोफ्रा आर्चर को ब्रेंडन डॉगेट की गेंद पर लैबुशेन ने शानदार डाइविंग कैच से आउट किया जिससे इंग्लैंड का कुल स्कोर 334 रहा। ऑस्ट्रेलिया के लिए मिचेल स्टार्क ने 6/75 के शानदार आंकड़े हासिल किए। यह चल रही एशेज सीरीज में स्टार्क का दूसरा 5-विकेट हॉल था और टेस्ट क्रिकेट में कुल 18वां। जवाब में ऑस्ट्रेलिया पहली पारी में 511 रन पर ऑल आउट होने के बाद मजबूत स्थिति में पहुंच गया और 177 रन की बढ़त ले ली। ऑस्ट्रेलिया के लिए जेक वेदराल्ड (72), मार्नस लाबुशेन (65), कप्तान स्टीव स्मिथ (61), विकेटकीपर-बल्लेबाज एलेक्स कैरी (63) और स्टार्क (77) ने शानदार पारियां खेलीं।

अर्जुन तेंदुलकर ने टी-20 में हासिल की बड़ी उपलब्धि

सचिन भी नहीं बना सके ऐसा रिकॉर्ड

महानगर नेटवर्क
नई दिल्ली

भारतीय घरेलू क्रिकेट में इतिहास रचते हुए अर्जुन तेंदुलकर ने वह कारनामा कर दिखाया है, जो महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर भी अपने टी20 करियर में नहीं कर पाए। सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी 2025 में गोवा की ओर से खेलते हुए अर्जुन ने टी20 मैच में एक ही मुकाबले में ओपनिंग बैटिंग और ओपनिंग बॉलिंग दोनों की, जो बेहद दुर्लभ उपलब्धि है। यह खास उपलब्धि गोवा और मध्य प्रदेश के बीच लीग मुकाबले में दर्ज हुई। अर्जुन को पहली बार टीम ने ओपनर के रूप में भेजा और साथ ही नई गेंद से पहला ओवर भी सौंपा गया। इसी के साथ उन्होंने रिकॉर्ड बुक में अपना नाम दर्ज कराया। अर्जुन ने इस मैच में शानदार प्रदर्शन किया- 4 ओवर में 36 रन देकर 3 विकेट लिए और 10 गेंदों पर 16 रन बनाए। वर्तमान SMAT सीजन के 5 मैचों में उन्होंने 70 रन बनाए हैं और 8 विकेट झटके हैं। सचिन तेंदुलकर भले ही टी20 के सबसे सफल

ओपनर्स में रहे हों, लेकिन उन्होंने कभी ओपनिंग बॉलिंग नहीं की। अपने टी20 करियर में उन्होंने कुल 93 गेंदें डालीं और सिर्फ 2 विकेट हासिल किए। इसके मुकाबले अर्जुन ने कम उम्र में ही एक अनोखी उपलब्धि अपने नाम कर ली है, जिससे तेंदुलकर परिवार में एक नया अध्याय जुड़ गया है। अर्जुन ने मुंबई से अपने करियर की शुरुआत की और टी20 डेब्यू 2020-21 सीजन में किया। रणजी ट्रॉफी डेब्यू पर सेंचुरी लगाकर भी उन्होंने खूब सुर्खियां बटोरीं। अब गोवा की ओर से सभी फॉर्मेट में उनका प्रदर्शन लगातार निखर रहा है।अर्जुन की यह उपलब्धि साबित करती है कि वह सिर्फ नाम का नहीं, बल्कि हुनर का भी दम रखते हैं और भारतीय क्रिकेट के अगले बड़े सितारे बनकर उभर रहे हैं।

अर्जुन तेंदुलकर के करियर आंकड़े (दिसंबर 2025 तक)
फर्स्ट-क्लासः 22 मैच, 48 विकेट, 620 रन (1 शतक, 2 अर्धशतक)

क्विंटन डी कॉक का वनडे में 23वां शतक

महानगर नेटवर्क
विशाखापत्तनम

दक्षिण अफ्रीका के स्टार ओपनर क्विंटन डी कॉक ने अपना 23वां वनडे शतक जमाकर एक बार फिर साबित कर दिया कि वह इस फॉर्मेट के असली बादशाहों में से एक हैं। बड़े प्रदर्शन ने उन्हें आधुनिक युग के महान बल्लेबाज़ों में शामिल कर दिया है। उनका यह शतक उनकी मैच-विनिंग क्षमताओं की एक और मिसाल है। डी कॉक की खासियत यह है कि वह किसी भी टीम के खिलाफ बड़ा स्कोर करने का दम रखते हैं। भारत के खिलाफ उनके सबसे ज्यादा 7 शतक हैं, जबकि श्रीलंका के खिलाफ 4, ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड के खिलाफ 3-3 शतक दर्ज हैं। इसके अलावा बांग्लादेश के खिलाफ 2, पाकिस्तान, न्यूज़ीलैंड और आयरलैंड के खिलाफ 1-1 शतक उनके नाम हैं। यह आंकड़े दिखाते हैं कि वह हर कंडीशन और हर गेंदबाजी आक्रमण के खिलाफ सफल रहे हैं। भारतीय टीम के खिलाफ डी कॉक का रिकॉर्ड बेहद शानदार रहा है। उन्होंने सिर्फ 23 पारियों में 7 शतक और 2 अर्धशतक जड़े हैं। भारत के खिलाफ उनका औसत और स्ट्राइक रेट दोनों श्रेष्ठ रहे हैं, जो बताता है कि बड़े मैचों में वह कितना बेहतर प्रदर्शन करते हैं। लगातार बड़े स्कोर, तेज शुरुआत और मैच का रुख बदलने की क्षमता ने डी कॉक को मॉडर्न-डे वनडे क्रिकेट का एक बड़ा नाम बना दिया है। उनकी बल्लेबाज़ी शैली में आक्रामकता और स्थिरता दोनों दिखती हैं, और यही वजह है कि वह विश्व क्रिकेट में सर्वश्रेष्ठ ओपनरों में गिने जाते हैं।

भारत के खिलाफ सबसे ज्यादा शतक

BCCI ने दी बड़ी अपडेट

शुभमन गिल पहले टी-20 मुकाबले में करेंगे वापसी

महानगर नेटवर्क
कटक

भारत के टी20 उपकप्तान शुभमन गिल को दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ

पहले टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले में खेलने की हरी झंडी मिल गई है। BCCI के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (COE) की खेल विज्ञान टीम ने गिल को पूर्ण फिटनेस मिलने के बाद उन्हें चयन के लिए उपलब्ध घोषित किया। गिल कोलकाता में खेले गए पहले टेस्ट के दौरान गर्दन में अकड़न की वजह से चोटिल हो गए थे। इसके बाद उन्होंने सीओई में अपना पूरा रिहैबिलिटेशन कार्यक्रम सफलतापूर्वक पूरा किया और रिटर्न टू प्ले (RTP) के सभी प्रोटोकॉल्स को भी पार कर लिया। COE द्वारा टीम प्रबंधन की खेल विज्ञान एवं चिकित्सा (SSM) टीम को भेजे गए आधिकारिक पत्र में कहा गया, 'शुभमन गिल ने COE में अपना रिहैबिलिटेशन सफलतापूर्वक पूरा कर लिया है और वह खेल के सभी प्रारूपों के लिए फिट घोषित होने के आवश्यक मानदंडों पर खरे उतरे हैं।' गिल के रिहैब में फिजियो कमलेश जैन, स्ट्रेंथ एंड कंडीशनिंग कोच एड्रियन ली रॉ, और खेल चिकित्सक डॉ. चार्ल्स शामिल थे। कोलकाता टेस्ट के दूसरे दिन चोट लगने के बाद गिल को दो दिनों के लिए अस्पताल में भी भर्ती होना पड़ा था।

2026 फीफा वर्ल्ड कप

48 टीमों वाला नया फॉर्मेट जारी

नई दिल्ली। 2026 फीफा वर्ल्ड कप के लिए ऐतिहासिक 48 टीमों वाला नया फॉर्मेट जारी कर दिया गया है। टूर्नामेंट कनाडा, मैक्सिको और अमेरिका में आयोजित होगा, जिसमें कई रोमांचक ग्रुप और हाई-वोल्टेज मुकाबले तय हुए हैं। जॉन एफ. केनेडी सेंटर में हुए ड्रॉ के बाद फुटबॉल जगत में जोश चरम पर है। मेसी-रोनाल्डो के दौर के बाद अब किलियन एम्बापे और एरलिंग हालांड फुटबॉल के सुपरस्टार हैं। ड्रॉ के अनुसार फ्रांस, नॉर्वे और सेनेगल को एक ही ग्रुप-ग्रुप I में रखा गया है। चौथी टीम यूरोपीय प्ले-ऑफ (यूक्रेन, स्वीडन, पोलैंड, अल्बानिया) से आएगी, जिससे यह "ग्रुप ऑफ डेथ" बन गया है। पिछले विश्व कप की सरप्राइज टीम मोरक्को इस बार ब्राजील के साथ ग्रुप C में है। स्कॉटलैंड और हैती भी इसी ग्रुप में शामिल हैं, जिससे यह मुकाबले और भी दिलचस्प होंगे।

इंग्लैंड-क्रोएशिया दावेदार

ग्रुप L में इंग्लैंड और क्रोएशिया को रखा गया है, जिन्हें खिताब का बड़ा दावेदार माना जा रहा है। पनामा और घाना के लिए यह ग्रुप बेहद चुनौतीपूर्ण होगा।

टूर्नामेंट ओपनर

उद्घाटन मुकाबला मैक्सिको और दक्षिण अफ्रीका के बीच मैक्सिको में होगा। ग्रुप A में इनके साथ दक्षिण कोरिया और यूरो प्ले-ऑफ D का विजेता भी शामिल होगा।

2026 विश्व कप के सभी ग्रुप्स (कंटेंट में वर्णन)

ग्रुप A में मैक्सिको, दक्षिण कोरिया, दक्षिण अफ्रीका और यूरोपीय प्ले-ऑफ D का विजेता शामिल हैं।
ग्रुप B में कनाडा, स्विट्ज़रलैंड, कतर और यूरो प्ले-ऑफ A का विजेता मौजूद होगा।
ग्रुप C में ब्राजील, मोरक्को, स्कॉटलैंड और हैती की टीमें भिड़ेंगी।
ग्रुप D में संयुक्त राज्य अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया, पराग्वे और यूरो प्ले-ऑफ C का विजेता है।
ग्रुप E में जर्मनी, कुराकाओ, आइवरी कोस्ट और इक्वाडोर शामिल हैं।
ग्रुप F में नीदरलैंड, जापान, ट्यूनीशिया और यूरो प्ले-ऑफ B का विजेता होगा।
ग्रुप G में बेल्जियम, ईरान, मिस्र और न्यूज़ीलैंड की टीमें हैं।
ग्रुप H में स्पेन, उरुग्वे, सऊदी अरब और केप वर्डे शामिल हैं।
ग्रुप I में फ्रांस, सेनेगल, नॉर्वे और फीफा प्ले-ऑफ विजेता जगह बनाएंगे।
ग्रुप J में अर्जेंटीना, ऑस्ट्रिया, अल्जीरिया और जॉर्डन की टीमें होंगी।
ग्रुप K में पुर्तगाल, कोलंबिया, उज्बेकिस्तान और फीफा प्ले-ऑफ का विजेता शामिल होगा।
ग्रुप L में इंग्लैंड, क्रोएशिया, पनामा और घाना आमने-सामने होंगे।

कप्तान टेम्बा बावुमा के वनडे में 2000 रन पूरे

महानगर नेटवर्क
विशाखापत्तनम

साउथ अफ्रीका के कप्तान टेम्बा बावुमा शनिवार को विशाखापत्तनम के ACA-VDCA क्रिकेट स्टेडियम में इंडिया के खिलाफ तीसरे और फाइनल वनडे के दौरान एक दिवसीयत क्रिकेट में 2,000 रन बनाने वाले द. अफ्रीका के सबसे उम्रदराज प्लेयर बन गए। टेम्बा बावुमा ने उम्र 35 साल और 203 दिन में यह उपलब्धि हासिल की। उनके बाद रासी वैन डेर डुसेन हैं जिन्होंने 34 साल और 247 दिन की उम्र में यह मुकाम हासिल किया था। इस मुकाम के साथ बावुमा पारी के हिसाब से 2,000 वनडे रन बनाने वाले संयुक्त रूप से चौथे सबसे तेज साउथ अफ्रीकी बैटर भी बन गए, उन्होंने यह उपलब्धि 53 पारियों में हासिल की। उनसे आगे हाशिम अमला (40 पारियां), रासी वैन डेर डुसेन (45 पारियां), गैरी कर्स्टन (50 पारियां) हैं, और क्विंटन डी

कॉक (53 पारियां) के साथ बराबरी पर हैं।

स्ट्राइकर्स को लगा बड़ा झटका

- **मैच पूरा खेला भी नहीं न ही बारिश आई**
- **फिर भी मुकाबला बीच से ही किया रद्द**

नई दिल्ली। महिला बिग बैश लीग (WBBL) में एडिलेड में जो हुआ, उसने खिलाड़ियों, अंपायर्स और दर्शकों—सभी को हैरान कर दिया। ऑस्ट्रेलिया के कारेन रोल्टन ओवल में एडिलेड स्ट्राइकर्स और होबार्ट हरिकेंस के बीच खेला जा रहा मुकाबला अचानक एक ऐसी वजह से रद्द हुआ, जिसे क्रिकेट इतिहास में शायद ही पहले सुना गया हो। एडिलेड स्ट्राइकर्स ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी की और 20 ओवर में 167/4 का मजबूत स्कोर खड़ा किया। सब कुछ सामान्य चल रहा था—लेकिन फिर आया इनिंग ब्रेक, और वहीं से शुरू हुआ असली ड्रामा। इनिंग ब्रेक के दौरान पिच पर रोलर चलाना रूटीन प्रक्रिया है। लेकिन इस बार एक क्रिकेट बॉल रोलर के नीचे फंस गई, और भारी रोलर के प्रेशर से पिच में एक बड़ा गहरा गड्ढा बन गया। ग्राउंड स्टाफ ने भरसक कोशिश की, लेकिन पिच उस हाल में नहीं लाई जा सकी कि दूसरी टीम सुरक्षित तरीके से बल्लेबाजी कर सके। स्थिति का निरीक्षण करने के लिए अंपायर मैच रेफरी, दोनों टीमों के कप्तान ने चर्चा की। सभी ने इस निष्कर्ष पर सहमति जताई कि पिच असुरक्षित है और ऐसे हालात में मैच जारी रखना नियमों और सुरक्षा—दोनों के खिलाफ होगा।

मेमोरी कोच महेश गौड़ ने फिर से बनाया नया वर्ल्ड रिकॉर्ड

मुंबई। कृत्रिम बुद्धिमत्ता (AI) के युग में मानव मस्तिष्क की असाधारण क्षमता को सिद्ध करते हुए सीए डॉ. महेश गौड़ ने एक और ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल कर ली है। मात्र 4 दिनों के प्रशिक्षण में उन्होंने 249 छात्रों को पूरा सीए फाइनल जिएसटी की पुस्तक पेज नंबर सहित याद कराकर लाइव प्रदर्शित करवाया। यह वह उपलब्धि है जिसे पहले असंभव माना जाता था। यह पुस्तक विशेष रूप से आयोजकों द्वारा तैयार की गई थी, ताकि यह जांचा जा सके कि डॉ. गौड़ द्वारा सिखाई गई तकनीकें वास्तव में कितनी प्रभावी हैं। लेकिन छात्रों ने जो प्रदर्शन किया, उसने न केवल आयोजकों बल्कि निर्णायक मंडल को भी चकित कर दिया। जब छात्रों से किसी भी पेज पर क्या लिखा है पूछा गया, तो उन्होंने न सिर्फ विषय बताया बल्कि उस पेज पर दिए गए मुख्य बिंदुओं को भी विस्तार से प्रस्तुत किया ,जिससे डॉ. गौड़ की तकनीकों की अद्भुत सटीकता प्रमाणित हुई। कार्यक्रम के प्रमुख साक्षी रहे सीए विजेंद्र जैन, रीजनल काउंसिल सदस्य, WIRC ऑफ ICAI, सीए अभिषेक तिवारी, पूर्व चेयरमैन, वसई

WICASA ब्रांच ऑफ ICAI और एडवोकेट पूजा जैन, सॉलिसिटर एवं एडवोकेट-ऑन-रिकॉर्ड, सुप्रीम कोर्ट ऑफ इंडिया। साथ ही डॉ .पंकज खटवानी, ऑपरेशन्स हेड, Exclusive World Records एवं King's Book of World Records भी उपस्थित रहे, जिन्होंने इस विश्व कीर्तिमान को आधिकारिक रूप से मान्यता प्रदान की। सीए डॉ. महेश गौड़ पहले से ही विश्व रिकॉर्डधारी मेमोरी एवं मेंटल कोच हैं। अपने ही पुराने रिकॉर्ड को तोड़ते हुए उन्होंने एक नया वैश्विक मानक स्थापित किया है। वे EduQuik के संस्थापक हैं, जहाँ वे साइंस पर समर्थित तकनीकों के माध्यम से छात्रों एवं पेशेवरों की स्मरण शक्ति और एकाग्रता को उत्कृष्ट स्तर तक पहुँचाने पर कार्यरत हैं।डॉ. गौड़ को उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए भारत रत्न सम्मान अवार्ड, राजस्थान प्राइड अवार्ड, महाराष्ट्र रत्न अवार्ड, इंडो-इंटरनेशनल अचीवर्स अवार्ड सहित अनेक प्रतिष्ठित सम्मानों से सम्मानित भी किया जा चुका है।यह ऐतिहासिक उपलब्धि एक बार फिर सिद्ध करती है कि सही प्रशिक्षण के साथ मानव मस्तिष्क हर चुनौती को मात दे सकता है और AI को भी पीछे छोड़ सकता।

जस्टिन ग्रीव्स ने जड़ा टेस्ट में दोहरा शतक

नई दिल्ली। वेस्टइंडीज के जस्टिन ग्रीव्स ने न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले टेस्ट मैच में इतिहास रच दिया है। नंबर 6 पर बल्लेबाजी करते हुए ग्रीव्स ने नाबाद 202 रन की पारी खेलकर टेस्ट क्रिकेट में नया वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाया। वह नंबर 6 या उससे नीचे बल्लेबाजी करते हुए चौथी पारी में दोहरा शतक लगाने वाले दुनिया के पहले बल्लेबाज बन गए हैं। इस पारी में उन्होंने 388 गेंदों का सामना किया और 19 चौके जड़े। जस्टिन ग्रीव्स वेस्टइंडीज के लिए टेस्ट की चौथी पारी में दोहरा शतक लगाने वाले चौथे बल्लेबाज बने। इससे पहले यह उपलब्धि जॉर्ज हेडली (1930), गॉर्डन ग्रीनिज (1984), काइल मेयर्स (2021) के नाम दर्ज थी। 21वीं सदी में न्यूजीलैंड की धरती पर वेस्टइंडीज के लिए सबसे बड़ी पारी का रिकॉर्ड भी अब ग्रीव्स के नाम है।

थलपति विजय के बेटे जेसन संजय भी बनेंगे डायरेक्टर

आमतौर पर हमने स्टारकिड्स को भी पर्दे पर माता-पिता की तरह एक्टर बनते ही देखा है। लेकिन बीते दिनों शाहरुख खान के लाडले आर्यन खान ने इस प्रथा से अलग बतौर डायरेक्टर डेब्यू किया। उनकी वेब सीरीज 'द बैड्स ऑफ बॉलीवुड' रिलीज हुई, सुपरहिट हुई और विवादों में भी रही। अब आर्यन की तरह ही साउथ सिनेमा के सुपरस्टार थलपति विजय के बेटे जेसन संजय भी डायरेक्टर बनकर ही फिल्मी दुनिया में एंट्री लेने वाले हैं। जेसन संजय एक एक्शन-एडवेंचर कॉमेडी फिल्म ला रहे हैं, जिसका नाम 'सिग्मा' है। यह फिल्म 2026 में सिनेमाघरों में रिलीज होगी। बीते दिनों जेसन संजय को एयरपोर्ट पर स्पॉट किया गया था। लंबे समय से थलपति विजय के बेटे को लेकर फैंस में उत्सकुता रही है। कई दीवानों का मानना है कि जेसन के हावभाव और खासकर उनकी मुस्कुराहट हू-ब-हू अपने पिता जैसी है। सबको लगा था कि वह एक्टर बनेंगे। लेकिन फिलहाल ऐसा होता नहीं दिख रहा। खबर है कि जेसन संजय ने ना सिर्फ अपनी पहली फिल्म 'सिग्मा' की शूटिंग शुरू की है, बल्कि यह आखिरी पड़ाव पर है। 'पिंकविला' और कई दूसरे मीडिया रिपोर्ट्स में बताया गया है कि हाल ही में जेसन संजय ने 'सिग्मा' के लिए एक गाने का सीक्वेंस डायरेक्ट किया है। इस गाने में एक्ट्रेस कैथरीन ट्रेसा हैं, जिन्हें कथित तौर पर इस स्पेशल डांस ट्रैक के लिए कास्ट किया गया है। अंदाजा यह भी लगाया जा रहा है कि जेसन संजय खुद भी इस गाने का हिस्सा हो सकते हैं, जो शायद उनकी दूसरी ऑन-स्क्रीन अपीयरेंस होगी।

जब अमिताभ ने शाहरुख खान को दी थी यह अहम सीख

बॉलीवुड सुपरस्टार शाहरुख खान के लिए महानायक अमिताभ बच्चन हमेशा से रोल मॉडल रहे हैं। शाहरुख बॉलीवुड के शहंशाह की कितनी इज्जत करते हैं इसका अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि जब भी दोनों साथ में स्टेज पर होते हैं तो शाहरुख उनके बेटे की तरह बर्ताव नजर आते हैं। अमिताभ ने खुद शाहरुख खान को बॉलीवुड का बादशाह कहा था और अमिताभ को जब भी किसी शूट में शाहरुख के साथ स्क्रीन शेयर करते देखा जाता है तो SRK की मुस्कान देखने लायक होती है। अमिताभ बच्चन ने भी शाहरुख को अपना बेटा समझकर ही हमेशा इंडस्ट्री में आगे बढ़ते के टिप्स दिए हैं।

स्टार बनने से डरने लगे थे बादशाह खान

शाहरुख खान ने खुद एक इंटरव्यू में बताया था कि अमिताभ ने उन्हें कुछ ऐसा सिखाया था जिसे उन्होंने हमेशा फॉलो किया है। शाहरुख खान ने कहा, ₹मुझे अमित जी ने एक चीज सिखाई थी। उन्होंने कहा अब क्योंकि तुम एक बड़े स्टार बन गए हो तो तुम चाहे कुछ भी करो, तुम्हें गलत ठहराया जाएगा। तो पहली चीज यह करना कि कभी अगर गलती हो जाए, हाथ जोड़कर माफी मांग लेना।₹ शाहरुख ने कहा कि वो तब यंग थे तो उन्होंने कहा- लेकिन अमित जी अगर मैंने गलती ना की हो तो? शाहरुख खान ने बताया, उन्होंने मुझसे कहा कि वही तो कह रहा हूं, माफी मांग लेना। और जहां भी जाओ, झुक कर बात करना। अगर कोई तुमसे बदतमीजी करे या तुमको मुक्का मारे और अगर तुम उसको वापस मुक्का मारोगे तो पता है क्या होगा? तुम नशे में थे। मैंने कहा कि मैं नशे में नहीं था। तो उन्होंने कहा- नहीं तुम थे। पैसा तुम्हारे सिर पर चढ़ गया है। तुम अवैध किस्म के आदमी हो। तुम भ्रष्ट हो। शाहरुख खान ने कहा- मैं इतना डर गया कि सोचा मुझे नहीं बनना है स्टार। मैं सोच रहा था कि यार ये सब हो जाएगा मेरे साथ?

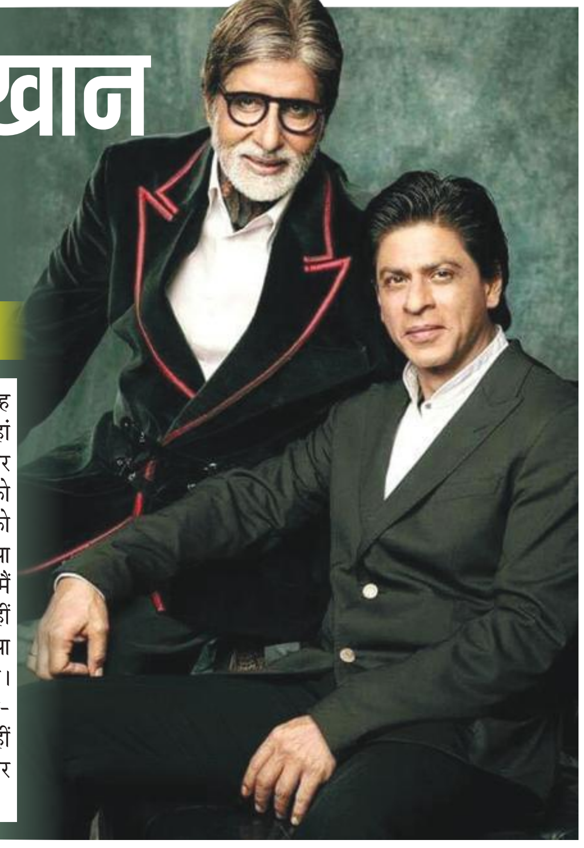

न्यूली वेड सामंथा रुथ प्रभु काम पर लौटीं वापस

शादी के चार दिन बाद शुरू की शूटिंग, शेयर की तस्वीर

सामंथा रुथ प्रभु ने 1 दिसंबर को राज निदिमोरु के साथ शादी की थी और अब चौथे दिन ही वह काम पर लौट आईं। न्यूली वेड एक्ट्रेस ने सेट से एक तस्वीर भी शेयर की है। सामंथा ने शुक्रवार, 5 दिसंबर को वैनिटी वैन से अपनी तस्वीर शेयर की। वह अपनी नई फिल्म Ma Inti Bangaram में बिजी हैं। सामंथा हनीमून पर भी सिर्फ एक ही दिन के लिए जा पाई थीं और बताया था कि वह बाद में ज्यादा दिन के लिए जाएंगी। अभी उन्हें शूट पर वापस लौटना है, तो सिर्फ एक दिन का गोवा का हनीमून प्लान किया है।

सामंथा रुथ प्रभु अब काम पर लौटीं तो अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक तस्वीर शेयर की, जिसमें वह मेकअप चेयर पर बैठीं डायरेक्टर नंदिनी रेड्डी और मेकअप आर्टिस्ट अवनी रंभिया से बातें करती नजर आ रही हैं। तस्वीर के साथ उन्होंने लिखा, 'लेट्स गो।' सामंथा ने इस दौरान कैजुअल टी-शर्ट और जींस पहनी हुई थी, पर उनके हाथों और पैरों पर दुल्हन वाली मेहंदी साफ दिखाई दे रही थी।30 नवंबर को सामंथा और राज निदिमोरु की शादी की खबरें सामने आई थीं, और अगली सुबह एक्ट्रेस ने तस्वीरें शेयर कर कन्फर्म किया कि उनकी और राज निदिमोरु की शादी हो गई। सामंथा और राज निदिमोरु ने एक प्राचीन योगिक परंपरा 'भूत शुद्धि विवाह' से शादी की थी। इस रस्म में शरीर के पांच तत्वों का शुद्धिकरण किया जाता है।

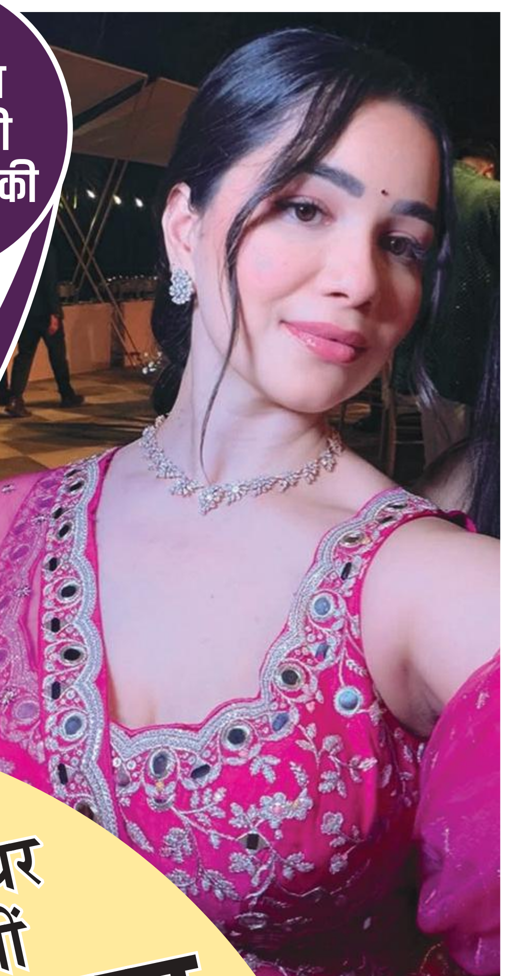

पिंक सूट और माथे पर ब्लैक बिंदी लगा इतराती नजर आईं सारा तेंदुलकर

क्रिकेट के दिग्गज सचिन तेंदुलकर की बेटी सारा तेंदुलकर भले ही फिल्म इंडस्ट्री से ताल्लकु नहीं रखती हैं, लेकिन उनकी फैन फॉलोइंग किसी बॉलीवुड स्टार से कम नहीं है. सोशल मीडिया पर उनकी तगड़ी फैन फॉलोइंग है, जो उनके हर पोस्ट का बेसब्री से इंतजार करती है. सारा तेंदुलकर को अक्सर उनके फैशन सेंस और स्टाइलिश अवतार के लिए जाना जाता है.

हाल ही में सारा तेंदुलकर ने अपने एक ट्रेडिशनल और सादगी भरे लुक की तस्वीरें शेयर की हैं, जिसने इंटरनेट पर तहलका मचा दिया है. पिंक सूट और माथे पर काली बिंदी लगाए उनका यह नया अंदाज इतना मनमोहक है कि फैंस उनकी मासूमियत और सादगी को देखकर पूरी तरह से दीवाने हो गए हैं. सारा तेंदुलकर ने अपने इस लेटेस्ट लुक में ट्रेडिशन फैशन में नजर आईं हैं. तस्वीरों में सारा ने एक खूबसूरत पिंक रंग का सलवार सूट पहना हुआ है. सूट का रंग बेहद खूबसूरत है. जो उनकी गोरी रंगत पर खूब फब रहा है. यह ट्रेडिशनल लिबास उनके वेस्टर्न लुक्स से बिल्कुल अलग है, जिसने उनकी सादगी को और भी निखार दिया है. उनके पूरे लुक का सबसे खास एलिमेंट उनके माथे पर लगी छोटी सी काली बिंदी है. बिंदी उनके इस एथनिक लुक को एक क्लासिक टच दे रही है, जिससे उनकी मासूमियत कई गुना बढ़ गई है. यह छोटा-सा फैशन स्टेटमेंट उनकी खूबसूरती को पूरी तरह से कॉम्प्लीमेंट कर रहा है. जैसे ही सारा तेंदुलकर ने ये तस्वीरें सोशल मीडिया पर शेयर कीं, कमेंट सेक्शन में प्यार भरे रिएक्शन की बाढ़ आ गई. यूजर्स उनकी तारीफ करते नहीं थक रहे हैं. कई लोगों ने कमेंट में लाल दिल और फायर वाली इमोजी बनाई है. यूजर्स उनकी मासूमियत को देख दीवाने हो रहें हैं.

राखी सावंत का दावा पाकिस्तान में है उनका मंदिर

बोलीं- घी के दीपक से होती है पूजा

बॉलीवुड में आइटम गर्ल के नाम से फेमस राखी सावंत उन चुनिंदा लोगों में से हैं जो बेबाकी से अपनी राय रखती हैं। सोशल मीडिया पर राखी अपने अनोखे अतरंगे बयानों की वजह से छाई रहती हैं। अब राखी सावंत ने एक पॉडकास्ट में दावा किया है कि पाकिस्तान में उनका मंदर है। राखी ने कहा कि पाकिस्तान में लोग उनकी पूजा करते हैं। पारस छाबड़ा ने अपने पॉडकास्ट में कहा कि राखी सावंत वर्ल्ड फेमस हैं।

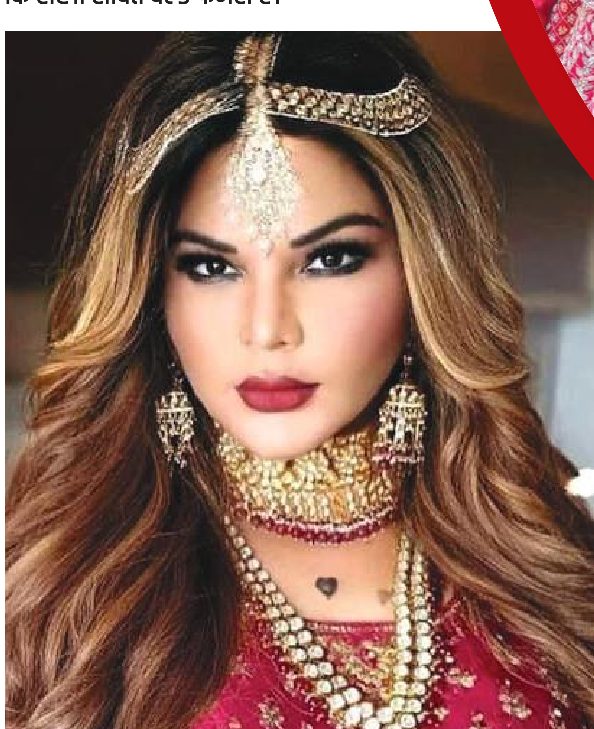

इसपर राखी ने हामी भरी और कहा कि पाकिस्तान में तो उनके नाम का मंदिर है। लोग उनकी वहां पूजा करते हैं। राखी ने कहा कि वो इंडिया में रहकर वर्ल्डफेमस हैं। अपनी बातचीत को आगे बढ़ाते हुए राखी सावंत ने कहा, "पाकिस्तान में लोग मेरी पूजा करते हैं। पाकिस्तान में तो ज्यादा मस्जिद हैं, लेकिन पाकिस्तान में तो पाकिस्तानियों ने मेरा मंदिर बनाया है। मुझे देवी बनाकर पूजते हैं पाकिस्तान में।" राखी सावंत की बात सुनकर पारस छाबड़ा ने कहा कि ये बात सुनी-सुनी सी लग रही है। पारस ने कहा कि उर्वशी रौतेला ने भी ऐसा कुछ बोला था। राखी सावंत ने पारस की ये बात सुनकर मुंह बनाया और कहा कि नहीं-नहीं, रौतेला ने तो खुद ही बनाया होगा। राखी ने कहा, "मैं पाकिस्तान थोड़े न गई हूं। तो मुझे कैसे पताक्योंकि वहां के लोगों ने मुझे बोला है कि हमने आपका मंदिर बनाया है यहां। मैंने कहा, पाकिस्तान तो इस्लामिक देश हैउन लोगों ने कहा नमाज पढ़ने तो हम मस्जिद जाते हैं, लेकिन अगर कोई हमें कोई पसंद है जैसे शाहरुख, सलमान और हिरोइन में राखी सावंत। मुझे मंदिर में असली घी के दिए से पूजते हैं।"

रामायण के 'लक्ष्मण' के घर की बहू बनीं सारा खान

हिंदू और मुस्लिम रीति-रिवाजों से हुई शादी

बिदाई फेम एक्ट्रेस सारा खान और रामानंद सागर की रामायण में लक्ष्मण का किरदार निभाने वाले सुनील लहरी के बेटे कृष पाठक ने अपनी शादी की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर शेयर की हैं। सारा और कृष ने 5 दिसंबर को एक दूसरे से शादी रचाई। दोनों की शादी हिंदू और मुस्लिम रीति-रिवाजों से हुई। सारा ने जो तस्वीरें शेयर की हैं उसमें वो दो अलग-अलग रंग के शादी के जोड़े में नजर आ रही हैं।

सारा खान और कृष पाठक ने अक्टूबर 2025 में कोर्ट मैरिज की थी। अब दोनों ने रीति-रिवाजों के साथ शादी रचाई है। तस्वीरें शेयर करते हुए सारा खान ने लिखा- कुबूल है से सात फेरों तकहमारे प्यार ने अपनी कहानी खुद लिखी है, और हम दोनों की दुनिया ने हां कहा। सारा ने जो तस्वीरें शेयर की हैं उसमें पहली तस्वीर में सारा व्हाइट एंड गोल्डन जोड़े में नजर आ रही हैं। वहीं, कृष पाठक सफेद रंग की शेरवानी में नजर आ रहे हैं। वहीं, दूसरी तस्वीर में सारा खान लाल जोड़े में नजर आ रही हैं। कृष लाल रंग की शेरवानी में नजर आ रहे हैं। दोनों एक दूसरे के साथ रोमांटिक होते भी दिख रहे हैं। सारा ने अपने दोनों जोड़ों के साथ भारी ज्वेलरी पहनी है। सारा खान ने इंस्टाग्राम पर चार फोटोज पोस्ट की हैं। दो तस्वीर निकाह के दौरान की है और दो फेरों के समय की, जहां दोनों इस पल को खुशी से जीते हुए, इंजॉय करते हुए नजर आ रहे हैं।

बॉलीवुड फैशन आइकन सोनम कपूर इन दिनों अपनी दूसरी प्रेग्नेंसी को जमकर एंजॉय कर रही हैं. खास बात ये है कि इस दौरान भी सोनम का फैशन गेम ऑन पॉइंट बना हुआ है. एक्ट्रेस की नई फोटोज सामने आई हैं, जिन्हें उनकी बहन और पॉपुलर स्टाइलिस्ट रिया कपूर ने शेयर किया है. इन तस्वीरों में सोनम का प्रेग्नेंसी ग्लो और ब्लैक साड़ी वाला क्लासी लुक सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रहा है.

प्रेग्नेंसी ग्लो में चमकीं Sonam Kapoor, ब्लैक साड़ी में फ्लॉन्ट किया बेबी बंप

ब्लैक ब्रोकरेड साड़ी में दिखा रॉयल अंदाज

तस्वीरों में सोनम अबू जानी संदीप खोसला और स्वदेश इंडिया की डिजाइन की गई ब्लैक ब्रोकरेड बनारसी साड़ी में बेहद खूबसूरत दिख रही हैं. बेज, गोल्ड और सिल्वर जरदोजी बॉर्डर वाली यह साड़ी रॉयल टच दे रही है, इसके साथ सोनम ने टर्टल-नेक फुल स्लीव्स ब्लाउज पहना, जिसने उनके पूरे लुक को बेहद क्लासी और मॉडर्न फील दिया। सोनम ने अपने लुक को गोल्ड नेकलेस और झुमकों के साथ कंप्लीट किया. ये ज्वेलरी उनकी साड़ी को खूबसूरती से कॉम्प्लिमेंट करती नजर आई. हेयरस्टाइल की बात करें तो एक्ट्रेस ने स्लीक बन बनाया, जिससे उनका चेहरा और भी ग्रेसफुल दिखाई दै रहा है. हर फ्रेम में सोनम अपना बेबी बंप बड़े कॉन्फिडेंस और एलीगेंस के साथ फ्लॉन्ट करती नजर आ रही हैं. उनका रॉयल अंदाज और मातृत्व की चमक साथ में मिलकर फैंस को खूब इंप्रेस कर रही है.

एक बार फिर एक्ट्रेस ने बटोरी सुर्खियां

लेकिन इस बार उनका ब्लैक साड़ी वाला रॉयल लुक इंटरनेट का नया फेवरेट बन गया है. सोनम कपूर एक बार फिर साबित कर रही हैं कि मैटरनिटी फैशन भी ग्लैमरस, ग्रेसफुल और बेहद क्लासी हो सकता है.

अभिषेक बच्चन ने आईएफपी सीजन 15 में किए खुलासे

आईएफपी, जो क्रिएटिविटी X कल्चर के सभी पहलुओं का दुनिया का प्रमुख सम्मेलन है, ने अपने पंद्रहवें संस्करण को मेहबूब स्टूडियो में शानदार अंदाज़ में संपन्न किया। व्यक्तिगत खुलासों से लेकर दुर्लभ रचनात्मक अंतर्दृष्टि तक, सेशंस ने भारत के कुछ सबसे चर्चित कलाकारों का एक रॉ, अनफ़िल्टर्ड रूप सामने लाया। आईएफपी सीज़न 15 के मंच पर जब अभिषेक बच्चन से उनके पिता की फ़िल्मों को रीमेक करने पर सवाल पूछा गया, तो उन्होंने गर्व से कहा, "मैं कभी भी अपने पिता की किसी भी फ़िल्म को दोबारा नहीं बनाना चाहूंगा, और इसका कारण यह है कि मैं अमिताभ बच्चन जैसा बनकर ही बड़ा हुआ हूं।

मैं बच्चन का सबसे बड़ा फ़ैन हूं। मैं अपने पापा की फ़िल्में जितनी बार देख सकता था, देखता था। मेरी बचपन की एक अवधि ऐसी थी जब मैं सिर्फ़ अपने पिता की ही फ़िल्में देखता था, और फिर हम दोस्त मिलकर घर के पिछवाड़े में जाकर पूरी फ़िल्म दोबारा इनैक्ट करते थे — लड़ाई यह होती थी कि बच्चन कौन बनेगा। मेरी पीढ़ी में बहुत कम लोग होंगे जिन्होंने उन्हें आइडोलाइस नहीं किया। मैं यह एक बेटे की तरह नहीं, एक फ़ैन की तरह कह रहा हूं।" इसी मंच पर पार्वती तिरुवोथु ने अपने सबसे बड़े ऑन-सेट असुरक्षाएँ को लेकर खुलकर बातें कीं। उन्होंने कहा, "मैं अपने निर्देशकों के साथ काफ़ी भाग्यशाली रही हूं, लेकिन शांत लड़ाइयां हमेशा रहती हैं। मैंने थिएटर स्कूल या फ़िल्म स्कूल में नहीं पढ़ा, इसलिए मेरी बहुत सी असुरक्षाएँ काम करते-करते सीखने से आती हैं। मैं लगातार जानकारी जमा करती रहती हूं जैसे हर्माइनी का जादुई बैग, क्योंकि मुझे तैयार रहना पसंद है। जब मैंने पुलिस का किरदार निभाया था, तो वर्दी इतनी कसी हुई होती थी कि मैं साँस नहीं ले पाती थी, हम परदे पर औरतों को 'पूरी तरह से कसी हुई' देखने के आदी हो चुके हैं। और मैं वो शख़्स हूं जो हमेशा पूछती रहती हूं, 'लेकिन क्यों?' भले ही इससे लोगों को चिढ़ हो, क्योंकि किसी किरदार की गरिमा की रक्षा के लिए मुझे पसंद किए जाने की ज़रूरत नहीं है। अगर इससे मैं परेशानी का सबब बनता हूँ, तो मुझे कोई दिक्कत नहीं है। आईएफपी सीज़न 15 मंच पर शाहिद कपूर ने उड़ता पंजाब में टॉमी की सच्चाई खोजने के अपने अनुभव पर बात करते हुए कहा, "मेरा पहला सवाल चौबे (अभिषेक चौबे) से यही था कि आप मेरे पास क्यों आए? मैं पीता नहीं हूं। मैंने कभी नशा नहीं किया, मुझे नहीं पता यह कैसे करना है।

बेवफा है तू... से बॉलीवुड में चला अनुरागिनी त्रिपाठी का जादू

दिल पागल है..., बेवफा है तू..., तुम से ही... जैसे दर्जनों गानों के जरिए हिंदी सिने जगत में अपनी खास मुकाम बनाने वाली अनुरागिनी त्रिपाठी, हिंदी के साथ साथ भोजपुरी में भी अपनी सुरीली आवाज़ का जादू बिखेर रही हैं। मूलत: गोरखपुर उत्तर प्रदेश की रहने वाली अनुरागिनी बहुमुखी प्रतिभा की धनी हैं। वो न केवल फिल्मों के गीतों को अपने सुरीले कंठ से सजाती हैं बल्कि शब्दों की माला का संयोजन कर गीत भी बुनती हैं। बहुत ही कम उम्र में संगीत जगत में एक खास मुकाम हासिल करने वाली अनुरागिनी गीतों के लिए संगीत भी पिरोती है। अभी तक विभिन्न विद्याओं (Romantic, Sad song, Devotional, Bhajans & Rap) के गीतों के जरिए अपने हुनर को साबित किया है। बचपन से संगीत की दीवानी अनुरागिनी मशहूर गायक सुरेश वाडकर की शिष्या हैं। सुरेश वाडकर के अजीवासन म्यूजिक एकेडमी के सानिध्य में संगीत की शिक्षा लेने वाली अनुरागिनी आज अपने गुरु का नाम सिने जगत में बखूबी रौशन कर रही हैं। सुरेश वाडकर के अलावा अनुरागी अपने म्यूजिक टीचर कुणाल इंगले को अपना गुरु मानती हैं। उनके गए हुए गाने spotyfy, gana.com जैसे डिजिटल के सभी प्लेटफॉर्म पर उपलब्ध हैं। इसके अलावा उन्होंने प्रीतम दा के साथ लाइव परफॉर्म किए हैं। इसके साथ ही वो गिनीज़ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स विजेता भी हैं।